नई दिल्ली । शुक्रवार, 24 जुलाई, 2026
आषाढ़ शुक्ल पक्ष दशमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक : 199 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक

विश्व केसरी

नई दिल्ली संस्करण

सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 : भारत का पहला पदक पक्का... @ विचार विक्रम-1 : नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय... @ व्यापार लगातार चौथे दिन बाजार में छाई लाली, सेंसेक्स 364...

नीट पेपर लीक मामला

राहुल गांधी का गांधी स्मृति मार्च

'छात्र सड़क पर हैं, इसलिए हम भी सड़क पर हैं', छात्रों के साथ न्याय होगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर सियासी तापमान और बढ़ गया है। गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में इंडिया गठबंधन के सांसद एकजुट होकर गांधी स्मृति पहुंचे। राहुल गांधी अपने सरकारी आवास से विपक्षी नेताओं के साथ एक बस में सवार होकर निकले। इस दौरान कांग्रेस, आरजेडी, सीपीआई(एम) समेत कई विपक्षी दलों के सांसद उनके साथ मौजूद रहे।

हालांकि, यात्रा शुरू होने से पहले कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई। राहुल गांधी के आवास के बाहर दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी और बस को आगे बढ़ने से रोक दिया। कुछ मिनट तक चली बातचीत के बाद पुलिस ने रास्ता खोल दिया, जिसके बाद विपक्षी नेताओं का काफिला गांधी स्मृति के लिए रवाना हो गया।

रवाना होने से पहले राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि छात्र अपने भविष्य को लेकर सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं, ऐसे में विपक्ष का कर्तव्य है कि वह उनके साथ खड़ा रहे। उन्होंने कहा, 'हम पहले इंडिया गेट जाना चाहते थे, लेकिन हमें अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद हमने गांधी स्मृति जाने का फैसला किया, वहां भी हमें कुछ देर रोका गया। हमारा सबसे बड़ा संदेश देश के छात्रों के लिए है कि हम आपके साथ हैं और आपकी आवाज संसद से लेकर सड़क तक उठाएंगे।'

पहले हुई रणनीति बैठक, फिर निकला विपक्ष का काफिला

गांधी स्मृति मार्च से पहले राहुल गांधी ने अपने आवास पर विपक्षी सांसदों की बैठक बुलाई थी। बैठक में नीट पेपर लीक, संसद में सरकार को घेरने की रणनीति और छात्रों के समर्थन में संयुक्त कार्यक्रम पर चर्चा हुई। इसके बाद सभी नेताओं ने एक साथ बस से गांधी स्मृति जाने का फैसला किया। बैठक की जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी। इलाके में बैरिकेडिंग कर दी गई और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। इस बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ भी आवास के बाहर जुटने लगी।

विपक्ष ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

आरजेडी सांसद संजय यादव ने कहा कि पिछले दस वर्षों में देशभर में 152 पेपर लीक हुए, लेकिन आज तक किसी बड़े आरोपी को सजा नहीं मिली। उनके मुताबिक शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता खत्म हो चुकी है और लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर लगा हुआ है। वहीं, सीपीआई(एम) सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि विपक्ष गांधी स्मृति इसलिए जा रहा है क्योंकि सरकार छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा छात्रों के साथ एकजुटता और लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक है।

अमेरिका-ईरान युद्ध : भारत के लिए सबसे बड़ी आर्थिक चेतावनी

तेल, महंगाई और व्यापार पर मंडराया संकट, आम भारतीय की जेब पर पड़ेगा सबसे बड़ा बोझ

सुजीत कुमार ■ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य संघर्ष अब केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रह गया है। इसकी आंच पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को झुलसा रही है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। युद्ध जितना लंबा खिंचेगा, उसका आर्थिक बोझ उतना ही अधिक भारत जैसे विकासशील देशों पर पड़ेगा। सबसे बड़ी चिंता इस बात की है कि इस संघर्ष की कीमत अंततः आम भारतीय नागरिक को महंगाई, महंगे ईंधन और बढ़ती जीवन-यापन लागत के रूप में चुकानी पड़ सकती है।

भारत अपनी कुल कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है और उसका बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है। ऐसे में इस क्षेत्र में हर सैन्य तनाव सीधे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करता है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल का अर्थ केवल पेट्रोल और डीज़ल का महंगा होना नहीं है। परिवहन लागत बढ़ने से खाद्यान्न, फल-सब्जियां, दवाइयां, निर्माण सामग्री और रोजमर्रा की लगभग हर वस्तु महंगी हो जाती है। महंगाई की यह श्रृंखला सबसे अधिक मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों को प्रभावित करती है।

युद्ध का दूसरा बड़ा असर भारत के आयात बिल पर पड़ेगा। तेल महंगा होने से विदेशी मुद्रा का अधिक व्यय होगा, चालू खाते का घाटा बढ़ेगा और रुपये पर दबाव बनेगा। यदि रुपया कमजोर होता है तो इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, रसायन और अन्य आयातित वस्तुएं भी महंगी हो जाएंगी। इसका असर उद्योगों की लागत और देश की आर्थिक वृद्धि दोनों पर पड़ेगा।

चिंता केवल तेल तक सीमित नहीं है। फारस की खाड़ी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा हैं। यदि वहां तनाव बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं, तो शिपिंग, बीमा और माल ढुलाई की लागत कई गुना बढ़ सकती है। इसका सीधा असर भारत के निर्यात, आयात और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ेगा। ऑटोमोबाइल, उर्वरक, रसायन, विमानन और विनिर्माण क्षेत्र विशेष रूप से प्रभावित हो सकते हैं।

वित्तीय बाजार भी इस संकट से अछूते नहीं रहेंगे। वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने पर विदेशी निवेशक सुरक्षित बाजारों का रुख करते हैं। इससे भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है और निवेश की गति धीमी पड़ सकती है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो रोजगार सृजन और आर्थिक विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

भारत के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार, रणनीतिक तेल भंडार और मजबूत वित्तीय संस्थान हैं, लेकिन यह युद्ध एक बार फिर यह याद दिलाता है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी विषय है। सरकार को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों, घरेलू उत्पादन, रणनीतिक भंडारण और ऊर्जा आयात के विविधीकरण पर और तेज़ी से काम करना होगा।

अमेरिका-ईरान युद्ध केवल दो देशों के बीच सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक गंभीर चेतावनी है। भारत के लिए यह समय सतर्क रहने, आर्थिक तैयारी मजबूत करने और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक कदम उठाने का है। आने वाले दिनों में यह युद्ध केवल सीमा पर नहीं, बल्कि बाजार, महंगाई और आम आदमी की रसोई में भी लड़ा जाएगा।

बात करनी है तो सरकार जंतर-मंतर आए : सीजेपी

आज देशभर में प्रदर्शन का ऐलान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सरकार ने गुरुवार को कहा कि वह कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के साथ किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 24 घंटे में सीजेपी को जेपी नड्डा के घर या ऑफिस पर बातचीत के लिए 4 बार प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

हालांकि, सीजेपी ने कहा है कि सरकार को बात करनी है तो जंतर-मंतर आए या फिर किसी न्यूट्रल जगह पर चर्चा करे। हम किसी के घर या ऑफिस नहीं जाएंगे। इधर, कॉकरोच जनता पार्टी ने अब 24 जुलाई को देशभर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन का ऐलान किया है। 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी के नेतृत्व में छात्रों का प्रदर्शन 20 जून से जारी है। प्रदर्शनकारी नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन में 28 जून से शामिल हुए सोनम वांगचुक के अनशन का आज 26वां दिन हैं। वांगचुक फिलहाल गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं।

पहला टी20 : वैभव सूर्यवंशी की ऐतिहासिक फिफ्टी

भारत ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराया

एजेंसी ■ हरारे

भारतीय क्रिकेट टीम ने तीन टी20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हरा दिया। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम को जीत के लिए 126 रन की जरूरत थी। टीम इंडिया ने वैभव सूर्यवंशी के विस्फोटक अर्धशतक की मदद से ये लक्ष्य 13.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

अपने शुरुआती तीन पारियों में फ्लॉप रहे बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बल्ला इस मैच में जमकर चला। वैभव ने अर्धशतक लगाया और अंतरराष्ट्रीय फिफ्टी में फिफ्टी लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बने। वैभव ने मात्र 19 गेंदों पर 4 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 50 रन की पारी खेली।

इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने 24 गेंदों पर 35 रन की पारी खेली। किशन ने अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के लगाए। कप्तान श्रेयस अय्यर 24 गेंदों पर 28 और तिलक वर्मा 5 गेंदों पर 6 रन बनाकर नाबाद रहे। अभिषेक शर्मा का बल्ला नहीं चला। वह 8 गेंदों पर सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हुए। ब्लेसिंग मुजारबानी ने 4 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट लिए। रिचर्ड नागवारा ने को 1 विकेट मिला। इससे पहले टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला करते हुए भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट के नुकसान पर 125 रन पर रोक दिया था। जिम्बाब्वे के लिए रेयान बर्ल ने 35 गेंदों पर 26, वेस्ली मधेवेरे ने 34 गेंदों पर 39 और तादिवानाशे मारुमानी ने 20 गेंदों पर 27 रन की पारी खेली थी। भारत की तरफ से तेज गेंदबाज मयंक यादव ने 4 ओवर में 18 रन देकर 2, प्रिंस यादव ने 4 ओवर में 19 रन देकर 2, शिवम दुबे ने 4 ओवर में 32 रन देकर 1, और रवि बिश्नोई ने 4 ओवर में 24 रन देकर 1 विकेट लिया।

पहले शिक्षा मंत्री का हो इस्तीफा फिर होगी नीट पर चर्चा : खड़गे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राज्यसभा में नीट परीक्षा मुद्दे पर चर्चा को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। जहां संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना है कि पहले सरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा ले उसके बाद ही यह चर्चा शुरू हो सकती है।

राज्यसभा में नीट परीक्षा विवाद को लेकर जारी गतिरोध के बीच नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार से शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि विपक्ष चर्चा से नहीं भाग रहा है, बल्कि शुरू से ही चर्चा के लिए तैयार है।

खड़गे ने सभापति को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आपसे विनम्रतापूर्वक आग्रह करता हूं कि सरकार आगे आए और इस मुद्दे पर स्पष्ट बयान दे। हम शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं और उनका इस्तीफा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नीट विवाद के कारण देशभर में हजारों छात्र प्रभावित हुए हैं। कई छात्र और उनके परिवार गंभीर मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं तथा अनेक परिवार परेशान हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरकार को सबसे पहले छात्रों की स्थिति और उनकी चिंताओं पर ध्यान देना चाहिए। विपक्ष नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हम शुरू से चर्चा के लिए तैयार हैं, लेकिन शिक्षा इस्तीफा जरूर होना चाहिए और जब तक इस्तीफा नहीं दिलाया जाएगा, तब तक चर्चा शुरू नहीं होगी। गौरतलब है कि नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर संसद के दोनों सदनों में लगातार गतिरोध बना हुआ है।

छात्रों के प्रदर्शन को सुप्रीम कोर्ट के वकीलों का मिला समर्थन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के वकीलों ने जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के समर्थन और पुलिस की कार्रवाई के विरोध में संविधान की प्रस्तावना पढ़ी और राष्ट्रगान गाया। इस दौरान उन्होंने कोई नारेबाजी नहीं की। सुप्रीम कोर्ट की वकील महालक्ष्मी पावनी ने कहा, 'हम शांतिपूर्ण तरीके से छात्रों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त कर रहे हैं। हम छात्रों पर पुलिस की कथित बर्बरता और हिंसा की निंदा करते हैं। छात्र इस देश का भविष्य हैं और वे केवल अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे थे। पुलिस को उनके साथ इस तरह की हिंसा नहीं करनी चाहिए थी। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि समाज के रक्षक ही कथित तौर पर हिंसक हमलावर बन गए और महिलाओं तथा छात्रों पर बल प्रयोग किया। सुप्रीम कोर्ट की वकील ननिता शर्मा ने कहा, 'हम सभी यहां छात्रों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए एकत्र हुए हैं। छात्रों के साथ जिस तरह की ज्यादतियां हुई हैं, हम उनके साथ खड़े हैं। बच्चे सिर्फ अन्याय और उस शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ अपनी आवाज उठा रहे थे।

गुजरात में बारिश का कहर, पीएम मोदी ने सीएम भूपेंद्र पटेल से की बात, हर संभव मदद का भरोसा

एजेंसी ■ गांधीनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से बात की और केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिया।

इस बीच बाढ़ प्रभावित वलसाड जिले के लिए एनडीआरएफ की दो और टीमें दिल्ली से हवाई मार्ग से भेजी गई हैं। फोन पर हुई बातचीत में प्रधानमंत्री ने भारी बारिश से हुए नुकसान और चल रहे बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी ली। राज्य सरकार के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री को भरोसा दिलाया कि प्रभावित इलाकों में बचाव, राहत और लोगों की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार पूरी सहायता करेगी।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब लगातार हो रही बारिश के कारण सबसे अधिक प्रभावित जिलों में शामिल वलसाड में राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं। फिलहाल, वलसाड में एनडीआरएफ की तीन टीमें और एसडीआरएफ की पांच टीमें स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर बचाव और राहत कार्य कर रही हैं।

राहत कार्यों को और मजबूत करने के लिए एनडीआरएफ की दो अतिरिक्त टीमें नई दिल्ली से हवाई मार्ग से भेजी जा रही हैं, जो गुरुवार की शाम तक वलसाड पहुंच जाएंगी। राज्य सरकार ने बताया कि सेना के 70 जवानों की एक टुकड़ी भी पांच नावों के साथ बचाव कार्य में मदद के लिए भेजी जा रही है। इसके अलावा, 25 सदस्यीय फायर सर्विस की एक टीम भी वलसाड भेजी जा रही है, ताकि स्थानीय प्रशासन को बाढ़ से निपटने में मदद मिल सके। यह अतिरिक्त मदद ऐसे समय भेजी गई है जब दक्षिण गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण राज्य सरकार लगातार स्थिति की समीक्षा कर रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को गांधीनगर स्थित राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र का दौरा किया। वहां उन्होंने अधिकारियों और जिला कलेक्टरों के साथ बैठक कर हालात की समीक्षा की। सीएम ने वलसाड के कलेक्टर और मंत्री नरेश पटेल से बात कर बचाव कार्यों की जानकारी ली और जरूरत पड़ने पर एनडीआरएफ की और टीमें भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने सूरत और नवसारी के कलेक्टरों को भी निर्देश दिया कि जहां जरूरत हो, वहां निचले और जलभराव वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने स्वास्थ्य सेवा में परिवर्तनकारी सुधार किए : जेपी नड्डा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के तहत चंडीगढ़ में आयोजित 16वीं ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक गुरुवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुई, जिसमें ब्रिक्स सदस्य देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों, प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों, वरिष्ठ अधिकारियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों को एक साथ लाया गया ताकि साझा सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं को संबोधित करने और एक लचीली वैश्विक स्वास्थ्य संरचना को आगे बढ़ाने में सहयोग को मजबूत किया जा सके।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत आयोजित 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' विषय के अंतर्गत आयोजित इस बैठक ने सदस्य देशों को प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने और स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने, नवाचार को बढ़ावा देने, महामारी की तैयारी को बढ़ाने और सतत सहयोग के माध्यम से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को आगे बढ़ाने के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने 16वीं ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए चंडीगढ़ में ब्रिक्स सदस्य एवं सहयोगी देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों, प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत किया और भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान उनके निरंतर सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सदस्य देशों की सक्रिय भागीदारी वैश्विक दक्षिण के बीच सहयोग को बढ़ावा देने वाले एक मंच के रूप में ब्रिक्स की अटूट शक्ति को दर्शाती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने जन-केंद्रित नीतियों, स्वास्थ्य सेवाओं तक व्यापक पहुंच, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और बेहतर सेवा वितरण के माध्यम से अपनी स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए परिवर्तनकारी सुधार किए हैं।' उन्होंने कहा कि भारत के अनुभव ने इस विश्वास को और पुष्ट किया है कि सुदृढ़ सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली और समान स्वास्थ्य सेवाएं सभी देशों के सतत विकास के लिए आवश्यक हैं।

नड्डा ने पिछले दो दशकों में ब्रिक्स के विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह समूह वैश्विक दक्षिण की एक सशक्त आवाज और अधिक समावेशी एवं न्यायसंगत वैश्विक व्यवस्था को आकार देने में एक प्रभावशाली मंच के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि संक्रामक रोग, गैर-संक्रामक रोगों का बढ़ता बोझ, जलवायु संबंधी स्वास्थ्य जोखिम और तीव्र तकनीकी प्रगति के लिए गहन बहुपक्षीय सहयोग और मजबूत संस्थागत साझेदारी की आवश्यकता है।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ खड़े हुए सीएम शिवकुमार, बोले- यह राजनीति नहीं, भविष्य का सवाल

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को नीट पेपर लीक विवाद को लेकर छात्रों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह राजनीति का नहीं, बल्कि देश के छात्रों के भविष्य का मुद्दा है।

बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीएम शिवकुमार ने कहा कि देश एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है और बार-बार परीक्षा के पेपर लीक होने के आरोपों के कारण छात्र असमंजस की स्थिति में हैं।

उन्होंने कहा, 'आज देश एक चौराहे पर खड़ा है। छात्र और युवा दुविधा में हैं। 100 से ज्यादा बार पेपर लीक होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। प्रधानमंत्री ने आज इस मुद्दे पर बात की, लेकिन उन्हें शुरुआत में ही बोलना चाहिए था।' मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के छात्र अपनी प्रतिभा के लिए दुनिया भर में पहचाने जाते हैं और देश के प्रतिनिधि के रूप में काम करते हैं। उन्होंने कहा कि हर सरकार की जिम्मेदारी है कि परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से कराई जाएं और छात्रों को अच्छी शिक्षा मिले।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर शिवकुमार ने कहा कि किसी को भी बचाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'किसी को बचाने का सवाल ही नहीं है। सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।' शिवकुमार ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन के अधिकार का समर्थन करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना लोकतंत्र में सभी का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और इस कथित कार्रवाई के वीडियो भी सामने आए, जबकि उन्हें रोकने की कोशिश की गई। उन्होंने मीडिया के एक वर्ग की भी आलोचना करते हुए सवाल उठाया कि छात्रों के प्रदर्शन और कथित पुलिस कार्रवाई को पर्याप्त महत्व क्यों नहीं दिया गया।

बुधवार को कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) कार्यालय के पास कर्नाटक भाजपा विधायक बीपी हरीश पर हुए कथित हमले के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा कि वह इस घटना का समर्थन नहीं करते, लेकिन लोगों को इसे व्यापक संदर्भ में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री इस मामले में उचित कार्रवाई करेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा को भी अतीत की उन घटनाओं को याद रखना चाहिए, जिनमें झड़पों के दौरान कथित तौर पर हथियार बरामद हुए थे।

एसटीएफ का एक्शन : चीनी नागरिक समेत तीन गिरफ्तार, शेल कंपनियों के जरिए हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग का खुलासा

विश्व केसरी ■

नोएडा। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की नोएडा यूनिट ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाला और शेल कंपनी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए एक चीनी नागरिक सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ के अनुसार, यह गिरोह भारत में फर्जी कंपनियां बनाकर हवाला, मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा था।

गिरफ्तार मुख्य आरोपी चीनी नागरिक लियो लॉन्गुई पिछले कई वर्षों से भारत में अवैध रूप से रह रहा था और नोएडा स्थित वाईटीएल मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का संचालन कर रहा था। एसटीएफ ने बताया है कि, 22 जुलाई की रात लगभग 10 बजे नोएडा के सेक्टर-93 स्थित पूर्वांचल सिल्वर सिटी सोसाइटी से मुख्य आरोपी लियाओ लॉन्गहुई के साथ उसके दो भारतीय सहयोगियों संजीव कुमार और कोशलेन्द्र को गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों के कब्जे से पांच लैपटॉप, नौ मोबाइल फोन, एक टैबलेट, दो चीनी पासपोर्ट, एक चीनी आईडी, दो पैन कार्ड, 10 विभिन्न कंपनियों की मोहरें, 11 अलग-अलग बैंकों की चेकबुक, फर्जी कंपनियों से जुड़े दस्तावेज, करीब 4 करोड़ 72 लाख 69 हजार 27 रुपये के विभिन्न बैंकों के चेक तथा 15,400 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। इसके अलावा आरोपी के पास से नागालैंड के पते पर बना सैमुअल लोथा नाम का आधार कार्ड भी बरामद हुआ, जिस पर उसकी फोटो लगी हुई थी। जांच में सामने आया कि लियाओ लॉन्गहुई वर्ष 2018 में भारत आया था और उसका वैध भारतीय वीजा वर्ष 2020 में समाप्त हो चुका था। इसके बावजूद वह पिछले लगभग छह वर्षों से फर्जी दस्तावेजों के सहारे भारत में रह रहा था। एसटीएफ के मुताबिक, वह अपने ससुर म्यूजेन यू और साले क्यूपिंग टैंग द्वारा स्थापित वाईटीएल कंपनी का संचालन कर रहा था। यह कंपनी मोबाइल फोन के कवर बनाने का कार्य करती थी, लेकिन जांच में खुलासा हुआ कि चीन से महंगे दामों पर कच्चा माल मंगाकर दिल्ली के करोल बाग, नेहरू प्लेस समेत विभिन्न बाजारों में अंडर इनवॉइसिंग के जरिए सामान बेचा जाता था। इसके बाद अवैध धन का लेन-देन हवाला नेटवर्क के माध्यम से किया जाता था। एसटीएफ की जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने अपने कर्मचारियों और यहां तक कि अपने ड्राइवर के नाम पर भी कई शेल कंपनियां बनाई थीं। इनमें हनुराज ट्रेडिंग सल्यूशन, एंटरप्राइजेज इंडिया, टीडीडेस्क एसेंशियल, जेड वन एंटरप्राइजेज, उपमेक्स इंडिया, मेजटेक पावर इंडिया, एक्सीलेंस मोबाइल टेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा हांगकांग में पंजीकृत हैक हैंको कम्युनिकेशन ट्रेडिंग और हैक इंचियोन लिमिटेड जैसी कंपनियों का भी कथित रूप से मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेन-देन में उपयोग किया जा रहा था।

नोएडा इंडोर स्टेडियम टेंडर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग, दोषियों पर एफआईआर दर्ज करने की उठी आवाज

विश्व केसरी ■

नोएडा। नोएडा इंडोर स्टेडियम के संचालन से जुड़े वर्ष 2021 के टेंडर में कथित अनियमितताओं और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल के आरोपों को लेकर मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। युवा क्रांति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश सिंह ने इस पूरे प्रकरण की स्वतंत्र, निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग करते हुए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), नोएडा प्राधिकरण को विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने आरोप लगाया कि यदि टेंडर प्रक्रिया में फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र, भ्रामक जानकारी और गलत दस्तावेजों के आधार पर किसी कंपनी को लाभ पहुंचाया गया है तो यह सरकारी व्यवस्था और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के साथ गंभीर धोखा है। अविनाश सिंह ने कहा कि हाल ही में मीडिया रिपोर्टों में सामने आए तथ्यों ने खेल जगत और खिलाड़ियों के बीच चिंता पैदा कर दी है। उनका कहना है कि यदि संबंधित कंपनी ने तकनीकी मूल्यांकन में अधिक अंक प्राप्त करने के लिए फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र, गलत कोच प्रोफाइल और भ्रामक दस्तावेजों का सहारा लिया है, तो इसकी गहन जांच कराई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में केवल कंपनी की भूमिका ही नहीं, बल्कि पूरी टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता भी सवालों के घेरे में आ जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि रिपोर्टों के अनुसार कंपनी ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों एवं कोचों के नाम और प्रोफाइल का उपयोग तकनीकी मूल्यांकन में अतिरिक्त लाभ प्राप्त करने के लिए किया। यदि इन खिलाड़ियों और कोचों की जानकारी, सहमति या वास्तविक संबद्धता के बिना उनके नाम और उपलब्धियों का इस्तेमाल किया गया है, तो यह उनकी प्रतिष्ठा के साथ भी गंभीर खिलवाड़ है। ऐसे मामलों में संबंधित लोगों की सहमति और दस्तावेजों की सत्यता की जांच बेहद आवश्यक है। अविनाश सिंह ने यह भी कहा कि सबसे गंभीर आरोप यह है कि इंडोर खेलों के संचालन से जुड़े टेंडर में आउटडोर खेलों के कोचों की प्रोफाइल प्रस्तुत कर अतिरिक्त तकनीकी अंक हासिल किए गए। यदि जांच में यह आरोप सही पाए जाते हैं, तो तकनीकी मूल्यांकन की पूरी प्रक्रिया संदेह के दायरे में आ जाएगी और टेंडर प्रक्रिया की दोबारा समीक्षा करना आवश्यक होगा। युवा क्रांति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मांग की कि पूरे मामले की स्वतंत्र एजेंसी से निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी भी स्तर पर फर्जीवाड़ा, दस्तावेजों में हेरफेर या नियमों का उल्लंघन सामने आता है तो संबंधित कंपनी के साथ-साथ जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों की लापरवाही या मिलीभगत जांच में सामने आए, उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने भविष्य में नोएडा प्राधिकरण की सभी टेंडर प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए खिलाड़ियों, कोचों और विशेषज्ञों की प्रोफाइल, उनकी लिखित सहमति तथा वास्तविक संबद्धता का स्वतंत्र सत्यापन अनिवार्य करने की मांग की।

बिजली की बढ़ती मांग से ऊर्जा क्षेत्र के सामने नई चुनौतियां : मणिपुर सीएम

विश्व केसरी ■

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने गुरुवार को कहा कि राज्य में लगातार बढ़ती आबादी और बिजली उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि के कारण बिजली क्षेत्र के सामने नई चुनौतियां पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक समाज और राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री इंफाल में मणिपुर विद्युत विनियामक आयोग (एमएनईआरसी) के प्रथम स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल, आयोग के अध्यक्ष सौबाम इबोपिशक सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह ने कहा कि बढ़ती आबादी के साथ घरेलू उपभोक्ताओं, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे बिजली क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। उन्होंने विश्वास जताया कि मणिपुर विद्युत विनियामक आयोग उपभोक्ताओं के हित में दूरदर्शी और प्रगतिशील कदम उठाता रहेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बिजली क्षेत्र को मजबूत बनाने, सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए आयोग को हरसंभव सहयोग देगी।

इस अवसर पर राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने आयोग के अध्यक्ष, सचिव, अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रथम स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह अवसर आयोग की उपलब्धियों का मूल्यांकन करने के साथ-साथ उसकी भविष्य की भूमिका और जिम्मेदारियों पर विचार करने का भी है।

राज्यपाल ने कहा कि बिजली आधुनिक विकास की आधारशिला है और मणिपुर के आर्थिक विकास तथा लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए सस्ती, गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली आपूर्ति अनिवार्य है। उन्होंने इंजीनियरों, तकनीशियनों, फील्ड कर्मचारियों और अन्य कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी उनकी मेहनत के कारण राज्य में बिजली आपूर्ति सुचारु बनी रहती है। राज्यपाल ने 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि आधुनिक, मजबूत और उपभोक्ता-केंद्रित बिजली क्षेत्र देश के विकास का महत्वपूर्ण आधार होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि मणिपुर विद्युत विनियामक आयोग पारदर्शिता, पेशेवर कार्यशैली और प्रभावी नियमन के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए राज्य के सतत विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा।

सतह से हवा में मार करने वाली 'कुश' मिसाइल का पहला सफल परीक्षण

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत ने लंबी दूरी की मिसाइल 'कुश' का पहला सफल परीक्षण किया है। यह मिसाइल सिस्टम लंबी दूरी तक हवाई खतरों को बेअसर करने की क्षमता रखता है। इस परीक्षण के साथ ही भारत ने अपनी वायु रक्षा क्षमता को एक नई ऊंचाई प्रदान की है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित यह 'कुश' मिसाइल प्रणाली, लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है। इसका पहला सफल उड़ान परीक्षण गुरुवार को ओडिशा तट पर स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और परियोजना से जुड़े सभी वैज्ञानिकों एवं इंजीनियरों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि 'कुश' मिसाइल प्रणाली लड़ाकू विमानों, विभिन्न प्रकार की मिसाइलों, मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) तथा दुश्मन के बड़े विमानों सहित अनेक प्रकार के हवाई खतरों को लंबी दूरी और विभिन्न ऊंचाइयों पर मार गिराने में सक्षम है। रक्षा विशेषज्ञों कहना है कि 'कुश' मिसाइल का पहला सफल उड़ान परीक्षण भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने बताया कि इतनी लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली विकसित करने की क्षमता दुनिया के केवल चुनिंदा देशों के पास है। यह इसलिए भी एक अहम उपलब्धि है क्योंकि 'कुश' के आने से ऐसी रक्षा प्रणालियों के आयात को लेकर भारत की निर्भरता कम होगी। यह मिसाइल सिस्टम देश की वायु रक्षा क्षमता को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ी छलांग साबित होगा।

कौशल विकास से आत्मनिर्भर बनेंगी बिहार की बेटियां, विकसित भारत के संकल्प को देंगी गति : सीएम सम्राट चौधरी

विश्व केसरी ■

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को कहा कि कौशल विकास ही समृद्ध बिहार की मजबूत नींव है और इससे राज्य की बेटियां हुनरमंद, आत्मनिर्भर तथा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाने में सफल होंगी। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल नौकरी पाने योग्य नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनाना सरकार का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोक सेवक आवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहटा के सिकंदरपुर में 99.97 करोड़ रुपये की लागत से चार एकड़ भूमि पर बनने वाले राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला), पटना के स्थायी परिसर का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। खराब मौसम के कारण वह कार्यक्रम स्थल पर नहीं पहुंच सके और वर्चुअल माध्यम से समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह केवल एक भवन का शिलान्यास नहीं, बल्कि बिहार की बेटियों के उज्ज्वल भविष्य, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की नई शुरुआत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में कौशल विकास को नई गति मिली है और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी बिहार में महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में वर्तमान में लगभग 1,500 कौशल प्रशिक्षण केंद्र संचालित हैं, जहां अब तक करीब 12 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वर्तमान में 1.38 लाख युवा विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

असम में बाढ़: राहत में देरी को लेकर गौरव गोगोई ने सरमा सरकार की आलोचना की

विश्व केसरी ■

गुवाहाटी। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली सरकार पर बाढ़ संकट से निपटने में तेजी न दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य भर में हजारों प्रभावित परिवारों तक जरूरी राहत सामग्री पहुंचाने में देरी हुई है।

बाढ़ को 'अभूतपूर्व मानवीय संकट' बताते हुए गोगोई ने दावा किया कि कई जिलों में बाढ़ के कई दिनों बाद भी लोग खाने-पीने की चीजों, साफ पानी और साफ-सफाई के सामान जैसी बुनियादी जरूरतों का इंतजार कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कांग्रेस नेता ने कहा कि इस आपदा में अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग अभी भी लापता हैं। उन्होंने बताया कि लाखों लोग विस्थापित हुए हैं, कई परिवार बेघर हो गए हैं और बाढ़ के बाद की स्थिति से जूझ रहे हैं। गोगोई ने कहा कि उन्होंने हाल ही में जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए जोरहाट, शिवसागर और चराइदेव समेत कुछ सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों का दौरा किया। अपने दौरे के आधार पर उन्होंने दावा किया कि राहत अभियान काफी नहीं थे और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन इमरजेंसी सप्लाई का समय पर डिस्ट्रीब्यूशन पक्का करने में नाकाम रहा। उनके मुताबिक, बाढ़ प्रभावित परिवारों को राशन, पीने का पानी, कपड़े, फिनाइल और ब्लीचिंग पाउडर जैसे डिसइंफेक्टेंट और बीमारी फैलने से रोकने के लिए जरूरी दूसरी चीजों की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस सांसद ने असम में भाजपा सरकार से बाढ़ से हुए नुकसान का ट्रांसपेरेंट ब्यौरा देने और यह पक्का करने की अपील की कि राहत मदद बिना किसी और देरी के हर प्रभावित घर तक पहुंचे। उन्होंने केंद्र सरकार से तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम भेजने की भी अपील की, ताकि बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए घरों को फिर से बनाने और खेती-बाड़ी के कामों को दोबारा शुरू करने में मदद मिल सके।

भाजपा नेताओं पर एफआईआर की मांग, कांग्रेसियों ने खोला मोर्चा, थाने में धरना

विश्व केसरी■

रायपुर। राजीव भवन के बाहर हुए विवाद को लेकर कांग्रेस ने अब पुलिस थाने में ही मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर दर्ज मामलों के विरोध में पीसीसी चीफ दीपक बैज गुरुवार शाम बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ खम्हारडीह थाना पहुंचे।

कांग्रेस ने डिप्टी सीएम अरुण साव, मंत्री ओपी चौधरी, विधायक राजेश मूणत और पुरंदर मिश्रा समेत भाजपा नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा और आरोप लगाया कि 22 जुलाई को भाजपा कार्यकर्ताओं ने राजीव भवन की ओर पत्थर, चप्पल, पानी की बोतल और अन्य सामान फेंके।

कांग्रेस का दावा है कि इस घटना में उसके कई कार्यकर्ता घायल हुए। ज्ञापन में भाजपा नेताओं पर कार्यकर्ताओं को उकसाने का आरोप लगाते हुए सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर कार्रवाई की मांग की गई है। मांग पूरी नहीं होने पर दीपक बैज थाना प्रभारी के कक्ष में ही धरने पर बैठ गए। उनके साथ पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, अनीता शर्मा, श्रीकुमार मेनन, पप्पू बंजारे और आकाश शर्मा समेत कई कांग्रेस नेता भी धरने पर बैठ गए हैं। अब कांग्रेस की मांग पर एफआईआर दर्ज होती है या नहीं, इस पर सबकी नजर है।

भाजपा-कांग्रेस झड़प मामले में 12 कांग्रेसियों पर एफआईआर दर्ज

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 22 जुलाई को भाजपा के कांग्रेस मुख्यालय घेराव प्रदर्शन के दौरान हुए भीषण बवाल में खम्हारडीह थाना पुलिस ने एक और एफआईआर दर्ज की है। खम्हारडीह थाना प्रभारी निरीक्षक भावेश कुमार गौतम की आधिकारिक शिकायत पर पुलिस ने कांग्रेस के 12 नामजद नेताओं समेत कई अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने, बल प्रयोग करने और उपद्रव फैलाने की गंभीर धाराओं में अपराध कायम किया है। राजीव भवन के बाहर हुए इस टकराव में कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे, जिसके बाद पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर यह कड़ा वैधानिक कदम उठाया है।

बता दे कि प्रधानमंत्री आवास के घेराव के विरोध में जब भाजपा कार्यकर्ता रायपुर स्थित राजीव भवन की ओर बढ़े, तो वहां स्थिति को संभालने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। एफआईआर के मुताबिक, सुरक्षा के लिए लगाए गए बैरिकेड्स की तरफ कांग्रेस कार्यालय की ओर से नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता तेजी से आगे बढ़े। पुलिसकर्मियों ने जब प्रदर्शनकारियों को रोकने और शांति बनाए रखने की अपील की, तब उग्र भीड़ ने धक्का-मुक्की शुरू कर दी। आरोप है कि उपद्रव के दौरान पुलिस बल पर कांच की बोतलें, पत्थर, लकड़ी और जूते फेंके गए, जिससे पीएसआई देवराज सिंह के सिर पर गंभीर चोट आई और महिला आरक्षक सीमा बंजारे का हाथ चुटैल हो गया।

पुलिस प्रशासन की रिपोर्ट में क्या लिखा ?

प्रदर्शन के दौरान शासकीय ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों पर जानबूझकर हमला किया गया। बैरिकेडिंग तोड़कर पुलिस बल पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकी गईं, जिससे कई जवान घायल हुए। वीडियो फुटेज और फोटोग्राफ्स का गहराई से विश्लेषण किया जा रहा है और कानून का उल्लंघन करने वाले हर व्यक्ति पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस मुख्यालय पर किया गया था सुनियोजित हमला : भूपेश बघेल

पुलिस को दी चेतावनी

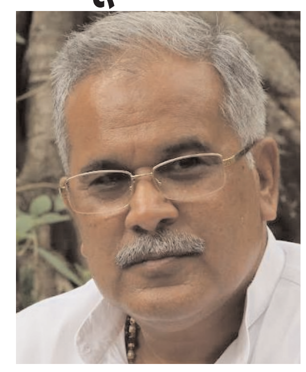

विश्व केसरी■

रायपुर। राजधानी रायपुर में भाजपा के कांग्रेस कार्यालय घेराव के बाद प्रदेश की सियासत तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा और पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए भाजपा नेताओं को हद में रहने की चेतावनी दी और कहा कि कांग्रेस मुख्यालय पर सुनियोजित हमला किया गया।

घेराव के नाम पर हमला किया गया

भूपेश बघेल ने अपने पोस्ट में आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं और मंत्रियों ने लोकतांत्रिक तथा संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन करते हुए कांग्रेस कार्यालय पर हमला किया। उन्होंने लिखा कि घेराव के दौरान कांग्रेस मुख्यालय और पार्टी कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंके गए। साथ ही पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पानी की बौछारें चलाईं।

कार्यकर्ताओं और पत्रकारों के घायल होने का दावा

पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इस घटना में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता घायल हुए। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ पत्रकारों को भी चोटें आईं। बघेल ने आरोप लगाया कि घटना के बावजूद पुलिस ने कांग्रेस से जुड़े लोगों के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज कर ली।

भूपेश बघेल ने अपने बयान में कहा कि पूरी घटना पुलिस के संरक्षण में हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह भाजपा सरकार की सुनियोजित कार्रवाई थी। उन्होंने अपने पोस्ट में दिल्ली में छात्रों के विरोध प्रदर्शन का भी उल्लेख करते हुए दोनों घटनाओं की तुलना की।

पुलिस अधिकारियों को दी चेतावनी

पूर्व मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे निष्पक्षता बनाए रखें। उन्होंने लिखा कि भाजपा सरकार स्थायी नहीं है और अधिकारियों को कानून के दायरे में रहकर काम करना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

इको-क्लब ने किया वृक्षारोपण

विश्व केसरी■

रायपुर। लक्ष्मीनारायण कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, गुरूकुल परिसर, कालीबाड़ी रोड, रायपुर के परिसर में वृक्षारोपण किया गया । इस कार्यक्रम में विद्यालय पालक समिति के अध्यक्ष श्री खेमराज बांकरे जी के साथ उपाध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू जी उपस्थित रहीं । इको क्लब द्वारा उपलब्ध किये गये विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण विद्यालय परिसर में किया गया । पालक समिति के अध्यक्ष श्री खेमराज बांकरे ने छात्राओं से पौधा रोपण के लिए बधाई दिये तथा रोपित पौधों के देखभाल करते हुए विद्यालय परिसर को हरा भरा बनाये रखने का अपील किया । प्राचार्या श्रीमती मनीषा गहोई ने इको क्लब के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को रोपित पौधों को सुरक्षित रखने हेतु मार्गदर्शन दिया गया । इस अवसर पर इको क्लब की प्रभारी शिक्षिकाएं कु. सादिका सुल्ताना सिद्दिकी, गिरिजा यादव, स्वाति झा, विजयलक्ष्मी वर्मा, मोहिनी सोनी के साथ प्रभारी छात्रा कु. जीनत परवीन, साक्षी वर्मा के साथ अध्ययनरत समस्त छात्राएं उपस्थित थीं । विद्यालय की शिक्षिकाओं के साथ कर्मचारीगण भी वृक्षारोपण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए । स्काउट गाईड विभाग प्रभारी श्रीमती स्वर्णलता तिवारी, पी. राजसिंह, योगिता यादव दल के साथ विशेष रूप से सम्मिलित हुई ।

डॉ. चंदेल राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी पार्क योजना की स्टीयरिंग समिति के सदस्य बने

विश्व केसरी■

रायपुर। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा देश में जैव प्रौद्योगिकी आधारित उद्योगों एवं स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए संचालित 'राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी पार्क योजना' के तहत विभिन्न राज्यों में जैव प्रौद्योगिकी पार्कों की स्थापना की जा रही है। इन जैव प्राद्योगिकी पार्कों की स्थापना राज्यों के सहयोग से की जा रही है। इन जैव प्रौद्योगिकी पार्कों की स्थापना के लिए वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराने हेतु भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर गठित 'स्टीयरिंग सह प्रोजेक्टर मॉनीटरिंग समिति' में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल को सदस्य बनाया गया है। यह समिति विभिन्न बायोटेक पार्कों के परियोजना प्रतिवेदन को मंजूरी देने के साथ ही उनके क्रियान्वयन की मॉनीटरिंग भी करेगी।

बीएसपी ने दो गांवों में लगाए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

विश्व केसरी■

रायपुर। भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपने निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुदृढ़ करने की दिशा में दुर्ग जिला चिकित्सालय के सहयोग से दुर्ग जिले के गोढ़ी और खोपली गांवों में नि:शुल्क चिकित्सा जांच एवं स्वास्थ्य परामर्श शिविर आयोजित किए। शिविरों में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया तथा आवश्यक दवाइयों का नि:शुल्क वितरण किया गया। 20 जुलाई 2026 को धमधा विकासखंड के ग्राम गोढ़ी में आयोजित शिविर में जिला चिकित्सालय, दुर्ग की चिकित्सा अधिकारी डॉ. गायत्री श्याम, फार्मासिस्ट जान्हवी, नर्सिंग स्टाफ तृप्ति कुमारी, पंजीयन सहयोगी राकेश कुमार तथा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर–सीएचओ) गुलेश्वरी साहू ने सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में 40 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें 12 पुरुष और 28 महिलाएं शामिल थीं। सभी हितग्राहियों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श के साथ नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। इसी क्रम में 21 जुलाई 2026 को निकुम विकासखंड के ग्राम खोपली में आयोजित चिकित्सा शिविर में चिकित्सा अधिकारी डॉ. गायत्री श्याम, फार्मासिस्ट मनीष देशमुख, नर्सिंग स्टाफ रेणुका वर्मा तथा पंजीयन सहयोगी विवेक ध्रुव ने सेवाएं दीं। इस शिविर में 50 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें 28 पुरुष और 22 महिलाएं शामिल थीं। परीक्षण के उपरांत सभी ग्रामीणों को आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श तथा नि:शुल्क औषधियां वितरित की गईं।

केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बलौदा बाजार में शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सेन एवं ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक साहू के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं नई दिल्ली में छात्रों, कांग्रेस नेताओं तथा शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई के विरोध में ब्लॉक स्तरीय विरोध-प्रदर्शन आयोजित किया गया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की दमनात्मक एवं अलोकतांत्रिक कार्यवाहियों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। कांग्रेस पार्टी छात्रों, युवाओं और देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव संघर्ष करती रहेगी। प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रमुख मांगों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की, जिनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, परीक्षा में हुई अनियमितताओं पर संसद में चर्चा तथा छात्रों एवं शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध दर्ज सभी एफआईआर एवं आपराधिक प्रकरणों को तत्काल वापस लेने की मांग प्रमुख रही।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राकेश वर्मा, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष परमेश्वर यदु, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष विक्रम पटेल, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र जायसवाल,जिला प्रभारी महामंत्री छल्ला साहू, जिला महामंत्री लखेश साहू,जीतेन्द्र नवरत्न, पार्षद डिगेश्वरी रविंद्र नामदेव , सुभाष राव, कांग्रेस नेता धर्मेंद्र वर्मा, शहर महामंत्री नीरज बांधे, ग्रामीण महामंत्री भावेश वर्मा, मंडल अध्यक्ष ग्रामीण दीनदयाल साहू, नीलकंठ साहू. संतोष साहू अभिषेक पटेल. आयुष भट्ट पहरी,दिगंबर साहू. सुखदेव साहू. राजेश साहू, टी आर वर्मा, देवक जांगडे, गजेंद्र गजेंद्र विश्वकर्मा, पवन दास मानिकपुरी, वरुण नेताम सहित बड़ी संख्या मे शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस शहर एवं ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारियों, विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रतिनिधियों, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों ने भाग लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। अंत में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस लोकतंत्र, संविधान और छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए जनहित के मुद्दों पर लगातार संघर्ष करती रहेगी तथा जनता की आवाज को दबाने के हर प्रयास का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जारी रहेगा।

छात्रों के आंदोलन को कांग्रेस ने दिया राजनीतिक रंग : किरण सिंहदेव

विश्व केसरी■

रायपुर। राजधानी रायपुर के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक रंग देकर देश में अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। उनका कहना था कि भाजपा सरकार छात्रों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि कांग्रेस इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाना चाहती है। डेमोग्राफ़िक्स

नेपाल और बांग्लादेश जैसी स्थिति बनाने की कोशिश

किरण सिंह देव ने कहा कि कांग्रेस सुनियोजित तरीके से ऐसा माहौल बनाने का प्रयास कर रही है, जैसा हाल के समय में नेपाल और बांग्लादेश में देखने को मिला। हालांकि उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और संवैधानिक परंपराओं वाला देश है, इसलिए ऐसे प्रयास सफल नहीं होंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सरकार छात्रों के साथ मजबूती से खड़ी है और उनके हितों की रक्षा के लिए

हर आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस छात्रों के आंदोलन में शामिल होकर उसे अपने राजनीतिक एजेंडे का माध्यम बना रही है।

किरण सिंह देव ने कहा कि भाजपा छात्रों के मुद्दे पर संसद के भीतर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन कांग्रेस चर्चा से बच रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने आंदोलन में शामिल होकर लोकतांत्रिक विरोध को राजनीतिक मंच में बदलने का प्रयास किया। उन्होंने यह भी कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सहित सरकार की ओर से विपक्ष को कई बार चर्चा का प्रस्ताव दिया गया, लेकिन कांग्रेस ने सकारात्मक जवाब नहीं दिया।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष पर्यवेक्षक प्रो. कन्हैया त्रिपाठी का दौरा

विश्व केसरी■

रायपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली से मानवाधिकार शिक्षा एवं लैंगिक समानता के विशेष पर्यवेक्षक प्रो. कन्हैया त्रिपाठी ने बुधवार कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर का दौरा किया। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर डॉ. मनोज दयाल से भेंट कर मानवाधिकार संरक्षण, पत्रकारों के हितों, उनके उत्थान एवं कल्याण तथा मानवाधिकार शिक्षा को सुदृढ़ करने अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ है। इसलिए पत्रकारिता का मानवाधिकारों, संवैधानिक मूल्यों और लैंगिक समानता, सामाजिक न्याय और जनहित के प्रति प्रतिबद्ध होना अत्यंत आवश्यक है। जिससे वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।

कांफ्रेंस रुम में प्राध्यापक, अधिकारी एवं कर्मचारियों से बैठक में मानवाधिकार, लैंगिक समानता और पत्रकारिता के विभिन्न आयामों पर प्रो. त्रिपाठी ने विस्तार से बात की। उन्होंने विश्वविद्यालय में पत्रकारिता और मानवाधिकार विषय पर नवीन पाठ्यक्रम, मानवाधिकार प्रकोष्ठ के गठन, विद्यार्थियों के लिए ह्यूमन राइट्स क्लब की स्थापना और जनसंचार एवं मानवाधिकार विषयक द्विभाषी शोध पत्रिका के प्रकाशन का प्रस्ताव दिया तथा केटीयू को मानवाधिकार जागरूकता, शोध एवं प्रशिक्षण गतिविधियों का केंद्र बनाने सुझाव दिए। विशेष पर्यवेक्षक प्रो. कन्हैया त्रिपाठी ने अध्ययन संकाय, प्रशासनिक प्रभाग सहित परिसर का निरीक्षण किया। प्रो. त्रिपाठी ने सुझाव दिया कि पुस्तकालय के आधुनिकीकरण हो एवं ऑनलाइन डिजिटल लाइब्रेरी विकसित हो।

विधायक कार्यालय में विभिन्न विकास समितियों के साथ बैठक, शिक्षा, जनसुविधाओं एवं क्षेत्रीय विकास पर हुई विस्तृत चर्चा

विश्व केसरी■

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। विधायक अमर अग्रवाल ने अपने निवास कार्यालय में शाला विकास समिति तथा विभिन्न मोहल्ला विकास समितियों के सदस्यों के साथ क्रमिक बैठकें कर शिक्षा, जनसुविधाओं और क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक की शुरुआत शाला विकास समिति के सदस्यों के साथ हुई, जिसमें विद्यालयों के समग्र विकास, विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने, आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के संबंध में विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान समिति सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों पर

गंभीरता से चर्चा करते हुए उन्हें भविष्य की कार्ययोजना में शामिल करने का आश्वासन दिया गया।

इसके पश्चात पश्चिमी एवं दक्षिण मोहल्ला विकास समिति, मध्य एवं पूर्वी मोहल्ला विकास समिति तथा रेलवे मंडल एवं उत्तर मंडल मोहल्ला विकास समिति के सदस्यों के साथ अलग-अलग बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों में क्षेत्र के विकास कार्यों, नागरिक सुविधाओं, आधारभूत संरचना, स्वच्छता, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था सहित जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। समिति सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की आवश्यकताओं एवं समस्याओं से अवगत कराया तथा विकास संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत किए।

अमर अग्रवाल ने कहा कि जनसहभागिता किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास की सबसे बड़ी शक्ति होती है। विकास समितियों के सुझावों और नागरिकों की अपेक्षाओं को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी, व्यवस्थित एवं तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा हो या आधारभूत सुविधाएं, प्रत्येक क्षेत्र में गुणवत्ता और जनहित सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सभी के सहयोग से बिलासपुर को और अधिक विकसित एवं सुविधासंपन्न बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

छत्तीसगढ़ में जमकर बरसेंगे बादल, अगले 48 घंटे तक भारी बारिश की चेतावनी

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मूसलाधार बारिश के चलते उफान पर आए नदी-नाले और जलमग्न सड़कें छत्तीसगढ़ में मानसूनी बारिश का दौर तेज होने से राज्य भर में जनजीवन अस्त-व्यस्त होने लगा है। रायपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले 48 घंटों के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में गरज-चमक के साथ भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। बुधवार को राजधानी रायपुर, बिलासपुर और सूरजपुर समेत कई जिलों में दिनभर मूसलाधार पानी गिरा, जिससे मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों में नदियां उफान पर आ गई हैं। जुलाई महीने

में सक्रिय हुए इस दूसरे मजबूत मौसम तंत्र के प्रभाव से सरगुजा, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के जिलों में लगातार बारिश हो रही है, जिससे निचले इलाकों में जलभराव का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में सक्रिय तंत्र के कारण कोरबा, बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कबीरधाम, मुंगेली, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, रायगढ़ और जशपुर जिलों में तेज बारिश के आसार बने हुए हैं। बीते 24 घंटों के आंकड़ों पर नजर डालें तो सूरजपुर जिले में सबसे ज्यादा 190 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

संपादकीय

खनिजों का खजाना, विकास में पिछड़ता छत्तीसगढ़

देश के सबसे खनिज संपन्न राज्यों में शामिल छत्तीसगढ़ एक बार फिर विकास की रफ्तार को लेकर चर्चा के केंद्र में है। लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट, डोलोमाइट और अन्य खनिज संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद राज्य में औद्योगिक विस्तार, रोजगार सृजन और आधारभूत ढांचे के विकास की गति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। राजनीतिक विश्लेषकों और उद्योग जगत के एक वर्ग का मानना है कि प्रशासनिक निर्णयों में देरी, नीतिगत अस्पष्टता और कमजोर क्रियान्वयन के कारण राज्य अपनी वास्तविक आर्थिक क्षमता का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि खनिज संपदा किसी भी राज्य की आर्थिक प्रगति का मजबूत आधार बन सकती है, लेकिन इसके लिए

पारदर्शी शासन, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और निवेशकों के अनुकूल माहौल आवश्यक होता है। छत्तीसगढ़ में कई औद्योगिक परियोजनाओं की रफ्तार धीमी रहने, नए निवेश प्रस्तावों के अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने तथा रोजगार के सीमित अवसरों को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं।

विपक्ष का आरोप है कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में विकास की गति सुस्त पड़ी है और प्रशासनिक प्राथमिकताओं में स्पष्टता का अभाव दिखाई देता है। उसका कहना है कि यदि राज्य के प्राकृतिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया जाता तो छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी औद्योगिक राज्यों में शामिल हो सकता था। दूसरी ओर, सरकार का दावा है कि वह सड़क, बिजली, सिंचाई, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से कार्य कर रही है तथा निवेश आकर्षित करने के लिए नई नीतियां लागू की जा रही हैं।

अर्थशास्त्रियों का मानना है कि केवल खनिज संपदा आर्थिक समृद्धि की गारंटी नहीं होती। संसाधनों के साथ बेहतर प्रशासन, गुणवत्तापूर्ण आधारभूत ढांचा, कौशल विकास और उद्योगों को प्रोत्साहन देने वाली नीतियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।

छत्तीसगढ़ के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती अपनी प्राकृतिक संपदा को व्यापक आर्थिक विकास और रोजगार में बदलने की है। यदि शासन व्यवस्था प्रभावी, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी बनती है तो राज्य न केवल मध्य भारत बल्कि पूरे देश की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख इंजन बन सकता है। फिलहाल, विकास की रफ्तार और सुशासन को लेकर उठ रहे सवाल राजनीतिक बहस के साथ-साथ आम जनता के बीच भी चर्चा का विषय बने हुए हैं।

विक्रम-1: नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय

ललित गर्ग

भारत ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प, वैज्ञानिक दृष्टि और नवाचार का संगम हो तो आकाश भी सीमा नहीं, बल्कि संभावनाओं का प्रारंभ बन जाता है। भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' का सफल प्रक्षेपण केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था और विज्ञान-प्रधान भविष्य की ओर बढ़ते राष्ट्र का एक नया घोषणापत्र है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 'मिशन आगमन' के अंतर्गत हुई यह ऐतिहासिक उड़ान भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अब अंतरिक्ष विज्ञान केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निजी उद्यम भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत का नेतृत्व करेंगे। निश्चित ही विक्रम-1 नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय एवं निजी अंतरिक्ष क्रांति की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन है।

विक्रम-1 की सफलता उस महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने कभी कहा था कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए अंतरिक्ष विज्ञान विलासिता नहीं, बल्कि विकास का अनिवार्य साधन है। आज उसी विचार की आधुनिक अभिव्यक्ति स्काईरूट एयरोस्पेस के रूप में दिखाई देती है, जिसने अपने पहले ही प्रयास में इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस समय दुनिया में केवल कुछ ही देशों के निजी उपक्रम ऑर्बिटल रॉकेट विकसित कर पाए हैं। भारत अब उस विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है, जहां नवाचार, वैज्ञानिक कौशल और उद्यमशीलता मिलकर नई संभावनाओं का निर्माण कर रहे हैं। अमेरिका के स्पेसएक्स ने जिस निजी अंतरिक्ष क्रांति की शुरुआत की थी, भारत ने अब उसका अपना स्वदेशी संस्करण प्रस्तुत कर दिया है।

विक्रम-1 की तकनीकी विशेषताएं भी इसे विशिष्ट बनाती हैं। पूरी तरह कार्बन कंपोजिट से निर्मित यह रॉकेट अपेक्षाकृत हल्का, अधिक मजबूत तथा कम लागत वाला है। थ्री-डी प्रिंटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग ने इसके निर्माण खर्च को उल्लेखनीय रूप से कम किया है। इसका सीधा अर्थ है कि भविष्य में छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण का वैश्विक बाजार भारत के लिए नए आर्थिक अवसर लेकर आएगा। आज दुनिया में संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, रक्षा, आपदा प्रबंधन, इंटरनेट सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों के लिए हजारों छोटे उपग्रहों की आवश्यकता बढ़ रही है। ऐसे में भारत कम लागत और उच्च विश्वसनीयता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकता है। 'विक्रम-1' को विकसित करने वाली निजी कंपनी 'स्काईरूट एयरोस्पेस' ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई के नाम पर इस रॉकेट का नामकरण कर न सिर्फ उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है, बल्कि हमारे औद्योगिक घरानों को भी यह संदेश दिया है कि कारोबार करते हुए भी अपने देश की समृद्ध विरासत का सम्मान किया जाना चाहिए।

गौर कीजिए, अप्रैल 1975 में जब भारत ने अपना पहला उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा था, तब उसका नामकरण महान खगोल वैज्ञानिक आर्यभट्ट के नाम पर किया गया था। यह सफलता केवल एक कंपनी की उपलब्धि नहीं है। यह उस नई नीति का परिणाम भी है जिसके अंतर्गत भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी निवेश और स्टार्टअप के लिए खोलने का साहसिक निर्णय लिया। नई अंतरिक्ष नीति, इन-स्पेस जैसी संस्थाओं की स्थापना तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए उदार प्रावधानों ने भारतीय युवाओं के सामने नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। आज देश में अनेक स्पेस स्टार्टअप उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण

प्रणाली, अंतरिक्ष संचार और डेटा सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह परिवर्तन भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में मजबूत आधार प्रदान करेगा। किन्तु हर सफलता अपने साथ नई चुनौतियां भी लेकर आती है।

विक्रम-1 की पहली उड़ान सफल अवश्य रही है, परंतु अंतरिक्ष उद्योग में स्थायी सफलता केवल एक प्रक्षेपण से सुनिश्चित नहीं होती। स्काईरूट एयरोस्पेस को अब वैश्विक बाजार में स्पेसएक्स, रॉकेट लैब तथा चीन की अनेक निजी कंपनियों जैसी सशक्त प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा। नियमित ग्राहक, समय पर प्रक्षेपण, कम लागत, उच्च विश्वसनीयता तथा भविष्य में पुन: प्रयोज्य रॉकेट तकनीक विकसित करना उसकी अगली बड़ी परीक्षा होगी। अंतरिक्ष उद्योग में विश्वास सबसे बड़ी पूंजी होता है और वह निरंतर सफल अभियानों से ही अर्जित किया जा सकता है। इस ऐतिहासिक सफलता के बीच एक गंभीर प्रश्न भी हमारे सामने खड़ा है-क्या इसरो अपनी वैज्ञानिक प्रतिभाओं को लंबे समय तक अपने साथ बनाए रख पाएगा? हाल के वर्षों में अनेक अनुभवी वैज्ञानिक निजी क्षेत्र की ओर आकर्षित हुए हैं। इसका कारण केवल अधिक वेतन नहीं, बल्कि बेहतर कार्य संस्कृति, अनुसंधान की स्वतंत्रता, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण भी है।

इसरो ने भारत को चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य-एल1, गगनयान जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियां दी हैं। सीमित संसाधनों में विश्वस्तरीय परिणाम देकर इसरो ने पूरी दुनिया का सम्मान अर्जित किया है। किंतु यदि प्रतिभाशाली वैज्ञानिक धीरे-धीरे संस्थान से बाहर जाते रहे तो दीर्घकाल में अनुसंधान और राष्ट्रीय अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए इसरो के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल नए मिशन तैयार करना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक प्रतिभाओं को प्रेरित, सम्मानित और संतुष्ट बनाए रखना भी है। सरकार को चाहिए कि इसरो के वैज्ञानिकों के लिए प्रतिस्पर्धी वेतन संरचना, अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं, निर्णय लेने की अधिक स्वतंत्रता तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां विकसित करे। सरकारी संस्थानों और निजी कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सहयोग का वातावरण तैयार होना चाहिए। निजी क्षेत्र इसरो का विकल्प नहीं, बल्कि उसका सहयोगी बन सकता है। जिस प्रकार अमेरिका में नासा और स्पेसएक्स मिलकर अंतरिक्ष कार्यक्रमों को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं, उसी प्रकार भारत में इसरो और निजी कंपनियों का समन्वय देश को वैश्विक नेतृत्व प्रदान कर सकता है। भारतीयवायु सेना भर्ती

आज आवश्यकता इस बात की भी है कि अंतरिक्ष विज्ञान को विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के स्तर तक पहुंचाया जाए। विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं का विषय न रहकर जन-आंदोलन बने। युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और नवाचारकर्ताओं को स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया जाए। यदि प्रत्येक राज्य में स्पेस टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर स्थापित किए जाएं, उद्योगों और विश्वविद्यालयों के बीच अनुसंधान साझेदारी विकसित की जाए तथा अंतरिक्ष तकनीक में निवेश को बढ़ावा दिया जाए तो भारत अगले दशक में विश्व का अग्रणी अंतरिक्ष नवाचार केंद्र बन सकता है। भविष्य की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन तैयार करने के लिए कुछ रचनात्मक कदम अत्यंत आवश्यक हैं-इसरो और निजी कंपनियों के बीच संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं प्रारंभ हों; पुन: प्रयोज्य रॉकेट तकनीक और हरित प्रणोदन (ग्रीन प्रोपल्शन) पर विशेष निवेश किया जाए; अंतरिक्ष विनिर्माण के लिए स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जाए; युवाओं के लिए अंतरिक्ष उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले विशेष कोष बनाए जाएं; तथा अंतरिक्ष कानूनों को सरल, पारदर्शी और निवेश-अनुकूल बनाया जाए। साथ ही, अंतरिक्ष मलबे (स्पेस डेब्रिस) के प्रबंधन, पर्यावरणीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा, क्योंकि भविष्य का अंतरिक्ष विकास केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का भी विषय है।

विक्रम-1 ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र बन चुका है। यह सफलता नए भारत के आत्मविश्वास, युवाओं की प्रतिभा और वैज्ञानिक सोच की विजय है। यह उस राष्ट्र की कहानी है जिसने कभी साइकिल और बैलगाड़ी पर रॉकेट के पुर्जे ढोए थे और आज निजी क्षेत्र के माध्यम से वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रहा है। वास्तव में, विक्रम-1 केवल एक रॉकेट नहीं, बल्कि भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास का उड़ता हुआ प्रतीक है। यह सफलता हमें यह संदेश देती है कि यदि नीति, प्रतिभा, उद्योग और राष्ट्रीय संकल्प एक दिशा में आगे बढ़ें तो असंभव भी संभव बन जाता है।

देश में छात्र असंतोष की लहर

देश में छात्रों के बढ़ते असंतोष ने अब राष्ट्रीय स्वरूप लेना शुरू कर दिया है। राजधानी दिल्ली से उठी आंदोलन की लहर तेजी से मुंबई, कोलकाता, पटना, लखनऊ, भोपाल, बेंगलुरु, हैदराबाद, चंडीगढ़ और अन्य प्रमुख शहरों तक फैलती दिखाई दे रही है। विभिन्न विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्र संगठनों की बढ़ती सक्रियता तथा आंदोलन को मिल रहे जनसमर्थन ने केंद्र सरकार की चिंता बढ़ा दी है। सरकारी स्तर पर पूरे घटनाक्रम की लगातार निगरानी की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार शिक्षा व्यवस्था में सुधार, रोजगार के सीमित अवसर, प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताएं, बढ़ती फीस और महंगाई जैसे मुद्दों को लेकर छात्रों में असंतोष लगातार गहराता जा रहा है। कई विश्वविद्यालय परिसरों में विरोध मार्च, धरने, जनसभाएं और हस्ताक्षर अभियान चल रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी आंदोलन को

व्यापक समर्थन मिल रहा है, जिससे इसकी पहुंच तेजी से देशभर में बढ़ रही है। सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि अब आंदोलन केवल विश्वविद्यालय परिसरों तक सीमित नहीं रह गया है। मुंबई और कोलकाता सहित कई महानगरों में अभिभावकों, पूर्व छात्रों, शिक्षकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन भी छात्रों को मिलने लगा है। इससे आंदोलन को व्यापक सामाजिक आधार मिलने के संकेत मिल रहे हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक गृह मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय राज्यों से लगातार फीडबैक ले रहे हैं। संवेदनशील विश्वविद्यालय परिसरों और संभावित प्रदर्शन स्थलों पर प्रशासन को विशेष सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार की कोशिश है कि कानून-व्यवस्था प्रभावित हुए बिना छात्रों की शिकायतों का समाधान संवाद के माध्यम से तलाशा जाए।

दूसरी ओर छात्र संगठनों का कहना है कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक है। उनका आरोप है कि युवाओं से जुड़े मूलभूत मुद्दों पर लंबे समय से अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया, जिसके कारण छात्रों में व्यापक असंतोष पैदा हुआ है। छात्र नेताओं ने संकेत दिए हैं कि यदि शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आने वाले दिनों में देशव्यापी प्रदर्शन और बड़े पैमाने पर रैलियों का आयोजन किया जाएगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि आंदोलन की यही रफ्तार बनी रही तो इसका प्रभाव राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ सकता है। इतिहास गवाह है कि भारत में छात्र आंदोलनों ने कई बार बड़े सामाजिक और राजनीतिक बदलावों की भूमिका निभाई है। ऐसे में सरकार के सामने केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती नहीं, बल्कि युवाओं के बढ़ते असंतोष को समय रहते दूर करने की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

बोधकथा

प्रकृति सब लौटा कर देती है...

शिव आमंत्रण, आबू रोड। जो कुछ भी हमारे अंदर भरा होता है वो ही प्रकृति हमें लौटा देती है। एक व्यक्ति अपने परिवार, रिश्तेदार, मित्र, मोहल्ला के निवासी, अपनी फैक्ट्री के कार्यकर्ताओं से अति दु:खी होकर समाधान के लिए अपने गुरु के पास पहुंचा और अपनी पीड़ा गुरुदेव को बताते हुए बोला- 'मेरे कर्मचारी, पत्नी, बच्चे और आसपास के सभी लोग बेहद स्वार्थी हैं। कोई भी सही नहीं है, क्या करूं गुरुदेव?' गुरुजी ने कहा- ' पुत्र, नि:संदेह तुम्हारी समस्या अति गंभीर है। तुम आज रात आश्रम में ही रहो। मैं रात्रि में मंथन करूंगा और सुबह समाधान बताऊंगा। वह रात्रि विश्राम के लिए रुक गया। भोर की पूजा-अर्चना के पश्चात अपने अन्य शिष्यों की समस्याओं को निबटा कर गुरुजी ने अंत में उस व्यक्ति को अपने पास बुलाया। एक रात आश्रम में बिताने के अनुभव को भी वह व्यक्ति अपने गुरु को बताने से स्वयं को रोक न सका और बोला-' गुरुदेव, आपके आश्रम में भी स्वार्थियों ने अपना डेरा जमा रखा है। हर कोई आपसे कुछ न कुछ चाहकर ही यहां रुका है। गुरुदेव ने उसकी बातों को सुनकर कहा- मैं एक कहानी सुना रहा हूं, उसे गंभीरता से सुनना। इसमें ही तुम्हारी समस्या का समाधान छिपा है। एक गाँव में एक विशेष कमरा था जिसमें एक हजार आईने लगे थे। एक लड़की उस कमरे में गई और खेलने लगी। उसने देखा एक हजार बच्चे उसके साथ खेल रहे हैं और वो उन बच्चों के प्रतिबिंब को देखकर खुश हो गयी। जैसे ही वो ताली बजाती सभी बच्चे उसके साथ ताली बजाते। उसने सोचा यह दुनिया की सबसे अच्छी जगह है। बच्ची के प्रस्थान के पश्चात थोड़ी देर बाद इसी जगह पर एक उदास आदमी कहीं से आया। उसने अपने चारों तरफ हजारों दु:ख से भरे चेहरे देखे। वह बहुत दु:खी हुआ। उसने हाथ उठा कर सभी को धक्का लगाकर हटाना चाहा तो उसने देखा हजारों हाथ उसे धक्का मार रहे हैं।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

इंतज़ार का राष्ट्रीय चरित्र

अशोक मतवाला

हमारा देश आशा पर चलता है, और आशा का दूसरा नाम है— 'थोड़ा और इंतज़ार कीजिए।

मोबाइल खरीदने जाओ तो दुकानदार कहता है, 'सर, अगले महीने नया मॉडल आ रहा है।'

कार लेने जाओ तो सलाह मिलती है, 'अभी मत लीजिए, अगले साल वाला मॉडल ज़्यादा माइलेज देगा।'

टीवी खरीदो तो सुनने को मिलता है, 'बस दिवाली तक रुक जाइए,-ढ्ढ वाला आ जाएगा। '

लैपटॉप खरीदो तो जवाब मिलता है, 'अगली चिप दुनिया बदल देगी।

यानी बाज़ार का धर्म है— आज मत खरीदो, कल का सपना देखो।

अब यह 'इंतज़ार दर्शन' धीरे-धीरे जीवन के हर क्षेत्र में फैल गया है। नौकरी के लिए इंतज़ार, प्रमोशन के लिए इंतज़ार, अच्छे दिनों के लिए इंतज़ार, महँगाई कम होने का इंतज़ार और चुनावी वादों के पूरे होने का इंतज़ार।

फिर किसी शुभचिंतक ने एक अविवाहित युवक से भी कह दिया, 'अभी शादी मत करना। थोड़ा और रुको। बेहतर लड़की मिलेगी।'

बस, वह भी बाज़ार का आज्ञाकारी ग्राहक निकला।

एक साल रुका... फिर पाँच साल... फिर दस साल। इस बीच लड़कियाँ नहीं, उनके 'अपडेटेड वर्ज़न' आते रहे। कोई करियर-ओरिएंटेड, कोई फिटनेस-ओरिएंटेड, कोई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर। रिश्तेदार हर बार समझाते रहे— 'अरे, अभी क्यों? अगला मॉडल और अच्छा होगा। '

देखते-देखते उम्र साठ पार कर गई। अब वही लोग पूछते हैं, 'अभी तक शादी नहीं की?'

बेचारा सोचता है—सलाह भी आपकी थी और ताना भी आपका!

एक दिन पार्क में बैठे एक बुज़ुर्ग ने उसकी उदासी देखकर पूछा, 'क्या हुआ?'

उसने पूरी कहानी सुनाई।

बुज़ुर्ग मुस्कुराए और बोले, 'बेटा, अगर सारी ज़िंदगी इंतज़ार ही करते रहते, तो आखिर किसी का क्या उखाड़ लेते?'

यही तो हमारी सबसे बड़ी राष्ट्रीय बीमारी है। हम वर्तमान को गिरवी रखकर भविष्य की किश्तें भरते रहते हैं। हमें हमेशा लगता है कि अगला साल बेहतर होगा, अगली सरकार बेहतर होगी, अगली नौकरी बेहतर होगी, अगला घर बेहतर होगा, अगला फ़ोन बेहतर होगा... और शायद अगला जीवन भी बेहतर होगा।

सच्चाई यह है कि जीवन कोई मोबाइल ऐप नहीं, जिसे हर छह महीने बाद अपडेट कर लिया जाए। यहाँ 'लेटेस्ट मॉडल' का मोह अक्सर 'लेट हो जाने' में बदल जाता है।

इसलिए अगली बार कोई कहे, 'थोड़ा और इंतज़ार कर लो, बेहतर मॉडल आने वाला है,' तो मुस्कुराकर बस इतना पूछ लीजिए—

'अगर इंतज़ार ही करता रहा... तो आखिर उखाड़ क्या लूँगा?'

इतिहास

23 जुलाई का दिन भारतीय इतिहास में विशेष रूप से स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों चंद्रशेखर आजाद और बाल गंगाधर तिलक की जयंती के रूप में दर्ज है। दोनों महान क्रांतिकारियों का जन्म इसी दिन हुआ था। इसके अलावा, 1982 में आज ही के दिन अंतर्राष्ट्रीय व्हेल आयोग ने वाणिज्यिक व्हेल के शिकार पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का ऐतिहासिक फैसला लिया था।23 जुलाई की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ:1856: महान स्वतंत्रता सेनानी, लेखक और शिक्षाविद बाल गंगाधर तिलक का जन्म।1906: महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद का जन्म।1927: भारतीय प्रसारण कंपनी ने मुंबई से रेडियो स्टेशन की शुरुआत की।1962: 'टेलस्टार 1' (Telstar 1) उपसंचार उपग्रह के माध्यम से दुनिया का पहला सीधा ट्रांसअटलांटिक टेलीविज़न सिग्नल प्रसारित किया गया।

स्कूली छात्र-छात्राएं जर्जर शाला भवन में पढ़ाई करने के लिए मजबूर

विश्व केसरी

सरसींवा (राकेश सोनी)। बिलाईगढ ब्लांक अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सिहारजोर घरजरा में शिक्षा व्यवस्था बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। जहां ग्राम पंचायत के शासकीय प्राथमिक शाला भवन की छत की स्थिति इतनी ख़राब है।और स्कूल भवन की हालत जर्जर स्थिति में पहुंच गई है। वहीं प्राथमिक शाला भवन की छत से प्लास्टर व मलवा झड़ कर नीचे गिर रहा है। और छतों से पानी टपक रहे हैं और स्कूल भवन के दीवार भी बड़े बड़े क्रेंक होकर दरारें हो रहीं हैं। ऐसे ही निर्मित स्थिति में प्राथमिक शाला संचालित हो रहा है जहां शिक्षक और छोटे छोटे बच्चे अपनी जान जोखिम में डालते हुए शिक्षक बच्चों को शिक्षा ग्रहण करवाने में जुटे हैं।

जबकि ग्राम पंचायत के प्राथमिक शाला स्कूल भवन में पांच कक्षा संचालित वर्षों से हो रही है। जहां प्राथमिक शाला स्कूल में कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक के छोटे-छोटे बच्चे पढ़ते है। जबकि प्राथमिक शाला स्कूल का एक कमरा इतना जर्जर हो गया है जो वर्षों से दरवाज़े पर ताला बंद है।

जहां सरसीवां के स्थानीय मिडिया प्रतिनिधी ने जर्जर स्कूल की हालत जाने शिक्षकों से जानकारी लेने पर शिक्षकों ने बताया कि स्कूल भवन बहुत ही पुराना हैऔर भवन के छत से पानी टपक रहा है छत प्लास्टर व मलबे गिर रहे हैं जहां बरामदे में बच्चों को पढ़ाया जा रहा है जहां बच्चों के लिए शौचालय की सुविधा तक नहीं है और मध्याह्न भोजन के भवन के छतों से पानी टपकता है जिसके चलते मध्याह्न भोजन का खाना बनने में दिक्कत हो रही है।

शासकीय प्राथमिक शाला घरजरा के स्कूल में पदस्थ शिक्षकों द्वारा जिला शिक्षा विभाग और ब्लांक के शिक्षा अधिकारी को स्कूल भवन जर्जर होने की जानकारी दी जा चुकी है। लेकिन अभी तक शिक्षा विभाग के अधिकारी भी जर्जर स्कूल के बारे में संज्ञान नहीं लिए हैं। जबकि घरजरा के वर्तमान सरपंच उदित साहू ने भी बताया कि शासकीय प्राथमिक शाला भवन बहुत ही पुराना हो गया है भवन के दीवालो में दरारें व भवन के छत बहुत ही कमजोर हो गये है भवन के छत से मलबे गिर रहे है और बच्चों को पढ़ने के लिए पर्याप्त कमरा भी नहीं है।भवन जर्जर होने से बच्चों के पढ़ाई प्रभावित हो रही है और छोटे छोटे बच्चे को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

जहां घरजरा ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने शासन प्रशासन व शिक्षा विभाग से मांग की है कि बच्चों के भविष्य को देखते हुए जर्जर हुए स्कूल भवन की मरम्मत व सुधार की जाएं ताकि गांव के पढ़ने वाले छोटे छोटे बच्चों को प्राथमिक शाला स्कूल से शिक्षा मिल सके।

भीमखोज नाला डायवर्सन बदहाल सफाई व गहरीकरण की मांग

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। जिला मुख्यालय से मात्र 25 किलोमीटर दूर नेशनल हाईवे क्रमांक 353 पर स्तिथ भीमखोज नाला में बना वर्षो पुराना डायवर्सन लंबे समय से उपेक्षा का शिकार होकर लगभग अनुपयोगी हो चुका है। रेलवे पुल और मुख्य सड़क के बीच बने इस डायवर्सन के अधिकांश हिस्से में घास-फूस और बेसरम के पेड़-पौधे उग आए हैं। इसके कारण नाले में पानी का ठहराव नहीं हो पा रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, कुछ वर्ष पहले तक डायवर्सन में जमा पानी आसपास के किसानों के लिए सिंचाई और अन्य कृषि कार्यों में उपयोगी साबित होता था। इसके अलावा नाले के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को स्नान और रोजमर्रा की निस्तारी के लिए भी पर्याप्त सुविधा मिलती थी। लेकिन लंबे समय से साफ-सफाई और रखरखाव नहीं होने के कारण डायवर्सन की स्थिति खराब हो गया है। डायवर्सन की जर्जर और अव्यवस्थित स्थिति के कारण गर्मी के मौसम में आसपास के लोगों के सामने निस्तारी के पानी का संकट गहरा जाता है। इस समस्या को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और मोहल्लेवासियों में संबंधित विभाग के प्रति नाराजगी देखी जा रही है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासान से मांग की है कि भीमखोज नाले के डायवर्सन वाले हिस्से की सफाई व गहरीकरण किया जाए। जिससे ग्रामीणों को दैनिक उपयोग के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा और किसानों को भी इसका फायदा मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कसडोल ने बालगंगाधर तिलक एवं अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को दी श्रद्धांजलि

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण कुमार)। आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कसडोल द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान स्वतंत्रता सेनानी, 'लोकमान्य' बालगंगाधर तिलक एवं अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती व बिसाहू दास महंत जी के पुन्यतिथि पर ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में गरिमामय माहौल में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा जननायकों के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात उपस्थित वक्ताओं ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महापुरुषों के अतुलनीय योगदान और उनके क्रांतिकारी विचारों को याद किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्लॉक अध्यक्ष दयाराम वर्मा योगेश बंजारे डॉक्टर विशाल खुसरो गायत्री कैवर्तय नीलू चंदन साहू लक्ष्मी साहू गोविंद मिश्रा पंकज जयसवाल जागेश्वर वर्मा चंदन साहू द्वारका निर्मलकर प्रकाश छत्रीय खिलावन डहरिया हरिया मुरारी धीवर रुद्र शंकर का व्रत नरेंद्र छतरी लक्ष्मी शंकर जायसवाल चंद्र प्रकाश साहू जीतू दीवार साहिल यादव कमल पटेल गोल्डी साहू सूर्या यादव नागेश श्रीवास गणेश दास आदि शामिल थे।

अतिथि शिक्षकों का धरना समाप्त

विश्व केसरी

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पिछले 22 दिनों से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे बस्तर और आदिवासी क्षेत्रों के अतिथि शिक्षकों के धरने पर पुलिस ने देर रात बड़ा एक्शन लिया है। शहर के हिंदी भवन के सामने डटे प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए खम्हारडीह और स्थानीय पुलिस बल ने देर रात टेंट उखाड़ कर जब्त कर लिया। इसके बाद 23 जुलाई की सुबह जब अन्य शिक्षक धरनास्थल पर पहुंचने लगे, तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर बसों में बैठा दिया और मौके से दूर भेज दिया। घटनाक्रम की शुरुआत बुधवार दोपहर से हुई थी, जब पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने धरनास्थल पर पहुंचकर शाम तक का अल्टीमेटम दिया था। इसके बावजूद जब आंदोलनकारी शिक्षक अपनी जगह से नहीं हटे, तो देर रात भारी पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर टेंट, लाउडस्पीकर और अन्य सामान को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने एहतियात के तौर पर दुर्ग बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर भी सख्त पहरा लगा दिया है, ताकि बाहर से आने वाले अन्य शिक्षक इस प्रदर्शन में शामिल न हो सकें।

आवारा मवेशी की समस्या के समाधान को लेकर नगर पालिका ने की पहल

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। सड़कों पर विचरण करने वाले आवारा गौवंश के कारण होने वाली दुर्घटनाओं और आम नागरिकों को हो रही परेशानियों को देखते हुए नगर पालिका परिषद ने समस्या के स्थायी एवं मानवीय समाधान की दिशा में पहल शुरू की है। इसी सिलसिले में 23 जुलाई, गुरुवार को नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण अनौपचारिक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जनप्रतिनिधियों के साथ गौवंश संरक्षण से जुड़े संगठनों, गौसेवकों, सामाजिक संस्थाओं और संबंधित विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया तथा समस्या के प्रभावी समाधान को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक में तय किया गया कि नगर पालिका द्वारा चलाए जाने वाले विशेष अभियान के दौरान सड़क से हटाए गए गौवंश को फिलहाल तीन महीने तक कृषि उपज मंडी परिसर में उपलब्ध शेड में रखा जाएगा। इसके लिए जिला कलेक्टर से अनुमति लेने के साथ आवश्यक पत्राचार नगर पालिका द्वारा किया जाएगा।

गौवंश के लिए चारे की व्यवस्था को लेकर भी बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। नगर पालिका द्वारा घर-घर जाकर चारा संग्रह अभियान चलाया जाएगा। साथ ही शहरवासियों, किसानों, सामाजिक संगठनों और गौसेवकों से पैरा, भूसा सहित अन्य पशु आहार सहयोग के रूप में उपलब्ध कराने की अपील की गई है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सब्जी मंडी से रोजाना निकलने वाले उपयोगी जैविक अपशिष्ट को अलग से एकत्रित कर गौवंश के आहार के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।

अखिल भारतीय न्यायिक कर्मचारी महासंघ की बैठक के लिए रवाना हुए कर्मचारी

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। 26 जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में माननीय उच्चतम न्यायालय में पिछले 10 वर्षों से लंबित याचिका की शीघ्र सुनवाई,समान कार्य सम्मान वेतन, न्यायिक कर्मचारी के लिये आयोजकों का बोझ मानसिक शोषण उनके बिना किसी कारण के निलंबन सेवा शर्तों में सुधार,न्याय विभाग में होने वाली आत्महत्या जैसे कई मुद्दों को लेकर पूरे भारत वर्ष के कर्मचारी एकजुट होंगे। छत्तीसगढ़ की ओर से राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल नागेश्वर सिंह मौर्य प्रांताध्यक्ष धीरज पलेरिया महासचिव रितेश सोनी कांकेर अध्यक्ष एवं भूपेंद्र सिंह ठाकुर अध्यक्ष दंतेवाड़ा नई दिल्ली जा रहे है। बैठक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर लोधी रोड नई दिल्ली में आयोजित की गई है। बैठक का आयोजन श्री नरेश चौहान वरिष्ठ उपाध्यक्ष आइजैक के द्वारा किया जा रहा है।

कसडोल सिरपुर मुख्य मार्ग की हालत बदहाल, राहगीर परेशान

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण कुमार)। कोसमसरा कसडोल क्षेत्र तके येतिहासिक ओर धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण कसडोल सिरपुर मुखिया मार्ग में दिनो अपनी बदहाली पर आसु बहा रहा है। कसडोल से महज़ 22 किमी की दूरी में महर्षि वाल्मीकि तपोभूमि और लव कुश का जन्म स्थली मातागढ़ तुरतुरियाधाम और लगभाग 40 द्ध45 किमी दूरी पर स्थित छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध स्थल सिरपुर को जोड़ने वाली यह सड़क पूरी तरह से जार्जर हो गया है।कसडोल से 2 किमी ग्राम सेमरिया के पस सड़क गड्ढो में तबदील बारिश के कारण और स्थिति और भी भयावाह हो गई है।गड्ढो में पानी भर जाने से

चालको को गहराई का अंदाज़ा नहीं मिल पाता है। जिसमें हर वक्त कोई बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस मार्ग से रोजाना सैकड़ो श्रद्धालुओं को माता तुरतुरिया के दर्शन ओर सिरपुर के प्राचीन मंदिरों को देखने के लिए गुजरते हैं सड़क की दयनीय हालात के कारण है। जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है स्थानीय निवासियो ओर राहगिरो ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई है की जनहित को ध्यान में रखते हुये जल्द से जल्द मरम्मत किया जाए ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

एसईसीएल ने बिलासपुर में एक ही दिन में 15 हजार पौधों का वृक्षारोपण बनाया रिकार्ड

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण की दिशा में कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा 21 जुलाई 2026 को एक ही दिन में सर्वाधिक पौधारोपण कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करने के राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने आज बिलासपुर के कोनी स्थित नवीन कमिश्नर कार्यालय के पीछे 1.5 हेक्टेयर क्षेत्र में मियावाकी पद्धति से 15,000 पौधों का वृहद् वृक्षारोपण किया।

यह परियोजना संभवत: बिलासपुर शहर की पहली मियावाकी वन परियोजना है, जिसे एसईसीएल द्वारा विकसित किया जा रहा है। मियावाकी तकनीक के माध्यम से विकसित होने वाला यह सघन शहरी वन आने वाले वर्षों में जैव विविधता के संवर्धन, हरित आवरण में वृद्धि तथा स्थानीय पर्यावरण को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन, बिलासपुर संभाग के आयुक्त सुनील कुमार जैन, एसईसीएल के निदेशक (एचआर) बिरंची दास, निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार, सीवीओ हिमांशु जैन, निदेशक तकनीकी (यो./परि.) रमेश चन्द्र महापात्र, कोल इंडिया लिमिटेड के कार्यपालक निदेशक के. राजशेखर, महाप्रबंधक (पर्यावरण) संजय सिन्हा, सहित कंपनी के विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण तथा जनभागीदारी के महत्व का संदेश दिया।

चेक डैम बना गांव का जल बैंक, किसानों के लिए खुशहाली की राह

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। कभी हर बारिश के बाद ठरकपुर गांव का पानी नालों से बहकर दूर निकल जाता था। खेतों में नमी नहीं टिकती थी, कुएं और नलकूप सूख जाते थे, किसान एक फसल तक सीमित रहते थे लेकिन आज वही ठरकपुर गांव जल संरक्षण की ताकत से आत्मनिर्भरता और समृद्धि की नई मिसाल बन चुका है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत निर्मित सामुदायिक सीसी चेक डैम ने न केवल वर्षा जल को सहेजने का काम किया, बल्कि किसानों के जीवन में ऐसा सकारात्मक बदलाव लाया, जिसने खेती, पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान की।

जहां बहता था पानी, वहीं अब बह रही है खुशहाली

जिले के मस्तूरी विकासखंड के ग्राम पंचायत ठरकपुर में वर्ष 2025-26 के दौरान 19.01 लाख रुपये की स्वीकृत लागत से निर्मित सामुदायिक सीसी चेक डैम आज ग्रामीण विकास, जल संरक्षण और कृषि समृद्धि का प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा है। इस चेक डैम के निर्माण से गांव की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। जहां पहले वर्षा का अधिकांश पानी बहकर व्यर्थ चला जाता था, वहीं अब उसका संरक्षण होने से खेतों, कुओं और नलकूपों में वर्षभर पानी उपलब्ध रहने लगा है। इससे किसानों को सिंचाई, पशुपालन और आजीविका के नए अवसर प्राप्त हुए हैं। ठरकपुर गांव लंबे समय से जल संकट और मिट्टी कटाव जैसी समस्याओं से जूझ रहा था। वर्षा का पानी तेजी से बह जाने के कारण भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा था और रबी सीजन में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता था। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए ग्राम पंचायत ने मनरेगा के तहत नाले पर सीसी चेक डैम निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया, जिसे स्थानीय ग्रामीणों और मनरेगा श्रमिकों की सक्रिय भागीदारी से सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

चेक डैम बनने के बाद वर्षा जल का संचयन होने लगा और पानी धीरे-धीरे जमीन में समाने लगा। इससे आसपास के कुओं और नलकूपों का जलस्तर बढ़ा तथा गांव में सिंचाई की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ। अब किसान वर्ष में दो से तीन फसलें लेने लगे हैं। टमाटर, मिर्च जैसी नकदी फसलों का उत्पादन बढ़ा है और किसानों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। मिट्टी का कटाव कम होने से खेतों की उर्वरता भी बनी हुई है। जल उपलब्धता बढ़ने से पशुपालन को भी नई दिशा मिली है। वर्षभर नाले में पानी रहने से पशुओं के लिए पेयजल और चारे की समस्या काफी हद तक समाप्त हो गई है, जिससे दुग्ध उत्पादन में भी बढ़ोतरी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि अब खेती और पशुपालन दोनों पहले की तुलना में अधिक लाभकारी हो गए हैं।

दिव्यांगजनों के आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर, कौशल प्रशिक्षण की मिलेगी सुविधा

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम, समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने, कौशल विकास को बढ़ावा देने और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने की।

बैठक में कलेक्टर विनय लंगेह, निगम के प्रबंध संचालक डॉ. पंकज वर्मा, समाज कल्याण विभाग की उप संचालक संगीता सिंह सहित बड़ी संख्या में दिव्यांगजन उपस्थित रहे। इस दौरान निगम अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने उपस्थित दिव्यांगजनों को शॉल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।

निगम अध्यक्ष श्री कावड़िया ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से पात्र दिव्यांगजनों को कम ब्याज दर पर स्वरोजगार के लिए ऋण, समय पर ऋण चुकाने पर ब्याज सब्सिडी और विभिन्न प्रकार के कौशल विकास प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने दिव्यांगजनों से इन योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाकर अपना व्यवसाय शुरू करने और आर्थिक रूप से मजबूत बनने की अपील की। प्रबंध संचालक डॉ. पंकज वर्मा ने निगम की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले पात्र हितग्राहियों को उनकी परियोजना की जरूरत के अनुसार अधिकतम 10 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान किया जाता है।

लगातार चौथे दिन बाजार में छाई लाली, सेंसेक्स 364 अंक गिरा, निफ्टी 0.53 प्रतिशत टूटा

विश्व केसरी ■

मुंबई । मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को लगातार चौथे सत्र में भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस बीच घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्कों सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 0.53 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय सेंसेक्स 363.66 अंक यानी 0.47 प्रतिशत गिरकर 76,391.39 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी50 126.65 अंक यानी 0.53 प्रतिशत गिरकर 23,869.60 पर पहुंच गया।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,755.05 से 0.31 प्रतिशत गिरकर 76,515.10 पर खुला और दिन के कारोबार में एक समय 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,151.98 का इंट्रा-डे लो छुआ।

वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,996.25 से 0.38 प्रतिशत गिरकर 23,904.80 पर खुला और दिन के कारोबार में एक समय यह 0.78 प्रतिशत गिरकर 23,807.20 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी 50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा नुकसान झेलने वाले शेयरों में नेस्ले इंडिया, श्रीराम फाइनेंस, ग्रासिम, बजाज फाइनेंस, इंडिगो, सिप्ला, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील और रिलायंस के शेयर शामिल रहे, जबकि एसबीआई लाइफ, बजाज ऑटो, एम एंड एम, टीसीएस, टाटा कंज्यूमर और आइशर मोटर्स सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों की लिस्ट में शामिल रहे।

इस दौरान, व्यापक बाजारों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, और निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांकों में 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

इस बीच, विभिन्न क्षेत्रों का प्रदर्शन व्यापक रूप से कमजोर रहा, केवल कुछ ही सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। वहीं, निफ्टी रियल्टी सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र रहा, जिसमें 1.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी ऑयल एंड गैस, इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू बैंक और निफ्टी एनर्जी में 1 प्रतिशत की गिरावट आई। अन्य पिछड़ने वाले शेयरों में निफ्टी मेटल (-0.7 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (-0.4 प्रतिशत), निफ्टी एफएमसीजी (-0.4 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (-0.4 प्रतिशत) शामिल थे।

`निफ्टी ऑटो इंडेक्स ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 0.7 प्रतिशत की बढ़त हासिल की, इसके बाद निफ्टी मीडिया इंडेक्स में 0.22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

इस बीच, निवेशकों को एक ही दिन में 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ क्योंकि बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पिछले सत्र के 480 लाख करोड़ रुपए से गिरकर 477 लाख करोड़ रुपए से नीचे आ गया।

एप्पल के फोल्डेबल फोन लॉन्च से पहले सैमसंग का सेगमेंट में अपनी बढ़त पर भरोसा कायम

विश्व केसरी ■

लंदन । सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल कारोबार प्रमुख रोह ताए-मून ने एप्पल के पहले फोल्डेबल डिवाइस की संभावित लॉन्च से पहले दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज की फोल्डेबल तकनीक पर पूरा भरोसा जताया है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के सह-सीईओ और मोबाइल कारोबार प्रमुख रोह ताए-मून ने पत्रकारों से कहा, 'सात वर्षों में हमने जो तकनीकी विशेषज्ञता और ग्राहकों की समझ विकसित की है, उसकी बराबरी रातोंरात नहीं की जा सकती।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग ने हाल ही में अल्फाबेट के जेमिनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लैस तीन नए गैलेक्सी जेड फोल्डेबल स्मार्टफोन पेश किए हैं। यह 2019 में पहली बार गैलेक्सी जेड सीरीज लॉन्च करने के बाद कंपनी के फोल्डेबल पोर्टफोलियो का पहला बड़ा विस्तार है।

रोह का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब उम्मीद की जा रही है कि एप्पल सितंबर में अपने पहले फोल्डेबल आईफोन को बुक-स्टाइल डिजाइन के साथ पेश करेगा। इससे फोल्डेबल स्मार्टफोन बाजार में प्रतिस्पर्धा और तेज होने की संभावना है।

रोह ने कहा, 'फोल्डेबल स्मार्टफोन तकनीक और बाजार, दोनों ही स्तर पर अब परिपक्व हो चुके हैं। अधिक कंपनियों का इस बाजार में आना इस बात का संकेत है कि फोल्डेबल डिवाइस अब मुख्यधारा का उत्पाद बन चुके हैं और इस बाजार के आगे और बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सैमसंग के गैलेक्सी स्मार्टफोनों ने फोल्डेबल बाजार की शुरुआत करने और इस तकनीक का अनुभव उपभोक्ताओं तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।

दक्षिण कोरिया में बढ़ती मेमोरी कीमतों के बावजूद नए फोल्डेबल स्मार्टफोनों की कीमत विदेशी बाजारों की तुलना में कम रखने के फैसले पर पूछे गए सवाल के जवाब में रोह ने घरेलू बाजार के महत्व पर जोर दिया।

बीएसई ने लॉन्च किया 'टोटल मार्केट इंडेक्स', अब व्यापक बाजार को ट्रैक करना होगा आसान

विश्व केसरी ■

मुंबई । बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने गुरुवार को नए बेंचमार्क बीएसई टोटल मार्केट इंडेक्स (टीएमआई) को लॉन्च किया है। यह बाजार पूंजीकरण के हिसाब से बीएसई ऑलकैप में मौजूद 98 प्रतिशत कंपनियों का प्रतिनिधित्व करेगा। इसके जरिए एक्सचेंज की कोशिश बाजार की ट्रैकिंग को आसान बनाना है।

एक्सचेंज के अनुसार, यह इंडेक्स बीएसई ऑलकैप यूनिवर्स के कम से कम 98 प्रतिशत हिस्से को कवर करेगा (जिसमें कम से कम 1,000 स्टॉक्स शामिल होंगे), जिससे यह भारतीय इक्विटी मार्केट के लिए सबसे व्यापक बेंचमार्क में से एक बन जाएगा।

बीएसई टोटल मार्केट इंडेक्स की बेस वैल्यू 1,000 है और इसकी पहली वैल्यू डेट 16 सितंबर, 2005 है। इस इंडेक्स को हर छह महीने में (जून और दिसंबर) पुनर्गठित किया जाएगा।

इस इंडेक्स का संचालन बीएसई की सहयोगी कंपनी बीएसई इंडेक्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की ओर से किया जाएगा, जो अन्य इंडेक्स का भी संचालन करती है।

बीएसई इंडेक्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ आशुतोष सिंह ने कहा कि इस इंडेक्स को भविष्य के हिसाब से तैयार किया गया है। यह भारत के कैपिटल मार्केट की ग्रोथ के साथ-साथ बढ़ता है, न कि कुछ तय कंपनियों या शेयरों तक ही सीमित रहता है।

उन्होंने कहा, 'बीएसई टोटल मार्केट इंडेक्स को इस तरह से बनाया गया है कि जैसे-जैसे भारत का कैपिटल मार्केट बढ़ेगा, यह भी बढ़ेगा। यह लिस्टेड मार्केट कैपिटलाइजेशन के दायरे का व्यापक और सही प्रतिनिधित्व करता है और साथ ही यह भी दिखाता है कि मार्केट में कैसे बदलाव आ रहे हैं।'

एक्सचेंज ने कहा कि इस नए बेंचमार्क का इस्तेमाल पैसिव इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट्स जैसे एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) और इंडेक्स फंड्स के लिए किया जा सकता है।

इसके अलावा, यह पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस), म्यूचुअल फंड स्कीम और इंस्टीट्यूशनल पोर्टफोलियो के लिए भी बेंचमार्क का काम करेगा।

इससे पहले जनवरी में, बीएसई इंडेक्स सर्विसेज ने डेरिवेटिव स्टॉक्स इंडेक्स लॉन्च किया था, जो बीएसई 500 इंडेक्स के डेरिवेटिव-लिंक्ड शेयरों के परफॉर्मेंस को ट्रैक करता है।

सोने और चांदी की कमजोर शुरुआत, कीमतें करीब आधा प्रतिशत घटीं

विश्व केसरी ■

मुंबई । सोने और चांदी की शुरुआत गुरुवार को कमजोरी के साथ हुई। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम आधा प्रतिशत तक घट गया है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,47,048 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,46,512 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

सुबह 10 बजे यह 0.56 प्रतिशत या 825 रुपए की कमजोरी के साथ 1,46,223 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,46,034 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,46,608 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है। सोने के साथ चांदी में भी कमजोरी देखने को मिली।

चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,26,998 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,26,567 रुपए प्रति किलो पर खुला।

फिलहाल यह 529 रुपए या 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,26,469 रुपए प्रति किलो पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,25,717 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,26,674 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर बनाया।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में कमजोरी देखी जा रही है।

कॉमैक्स पर सोना 0.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,130 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60.15 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है।

बीते कुछ दिनों में बड़ी तेजी के बाद दोबारा से गिरावट देखने को मिली है। निवेशक अब 29 जुलाई को यूएस फेडरल रिजर्व के पॉलिसी आने वाले फैसले को लेकर सर्तक बने हुए हैं, जिससे बुलियन मार्केट को दिशा मिलने की उम्मीद है। तकनीकी तौर पर, आने वाले समय में एमसीएक्स गोल्ड के 1,42,000-1,46,500 की रेंज में ट्रेड करने की उम्मीद है।

देशभर में 10,389 किलोमीटर के नेशनल हाई-स्पीड कॉरिडोर आवंटित; 4,809 किलोमीटर पर निर्माण पूरा: केंद्र

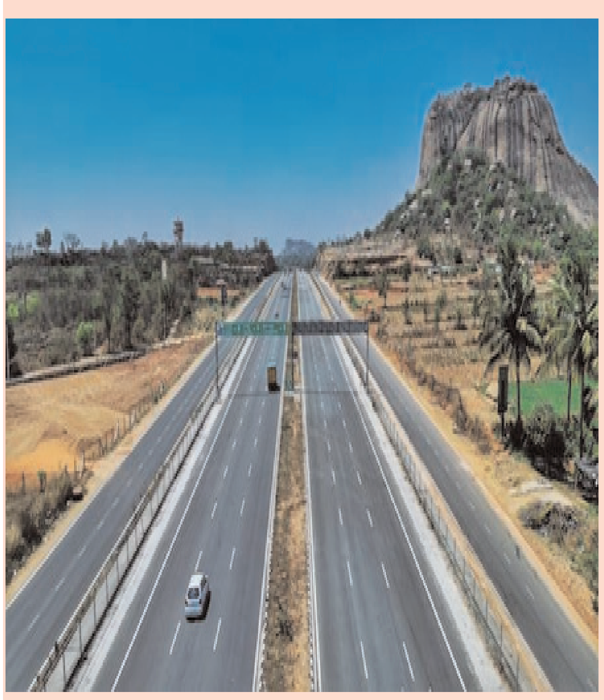

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। देशभर में अब तक 10,389 किलोमीटर के नेशनल हाई-स्पीड कॉरिडोर और ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट्स आवंटित की जा चुके हैं। इनमें से 4,809 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 5,580 किलोमीटर लंबाई के प्रोजेक्ट्स पर कार्य जारी है। यह जानकारी सरकार की ओर से संसद में दी गई।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि सरकार ने सभी निर्माणाधीन नेशनल हाइवे प्रोजेक्ट्स की नियमित समीक्षा के लिए प्रोजेक्ट, राज्य और केंद्र स्तर पर एक समन्वित व्यवस्था बनाई है। इसमें संबंधित राज्य सरकारों सहित सभी पक्षकारों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

केंद्रीय मंत्री द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान में नेशनल हाई-स्पीड कॉरिडोर और एक्सप्रेसवे की सबसे अधिक 1,340 किलोमीटर लंबाई के प्रोजेक्ट्स आवंटित किए गए हैं। इनमें से 1,192 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 148 किलोमीटर पर काम चल रहा है।

अन्य प्रमुख राज्यों में पंजाब शामिल है, जहां 923 किलोमीटर लंबाई के प्रोजेक्ट्स आवंटित किए गए हैं, जिनमें 774 किलोमीटर पर निर्माण कार्य जारी है।

वहीं, आंध्र प्रदेश में 893 किलोमीटर लंबाई के प्रोजेक्ट्स आवंटित किए गए हैं, जिनमें 308 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो चुका है और 585 किलोमीटर पर काम जारी है। उत्तर प्रदेश में 884 किलोमीटर लंबाई के प्रोजेक्ट्स आवंटित किए गए हैं, जिनमें 388 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 496 किलोमीटर पर कार्य चल रहा है। हरियाणा में 839 किलोमीटर लंबाई के प्रोजेक्ट्स आवंटित किए गए हैं, जिनमें से 615 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो चुका है।

इसके अलावा, गुजरात में आवंटित 764 किलोमीटर कॉरिडोर नेटवर्क में से 605 किलोमीटर का निर्माण पूरा किया जा चुका है।

प्रोजेक्ट्स के तेजी से क्रियान्वयन के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। इनमें 'भूमि राशि' पोर्टल और जीआईएस आधारित भूमि अधिग्रहण योजनाओं के जरिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को सरल बनाना तथा 'परिवेश' पोर्टल को उन्नत कर पर्यावरण और वन संबंधी मंजूरियां तेजी से उपलब्ध कराना शामिल है।

सरकार ने रेलवे से रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) के लिए जनरल अरेंजमेंट ड्रॉइंग (जीएडी) की ऑनलाइन स्वीकृति की व्यवस्था भी शुरू की है। साथ ही, राज्य सरकारों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ नियमित समीक्षा बैठकों के जरिए परियोजनाओं में आने वाली बाधाओं का समाधान किया जा रहा है।

सरकार के अनुसार, निरंतर निगरानी और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के कारण देशभर में नेशनल हाइवे , हाई-स्पीड कॉरिडोर और ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट्स के कार्यान्वयन में तेजी आई है।

भारतीय रेलवे ने हाई-डेंसिटी रूट पर तीसरी लाइन के लिए 440 करोड़ रुपए की परियोजना को दी मंजूरी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने दक्षिण पूर्व रेलवे के निमपुरा वेस्ट आउटर केबिन और मिदनापुर के बीच 14.52 किलोमीटर लंबी तीसरी रेल लाइन बिछाने की 440 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य इस व्यस्त रेल कॉरिडोर की क्षमता बढ़ाना और यात्री व मालगाड़ियों की आवाजाही को अधिक सुगम बनाना है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, यह परियोजना भारतीय रेलवे द्वारा हाई-डेंसिटी रूट्स पर नेटवर्क क्षमता बढ़ाने की व्यापक योजना का हिस्सा है। इसके पूरा होने के बाद इस मार्ग पर हर वर्ष अतिरिक्त 3.52 मिलियन टन (एमटीपीए) माल ढुलाई संभव हो सकेगी, जिससे उद्योगों और आवश्यक वस्तुओं के परिवहन को बड़ा लाभ मिलेगा।

यह सेक्शन हाई यूटिलाइजेशन नेटवर्क (एचयूएन-2) का हिस्सा है। फिलहाल निमपुरा वेस्ट आउटर केबिन से गोकुलपुर तक का हिस्सा सिंगल लाइन है, जबकि डबलिंग का काम पहले से जारी है। तीसरी लाइन बनने से इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मार्ग की क्षमता और परिचालन लचीलापन दोनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी।

इस रेल मार्ग से यात्री ट्रेनों के साथ-साथ मैंगनीज, लौह अयस्क, कंटेनर, कोयला, क्लिंकर, पेलेट आयरन, लोहा-इस्पात, गेहूं, पत्थर, स्लीपर, स्लैग, नमक, चावल, पेट्रोलियम उत्पाद, चूना पत्थर, जिप्सम, उर्वरक, खाद्य तेल, केमिकल सॉल्ट, चारकोल, सीमेंट, बैलेस्ट और राख जैसी कई महत्वपूर्ण वस्तुओं का परिवहन होता है। वर्तमान में इस मार्ग पर करीब 23.80 मिलियन टन प्रतिवर्ष माल ढुलाई की जा रही है।

रेलवे के अनुसार, मौजूदा सेक्शन की लाइन क्षमता का उपयोग 115.71 प्रतिशत तक पहुंच चुका है, जो अत्यधिक भीड़भाड़ को दर्शाता है। तीसरी लाइन बनने से अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होगी, जिससे बढ़ती यात्री और माल यातायात की मांग को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सकेगा।

इस परियोजना के पूरा होने के बाद आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई तेज होगी, परिचालन संबंधी बाधाएं कम होंगी, रेलवे नेटवर्क की विश्वसनीयता बढ़ेगी और इस महत्वपूर्ण रेल कॉरिडोर पर निर्भर उद्योगों तथा कारोबारों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

भारत में लॉन्च हुई मर्सिडीज-एएमजी ई 53 हाइब्रिड 4एमएटीआईसी+, कीमत 1.45 करोड़ रुपए से शुरू

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। लग्जरी कार निर्माता मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने गुरुवार को देश में मर्सिडीज-एएमजी ई 53 हाइब्रिड 4एमएटीआईसी+ लॉन्च कर दी है। यह भारत में कंपनी की पहली इलेक्ट्रिफाइड एएमजी ई-क्लास सेडान है। इसके साथ ही कंपनी ने अपनी प्लग-इन हाइब्रिड (पीएचईवी) रेंज को और मजबूत किया है। यह मॉडल कंपनी की 'पावरट्रेन एग्नॉस्टिक' रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत ग्राहकों को अलग-अलग तकनीक वाले वाहन चुनने का विकल्प दिया जा रहा है।

नई एएमजी ई 53 हाइब्रिड 4एमएटीआईसी+ की परफॉर्मेंस एडिशन की एक्स-शोरूम कीमत 1.45 करोड़ रुपए और रेसिंग एडिशन की कीमत 1.48 करोड़ रुपए रखी गई है। यह कार एएमजी की दमदार परफॉर्मेंस को प्लग-इन हाइब्रिड तकनीक की बेहतर ईंधन दक्षता और रोजमर्रा की उपयोगिता के साथ जोड़ती है।

कंपनी का कहना है कि वह ग्राहकों को उनकी जरूरत के अनुसार इंटरनल कंबशन इंजन (आईसीई), इलेक्ट्रिक और प्लग-इन हाइब्रिड जैसे कई पावरट्रेन विकल्प उपलब्ध करा रही है, ताकि वे अपनी पसंद और उपयोग के हिसाब से वाहन चुन सकें।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ संतोष अय्यर ने कहा कि ई-क्लास भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग की सबसे लंबे समय से मौजूद मॉडल सीरीज में से एक है। उन्होंने कहा कि एएमजी ई 53 हाइब्रिड 4एमएटीआईसी+ परफॉर्मेंस, रोजमर्रा की उपयोगिता और इलेक्ट्रिक दक्षता का बेहतरीन संतुलन पेश करती है, जिससे ई-क्लास पोर्टफोलियो और भी मजबूत हो गया है।

उन्होंने कहा कि यह नई परफॉर्मेंस सेडान ट्रैक पर दमदार प्रदर्शन के साथ-साथ रोजमर्रा की ड्राइविंग के लिए भी उपयुक्त है और एएमजी ग्राहकों की दोनों जरूरतों को पूरा करती है।

नई एएमजी ई 53 हाइब्रिड 4एमएटीआईसी+ में 3.0 लीटर इनलाइन 6-सिलेंडर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 330 किलोवाट (449 हॉर्सपावर) की शक्ति पैदा करता है।

इसके साथ 120 किलोवाट का इलेक्ट्रिक मोटर भी लगाया गया है, जिसे एएमजी स्पीडशिफ्ट टीसीटी 9जी ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है।

यह हाइब्रिड सिस्टम मिलकर 430 किलोवाट (585 हॉर्सपावर) की संयुक्त शक्ति और 750 न्यूटन मीटर टॉर्क देता है। वहीं, रेस स्टार्ट फंक्शन एक्टिव करने पर इसकी पावर बढ़कर 450 किलोवाट (612 हॉर्सपावर) तक पहुंच जाती है।

कंपनी के अनुसार, यह सेडान 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार केवल 3.8 सेकंड में पकड़ सकती है। इसकी अधिकतम गति इलेक्ट्रॉनिक रूप से 250 किलोमीटर प्रति घंटा तक सीमित है, जिसे वैकल्पिक एएमजी ड्राइवर पैकेज के साथ बढ़ाकर 280 किलोमीटर प्रति घंटा किया जा सकता है।

24 किमी दूर श्रीलंका, फिर भी नहीं जा सकते पैदल! भारत की वो जगह जहां से दिखता है 'रावण का साम्राज्य'

तमिलनाडु में स्थित रामेश्वरम भारत के प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों में से एक है. यहां का रेलवे स्टेशन पंबन द्वीप पर स्थित है और पंबन ब्रिज से जुड़ा हुआ है. समुद्र के ऊपर से गुजरती ट्रेन का दृश्य यात्रियों को एक अलग अनुभव देता है. रामेश्वरम से आगे धनुषकोडी नाम की जगह है, जिसे भारत के अंतिम छोरों में से एक माना जाता है. धनुषकोडी और श्रीलंका के तलाईमन्नार के बीच समुद्री दूरी लगभग 24 से 30 किलोमीटर बताई जाती है. यही क्षेत्र राम सेतु या एडम्स ब्रिज के नाम से भी जाना जाता है. हालांकि, यहां से सीधे श्रीलंका जाना संभव नहीं है

भारत और श्रीलंका के बीच ट्रेन

एक समय भारत और श्रीलंका के बीच ट्रेन और फेरी सेवा चलती थी. लोग धनुषकोडी तक ट्रेन से पहुंचते थे और वहां से फेरी के जरिए श्रीलंका जाते थे. लेकिन 1964 के विनाशकारी चक्रवात के बाद यह सेवा बंद हो गई. धनुषकोडी की खास बात यह है कि यहां एक ओर बंगाल की खाड़ी और दूसरी ओर हिंद महासागर दिखाई देता है.

अगर आप रामेश्वरम घूमने जाते हैं तो यहां से आप श्रीलंका देख सकते हैं, साथ ही यहां रामनाथस्वामी मंदिर, पंबन ब्रिज, धनुषकोडी बीच, कोथंडारामस्वामी मंदिर और अरिचल मुनई पॉइंट जैसी जगहों को भी जरूर देखें. हालांकि श्रीलंका करीब है, लेकिन वहां जाने के लिए आज भी पासपोर्ट और वीजा जरूरी है.

श्रीलंका भारत के इतिहास का अहम हिस्सा रहा है. आज भी लोग इसे रावण के साम्राज्य के रूप में देखते हैं. हर साल हजारों भारतीय घंटों ट्रैवल करके यहां रावण की लंका देखने भी पहुंचते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं, भारत का एक हिस्सा ऐसा है, जहां से श्रीलंका सिर्फ 24क्यरू दूर है? नहीं, तो चलिए इस लेख में जानते हैं.

भारत के अपनी संस्कृति, इतिहास और प्राकृतिक सुंदरता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है. देश के अलग-अलग हिस्सों में ऐसी कई जगहें हैं जो अपने अनोखे आकर्षण के कारण पर्यटकों को अपनी ओर खींचती हैं. इन्हीं में से एक है तमिलनाडु का रामेश्वरम, जो धार्मिक महत्व के साथ-साथ अपनी खास भौगोलिक स्थिति के लिए भी जाना जाता है.

लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि भारत में एक ऐसी जगह भी है जहां से श्रीलंका की दूरी बेहद कम मानी जाती है. यही वजह है कि हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं. समुद्र के बीच से गुजरता पंबन ब्रिज, खूबसूरत नजारे और धनुषकोडी का शांत वातावरण इस जगह को और भी खास बना देता है. कई लोगों को लगता है कि श्रीलंका जाने के लिए केवल हवाई यात्रा ही विकल्प है, लेकिन रामेश्वरम और धनुषकोडी का इतिहास भारत और श्रीलंका के पुराने संबंधों की दिलचस्प कहानी भी बताता है. आइए जानते हैं इस खास जगह के बारे में विस्तार से.

श्रीलंका से सटा भारतीय राज्य

बारिश की पहली फुहार से ही इन 5 सब्जियों को खरीदना छोड़ दें, इनमें मिलती हैं गंदी चीजें, बीमार कर देंगी ये

बारिश की फुहारें बेहद सुहावना होती हैं लेकिन यह मौसम कई चीजों के लिए बेहद खतरनाक है. इस मौसम में नमी बढ़ जाती है जो असंख्य कीड़े-मकौड़ें और अनगिनत सूक्ष्म जीवों के लिए वरदान है. इनमें ये पनप जाते हैं और पूरे वातावरण में फैल जाते हैं. कुछ चीजों पर ये तेजी से ग्रोथ करते हैं. इनमें ये 5 सब्जियां भी शामिल हैं. इसलिए इन 5 सब्जियों को बारिश में न ही खरीदें तो अच्छा है. देखिए ये कौन-कौन सी सब्जियां हैं.

सबसे पहले जानिए कि बारिश में बैक्टीरिया, वायरस, फफूंद, मॉल्ड जैसे अनगिनत सूक्ष्म जीवों की वृद्धि क्यों होने लगती है. दरअसल, बारिश के मौसम में हवा और मिट्टी में नमी का स्तर अत्यधिक बढ़ जाता है. यह वातवरण बैक्टीरिया, वायरस, फफूंद और सूक्ष्म परजीवियों के सबसे अनुकूल माहौल तैयार करता है. इस दौरान जगह-जगह पानी भर जाता है और इसमें तरह-तरह के असंख्य सूक्ष्मजीवों का बसेरा हो जाता है. दूषित पानी का छिड़काव होने से मिट्टी में मौजूद ये हानिकारक जीवाणु उड़कर या बहकर हरी पत्तेदार सब्जियों की सतह और बारीक दरारों में प्रवेश कर जाते हैं. धूप की कमी और ह्यूमिडिटी के कारण सब्जियों पर मौजूद पानी आसानी से नहीं सूखता जिससे सूक्ष्म जीवों को प्रचुर मात्रा में पोषण मिलता है और उनकी संख्या तेजी से दोगुनी-चौगुनी होने लगती है.

पत्तेदार सब्जियां : बारिश के मौसमें कई तरह के पत्तेदार सब्जियों की भरमार हो जाता है. लेकिन पालक, सलाद पत्ता, मेथी, धनिया और अन्य पत्तेदार सब्जियां बरसात के मौसम में नमी, मिट्टी और कीड़ों को सोख लेती हैं. नमी के कारण इनमें बैक्टीरिया और फफूंद लगने का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे में अगर इन्हें अच्छी तरह से न धोया जाए तो पेट में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है. यही कारण है कि इन साग को बारिश के मौसम में नहीं खाना चाहिए. अगर खाते हैं तो इसे गर्म पानी से जरूर साफ करें।

दिनभर बैठने से कमर दर्द रहता है? डॉक्टर ने बताया जापानी टॉवल मेथड, सिर्फ एक तौलिया से मिल सकती है राहत

अगर आप भी लंबे समय तक बैठने के बाद लोअर बैक पेन से परेशान रहते हैं और बिना दवा के झटपट आराम चाहते हैं, तो एक बेहद आसान जापानी तकनीक आपकी मदद कर सकती है.इस तकनीक को करना बेहद आसान है और इसके लिए आपको किसी महंगे जिम इक्विपमेंट या फिजियोथेरेपी टूल की जरूरत नहीं है. इसे आप अपने घर पर तौलिए की मदद से कर सकते हैं:

आजकल हमारी जीवनशैली और काम करने का तरीका पूरी तरह बदल चुका है. मॉडर्न कॉर्पोरेट कल्चर में दिन का बड़ा हिस्सा (लगभग 8 से 10 घंटे) ऑफिस की कुर्सी पर बैठकर ही बीतता है. लगातार घंटों एक ही जगह पर बैठे रहने का सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ता है. इसका नतीजा? कमर दर्द (Lower Back Pain), कूल्हों में भारी जकड़न, कंधों में तनाव और रीढ़ की हड्डी की अकड़न! यह समस्या अब सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवा नौकरीपेशा लोग भी इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं.

अगर आप भी लंबे समय तक बैठने के बाद लोअर बैक पेन से परेशान रहते हैं और बिना दवा के झटपट आराम चाहते हैं, तो एक बेहद आसान जापानी तकनीक आपकी मदद कर सकती है. प्रसिद्ध दर्द विशेषज्ञ और एनेस्थीसियोलॉजिस्ट डॉ. कुनाल सूद ने हाल ही में सोशल मीडिया पर 'जापानी टॉवल मेथड' (Japanese Towel Method) के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की है.।

50 की उम्र में भी दिख सकते हैं 30 के, बस डाइट में जोड़ें ये 6 सुपरफूड्स, 2 भी खाया तो चल जाएगा काम

कुछ सुपरफूड्स ऐसे हैं जो स्किन को अंदर से पोषण देते हैं, एजिंग की रफ्तार धीमी करने में मदद करते हैं और चेहरे का नैचुरल ग्लो बनाए रखते हैं. सबसे अच्छी बात यह है कि इन 6 सुपरफूड्स में से रोज सिर्फ 2 चीजें भी खा लें, तो आपकी स्किन लंबे समय तक हेल्दी, फ्रेश और यंग दिख सकती है.

आप भी चाहते हैं कि 50 की उम्र में लोग आपको 30 का समझें? अगर हां, तो सिर्फ महंगे स्किनकेयर प्रोडक्ट्स पर पैसे खर्च करने से काम नहीं चलेगा. असली जादू आपकी डाइट में छिपा है. फिटनेस और डाइट एक्सपर्ट जूही कपूर के मुताबिक, कुछ सुपरफूड्स ऐसे हैं जो स्किन को अंदर से पोषण देते हैं, एजिंग की रफ्तार धीमी करने में मदद करते हैं और चेहरे का नैचुरल ग्लो बनाए रखते हैं. सबसे अच्छी बात यह है कि इन 6 सुपरफूड्स में से रोज सिर्फ 2 चीजें भी खा लें, तो आपकी स्किन लंबे समय तक हेल्दी, फ्रेश और यंग दिख सकती है.

तो चलिए जानते हैं उन हेल?दी फूड्स के बारे में, जिन्?हें अगर आप अपने डेली डाइट में शामिल करें तो यह सेहत के साथ-साथ आपकी स्किन को भी लंबी उम्र तक हेल?दी और यंग रख सकते हैं.-

1. बेरीज करें डाइट में शामिल-

ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और रास्पबेरी जैसी बेरीज एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती हैं. ये शरीर में बनने वाले फ्री रेडिकल्स से लड़ती हैं, जो त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाकर एजिंग की प्रक्रिया को तेज करते हैं. नियमित सेवन से स्किन की इलास्टिसिटी और नैचुरल ग्लो बनाए रखने में मदद मिल सकती है.

2. नट्स और सीड्स-

बादाम, अखरोट, चिया सीड्स और सूरजमुखी के बीज हेल्दी फैट्स और विटामिन श्व का बेहतरीन स्रोत हैं. ये त्वचा को अंदर से मॉइस्चराइज रखते हैं और झुर्रियां आने की रफ्तार को कम करने में मदद कर सकते हैं. साथ ही ये दिमाग और दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद माने जाते हैं.

3. हरी पत्तेदार सब्जियां-

पालक, मेथी, सरसों और केल जैसी हरी सब्जियां फोलेट, आयरन और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होती हैं. ये शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनाती हैं, जिससे त्वचा तक जरूरी पोषण पहुंचता है और चेहरा अंदर से हेल्दी नजर आता है.

4. ग्रीन टी-

अगर आप रोज एक या दो कप ग्रीन टी पीते हैं, तो यह भी स्किन के लिए फायदेमंद हो सकती है. इसमें मौजूद पॉलीफेनॉल्स नाम के एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को सूरज की हानिकारक ङ्क किरणों से बचाने और एजिंग के असर को कम करने में मदद कर सकते हैं.

इसे भी पढ़ें:बारिश के मौसम में गैस, ब्लोटिंग और इंफेक्शन से बचाएंगे ये 6 प्रोबायोटिक फूड्स, एक्सपर्ट ने बताए हेल्दी गट के आसान उपाय

5. रेड बेल पेपर-

लाल शिमला मिर्च में लाइकोपीन नाम का शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है. यह त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान से बचाने और सूरज की किरणों के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकता है. इससे त्वचा लंबे समय तक जवां बनी रह सकती है.

6. ऑलिव ऑयल-

ऑलिव ऑयल में मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स शरीर में सूजन कम करने और त्वचा को पोषण देने का काम करते हैं. इसका सीमित मात्रा में सेवन स्किन को हाइड्रेट रखने और फाइन लाइन्स व झुर्रियों को कम करने में मददगार हो सकता है.

हर ताने और आलोचना का तीखा जवाब देना ज़रूरी नहीं! ये 3 तरीके आपको बनाएंगे मैच्योर और मेंटली स्ट्रॉन्ग

How To Handle Criticism : हर ताना और आलोचना आपकी प्रतिक्रिया नहीं मांगती. मनोविज्ञान के अनुसार कुछ आसान आदतें अपनाकर आप अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं और मानसिक रूप से पहले से ज्यादा मजबूत बन सकते हैं. जानिए साइंस के अनुसार 3 ऐसे तरीके जो आपको भावनात्मक रूप से मजबूत, मैच्योर और मेंटली स्ट्रॉन्ग बनाने में मदद कर सकते हैं.

ख़बरें

क्या कोई आपको कुछ कह दे तो आपका पूरा दिन खराब हो जाता है? क्या सोशल मीडिया पर किसी की आलोचना या ऑफिस में मिले ताने का जवाब तुरंत देने का मन करता है? अगर हां, तो रुक जाइए. हर बात का पलटकर जवाब देना आपकी ताकत नहीं, बल्कि कई बार आपकी मानसिक थकान की वजह बन जाता है. मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि भावनात्मक रूप से मजबूत लोग हर लड़ाई नहीं लड़ते. वे जानते हैं कि कब बोलना है और कब चुप रह जाना ही सबसे समझदारी भरा फैसला होता है. कई रिसर्च भी बताती हैं कि जो लोग अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना जानते हैं, उनमें तनाव कम होता है, रिश्ते बेहतर रहते हैं और वे मुश्किल परिस्थितियों में भी ज्यादा संतुलित फैसले ले पाते हैं.

1. तुरंत रिएक्ट नहीं, पहले रुककर रिस्पॉन्ड करें

किसी की बात सुनकर गुस्सा आना स्वाभाविक है. लेकिन उसी समय जवाब देना अक्सर नुकसान पहुंचा सकता है. साइंस बताती है कि जब हम गुस्से में होते हैं, ।

महाराष्ट्र का ये देसी सूप बारिश में रखेगा गर्म, कुलिथ, गुड़ और मसालों से ऐसे बनाएं हुलगा माडग

महाराष्ट्र का पारंपरिक Hulga Madga कुलिथ के आटे, गुड़, सोंठ और काली मिर्च से बनने वाला गर्म सूप है. मानसून में इसका सेवन पारंपरिक रूप से शरीर को गर्माहट देने के लिए किया जाता रहा है. इसे बनाना आसान और स्वाद भी बेहद खास है.

बारिश शुरू होते ही मौसम सुहाना जरूर हो जाता है, लेकिन इसी के साथ सर्दी-जुकाम, खांसी और मौसमी परेशानियां भी बढ़ने लगती हैं. ऐसे में गरमा-गरम सूप या काढ़े की याद आना स्वाभाविक है. महाराष्ट्र के कई घरों में मानसून के दौरान एक पारंपरिक पेय तैयार किया जाता रहा है, जिसे ॥ulga Madga कहा जाता है.

कुलिथ यानी हॉर्स ग्राम से बनने वाला यह गर्म और हल्का मसालेदार सूप स्वाद के साथ शरीर को गर्माहट देने वाला माना जाता है. गुड़ की मिठास, सोंठ और काली मिर्च की गर्म तासीर इसे बारिश के मौसम के लिए खास बनाती है. दिलचस्प बात यह है कि इसे बनाने का तरीका बेहद आसान है और सामग्री भी घर की रसोई में आसानी से मिल जाती है.

महाराष्ट्र का पारंपरिक ॥time

Madga क्या है?

Hulga Madga को महाराष्ट्र की पारंपरिक मानसूनी रेसिपी में गिना जाता है. इसका मुख्य आधार कुलिथ या हॉर्स ग्राम है, जिसे महाराष्ट्र में 'हुलगा' के नाम से भी जाना जाता है. पारंपरिक तौर पर कुलिथ का आटा, गुड़ और कुछ गर्म मसालों को मिलाकर यह पतला सूप तैयार किया जाता है. बारिश के दिनों में जब मौसम ठंडा और नम हो जाता है, तब कई परिवारों में गर्म पेय और पारंपरिक व्यंजनों को प्राथमिकता दी जाती है. tim भी इसी घरेलू खानपान की परंपरा का हिस्सा है. हालांकि, इसे किसी बीमारी का इलाज नहीं माना जाना चाहिए, लेकिन संतुलित आहार के हिस्से के तौर पर यह एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प हो सकता है. ।

बनाने के लिए चाहिए ये सामग्री

Hulga Madga की आसान सामग्री- इसे बनाने के लिए आपको 4 बड़े चम्मच हुलगा यानी कुलिथ का आटा, 3 से 4 बड़े चम्मच गुड़, 1 चम्मच सोंठ पाउडर, आधा चम्मच काली मिर्च पाउडर और आधा चम्मच जायफल-इलायची पाउडर चाहिए. इसके अलावा 2 से 3 कप पानी और 1 बड़ा चम्मच घी लें. चाहें तो कटे हुए काजू और बादाम भी इसमें डाल सकते हैं. गुड़ की मात्रा आप अपने स्वाद के अनुसार कम या ज्यादा कर सकते हैं. अगर आपको बहुत ज्यादा मीठा पसंद नहीं है तो 2 बड़े चम्मच गुड़ से भी शुरुआत की जा सकती है.

ऐसे बनाएं महाराष्ट्र का पारंपरिक सूप

सबसे पहले एक कटोरी में कुलिथ का आटा लें. इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और एक पतला, चिकना घोल तैयार कर लें. ध्यान रखें कि इसमें आटे की गांठें न रहें. यह छोटा सा कदम बाद में सूप को स्मूद बनाने में काफी मदद करता है.

'बिग बॉस' फेम सोनिया बंसल का श्रेया कालरा को समर्थन, बोलीं- 'हर कहानी के कई पहलू होते हैं'

लॉक अप 2 को लेकर सोशल मीडिया विवाद पर दी प्रतिक्रिया

मुंबई। 'बिग बॉस' फेम अभिनेत्री सोनिया बंसल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि, इस बार वजह उनका कोई नया प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि अपनी दोस्त और 'लॉक अप सीजन 2' की कंटेस्टेंट श्रेया कालरा को लेकर दिया गया बयान है।

सोशल मीडिया पर श्रेया कालरा और आकांक्षा चौधरी के बीच हुए विवाद को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इसी बीच सोनिया ने खुलकर अपनी राय रखी है और श्रेया का समर्थन करते हुए कहा है कि किसी भी इंसान को सिर्फ एक घटना या सोशल मीडिया पर चल रही बातों के आधार पर नहीं आंकना चाहिए।

सोनिया बंसल ने श्रेया कालरा के समर्थन में बात करते हुए कहा कि वह उन्हें लंबे समय से जानती हैं और उनके काम करने के तरीके से अच्छी तरह परिचित हैं। श्रेया मेरे लिए सिर्फ कंटेस्टेंट नहीं, बल्कि अच्छी दोस्त भी हैं।

मीडिया से बात करते हुए सोनिया ने कहा, ''मैं 'लॉक अप सीजन 2' के लिए पूरी तरह श्रेया कालरा का समर्थन कर रही हूं, क्योंकि सबसे पहले वह मेरी दोस्त हैं। उन्होंने पहले मेरा इंटरव्यू लिया था और हर बातचीत में मैंने उन्हें बेहद मेहनती, सम्मान देने वाली और अपने काम को लेकर गंभीर पाया है। जिस आत्मविश्वास के साथ वह खुद को पेश करती हैं और लोगों से जुड़ने के लिए कंटेंट बनाती हैं, वह काबिल-ए-तारीफ है।''

आकांक्षा चौधरी से जुड़े विवाद पर बात करते हुए सोनिया ने कहा, ''इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। मैं किसी भी व्यक्ति के बारे में सिर्फ ऑनलाइन चर्चाओं के आधार पर राय नहीं बनाती। हर कहानी के कई पहलू होते हैं और किसी भी मामले को पूरी तरह समझने के लिए सभी पक्षों को जानना जरूरी है। मैं जानती हूं कि श्रेया किस तरह की इंसान हैं, इसलिए मैं उनका समर्थन कर रही हूं।''

उन्होंने आगे कहा, ''हम सभी से गलतियां होती हैं, गलतफहमियां भी होती हैं और कई बार परिस्थितियों को जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया जाता है। सबसे जरूरी बात यह है कि इंसान अपनी गलतियों से क्या सीखता है और आगे कैसे बढ़ता है।''

उन्होंने कहा, ''मेरे लिए दोस्ती का मतलब सिर्फ तब साथ देना नहीं है, जब सब कुछ अच्छा चल रहा हो। असली दोस्ती तब होती है, जब कोई आलोचनाओं का सामना कर रहा हो और आपको उसके साथ खड़ा होना पड़े। मैं चाहती हूं कि लोगों को श्रेया को अपनी बात रखने का मौका देना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि दर्शक श्रेया की शो की जर्नी को खुले मन से देखेंगे और पहले से कोई धारणा नहीं बनाएंगे।''

वहीं, 'लॉक अप सीजन 2' में श्रेया कालरा की क्षमता को लेकर भी सोनिया ने उनकी तारीफ की। उन्होंने कहा कि श्रेया में एक मजबूत खिलाड़ी बनने की सभी खूबियां हैं। वह समझदार हैं, निडर हैं और दर्शकों से जुड़ना अच्छी तरह जानती हैं।

थलपति विजय की आखिरी फिल्म पर इमोशनल हुए अरुण विजय, लिखा दिल छू लेने वाला नोट

विश्व केसरी ■

मुंबई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता सी जोसेफ विजय की आखिरी फिल्म 'जन नायकन' गुरुवार को रिलीज होने के बाद कई सेलेब्स ने अभिनेता के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। इसी कड़ी में अभिनेता अरुण विजय ने भी विजय के लिए खास नोट लिखा।

इसमें अभिनेता अरुण विजय ने याद करते हुए बताया कि कैसे थलपति विजय ने उनके नजरिए को बदल दिया था।

अभिनेता अरुण ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने विजय के लिए एक भावुक संदेश लिखा, 'जिस व्यक्ति को मैं एक सहकर्मी, बड़े भाई और एक नेता के रूप में बेहद सम्मान देता हूं। खुशी के आंसुओं और गर्व से भरे दिल के साथ मैं हमारे थलपति विजय अन्ना के इस 'आखिरी डांस' को देखने के लिए तैयार हूं। आपने हमेशा अपने काम और इंडस्ट्री में एक नया मानक स्थापित करके हम सभी को प्रेरित किया है। जब मैं अपने जीवन के मुश्किल दौर से गुजर रहा था, तब आपने जो हौसला बढ़ाने वाली बातें मुझसे कहीं थी, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। आपकी उन बातों ने मेरी सोच और जीवन के उद्देश्य को पूरी तरह बदल दिया था। धन्यवाद अन्ना।'

अरुण विजय अकेले ऐसे अभिनेता नहीं थे, जो विजय की आखिरी फिल्म को लेकर भावुक हुए। इससे पहले अभिनेता महत राघवेंद्र ने भी विजय की आखिरी फिल्म को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त की थी।

'जन नायकन' सुपरस्टार थलपति विजय के अभिनय करियर की बहुचर्चित फिल्म है। एच. विनोथ द्वारा निर्देशित इस राजनीतिक एक्शन ड्रामा को विजय की राजनीति में जाने से पहले की आखिरी और विदाई फिल्म माना जा रहा है। फिल्म में पूजा हेगड़े, बॉबी देओल और ममिता बैजू भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। दिलचस्प बात यह है कि अभिनेता विजय इसके रिलीज होने से पहले ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन चुके थे, इसलिए उनकी नई राजनीतिक छवि का प्रभाव इस पर साफ देखा जा रहा है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं।

सोनू निगम ने पंकज उधास को किया याद, बोले- उनकी वजह से समझ पाया गजलों की खूबसूरती

मुंबई। मशहूर गायक सोनू निगम ने दिग्गज गजल गायक पंकज उधास को याद करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। सोनू ने बताया कि उनके गजल संगीत को समझने में पंकज उधास की अहम भूमिका रही है।

मीडिया से बातचीत के दौरान सोनू निगम ने बताया, ''जब मैंने पहली बार गजल संगीत को समझना शुरू किया था, तब पंकज उधास उन शुरुआती कलाकारों में शामिल थे, जिनसे मुझे इस विधा की पहचान मिली। मैंने मंच पर पंकज उधास की कई लोकप्रिय गजलें गाईं, जिनके जरिए मुझे इस खूबसूरत संगीत विधा की गहराई और भावनाओं को समझने का मौका मिला। सोनू ने कहा, ''1980 के दशक में पंकज उधास और अनूप जलोटा जैसे कलाकारों से मैंने गजल और भजन की बारीकियां सीखीं। मुझे पंकज जी बहुत पसंद थे और उनका प्यार भी मुझे हमेशा मिला। हमारे बीच आपसी सम्मान का रिश्ता था। वह हमें बहुत जल्दी छोड़कर चले गए, जिससे हर कोई दुखी हुआ। 'खजाना' गजल फेस्टिवल को शुरू हुए 25 साल हो चुके हैं और उनकी विरासत को आगे बढ़ाने में छोटा सा योगदान देना मेरा कर्तव्य है। इसी वजह से मैं यहां हूं।''

बता दें कि पंकज उधास का निधन 26 फरवरी 2024 को 72 वर्ष की उम्र में लंबी बीमारी के बाद हुआ था। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके चाहने वालों ने उन्हें नम आंखों से विदाई दी थी।

वहीं, बदलते दौर में युवाओं की संगीत पसंद को लेकर भी सोनू निगम ने अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''आज की पीढ़ी केवल रैप, विदेशी संगीत या सोशल मीडिया से जुड़े गानों को पसंद करती है।

बड़े पर्दे पर पहली बार खुद को देख इमोशनल हुई डोनल बिष्ट, बोलीं- अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है

विश्व केसरी ■

मुंबई। टीवी अभिनेत्री डोनल बिष्ट कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म 'एमआरपी' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया है। तेलुगु सिनेमा में अपना अनुभव शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि खुद को पहली बार बड़े पर्दे पर देखना उनके लिए एक यादगार पल में से एक था।

हैदराबाद में एमआरपी के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने खुद को बड़े पर्दे पर देखने के इमोशनल पल को याद करते हुए कहा, 'एक अलग माध्यम और भाषा में काम करना मेरे लिए बेहद शानदार था। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री अपनी शानदार कहानियों और फिल्म निर्माताओं की वजह से दुनियाभर में अलग पहचान रखता है और ऐसी जगह से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।'

डोनल बिष्ट ने कहा कि हिंदीभाषी दर्शक भी तेलुगु फिल्मों को उतना ही प्यार देते हैं। मैं बहुत खुश हूं कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे खुले दिल से स्वीकार किया। मेरे मन में सिर्फ आभार है और मैं खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं।

अभिनेत्री ने कहा, 'मैंने टीवी और वेब प्लेटफॉर्म पर काम किया है, लेकिन खुद को पहली बार इतने बड़े पर्दे पर देखना बहुत भावुक कर देने वाला था। हर नया अवसर मुझे कुछ नया सिखाता है और इस फिल्म ने मुझे फिल्म निर्माण को एक नए नजरिए से समझने का मौका दिया। इससे मुझे एहसास हुआ कि एक कलाकार के तौर पर अभी मुझे बहुत कुछ सीखना है।'

डोनल ने यह भी कहा कि वह आगे भी हिंदी फिल्मों के साथ-साथ तेलुगु सिनेमा में काम करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, 'फिल्मों की दुनिया में यह मेरा पहला कदम है और अब तक मिले हर प्यार और समर्थन के लिए मैं दिल से आभारी हूं। मैं उम्मीद करती हूं कि आगे भी ऐसे सार्थक प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनूं और एक कलाकार के रूप में लगातार आगे बढ़ती रहूं।

साथ काम किया फिर भी स्क्रीन शेयर नहीं कर पाए फरीदा और फरदीन, अभिनेता ने बयां किया दर्द

मुंबई। हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता फरदीन खान ने हाल ही में दिग्गज अभिनेत्री फरीदा जलाल के साथ मुलाकात की। गुरुवार को अभिनेता ने इस मुलाकात की झलक सोशल मीडिया पर शेयर की।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के साथ तस्वीर शेयर की, जिसमें उन्होंने फरीदा जलाल की खुलकर तारीफ करते हुए लिखा, 'कई वर्षों बाद हिंदी सिनेमा की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक फरीदा आंटी से दोबारा मिलकर बेहद खुशी हुई। 'धर्मात्मा' के समय वह मुझे बचपन से जानती थीं और मैं हमेशा उन्हें बहुत स्नेह और सम्मान के साथ याद करता हूं। खान साहब भी एक अभिनेत्री के रूप में उनका बहुत सम्मान करते थे और अक्सर कहते थे कि उनके साथ काम करना उन्हें बेहद पसंद था। उन्होंने आगे लिखा, 'फरीदा आंटी, आपसे कल मिलकर बहुत अच्छा लगा। आपने सचमुच मेरा दिन खास बना दिया। अफसोस की बात है कि यह दूसरी सीरीज है, जिसमें हम दोनों ने साथ काम किया, लेकिन हमारा एक भी सीन साथ नहीं है। उम्मीद है कि तीसरी बार हमें एक साथ स्क्रीन साझा करने का मौका जरूर मिलेगा।'

बता दें कि फरदीन खान और फरीदा जलाल ने मुख्य रूप से साल 2002 की प्रसिद्ध रोमांटिक फिल्म 'कुछ तुम कहो कुछ हम कहें' में साथ काम किया था। इस फिल्म में फरीदा जलाल ने फरदीन खान की दादी (बड़ी दादी) का किरदार निभाया था। वहीं, अभिनेता फरदीन खान और फरीदा जलाल ने संजय लीला भंसाली की लोकप्रिय नेटफ्लिक्स वेब सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में साथ काम किया था।

राघव जुयाल की 'भाई तेरा स्टार है' में दिखेगा गोविंदा वाली कॉमेडी का रंग, बोले- 'लोग खुलकर हंस सकें यही कोशिश है'

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता और डांसर राघव जुयाल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए राघव दर्शकों को एक बार फिर पुराने दौर की कॉमेडी का अनुभव देना चाहते हैं। आईएएनएस से खास बातचीत में उन्होंने कहा कि आज के समय में जब दर्शक कई तरह के तनाव से गुजर रहे हैं, ऐसे में उन्हें ऐसी फिल्मों की जरूरत है, जिन्हें देखकर वे कुछ समय के लिए अपनी परेशानियां भूल जाएं और सिर्फ हंसने का आनंद ले सकें।

मीडिया से बात करते हुए राघव जुयाल ने कहा, 'भाई तेरा स्टार है' के जरिए मेरा मकसद उस तरह की कॉमेडी को वापस लाना है, जो कभी अभिनेता गोविंदा की फिल्मों की पहचान हुआ करती थी। उनकी फिल्मों में एक अलग तरह की मासूमियत, सहजता और मनोरंजन होता था, जिसे हर उम्र के दर्शक पसंद करते थे। मैं ऐसी ही हंसी और मनोरंजन को दोबारा दर्शकों तक पहुंचाना चाहता हूं। यह फिल्म परिवारों के साथ देखने वाली ऐसी कहानी है, जिसमें छोटे शहरों के दर्शक भी खुद को जोड़ पाएंगे।

फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए राघव ने बताया, ''मैं अजय सिंह के किरदार को लेकर काफी उत्साहित हूं। वह खुद को बहुत बड़ा और टैलेंटेड अभिनेता समझता है। उसे लगता है कि वह एक दिन बहुत बड़ा सुपरस्टार बनेगा, लेकिन वास्तव में वह बहुत खराब एक्टिंग करता है। अपनी खराब परफॉर्मेंस के जरिए खुद को साबित करने की कोशिश में वह कई परेशानियों में फंस जाता है। वह ऐसी स्थिति में पहुंच जाता है, जहां उसे एक ताकतवर डॉन के पैसे वापस करने पड़ते हैं। पूरी फिल्म में कई मजेदार पल दिखाई देंगे।

राघव ने आगे कहा, ''फिल्म में एक ऐसा मनोरंजन देने की कोशिश की गई है, जिसे हर वर्ग के लोग पसंद कर सकें। मैं चाहता था कि इस फिल्म के जरिए गोविंदा की फिल्मों जैसी कॉमेडी वापस आए। ऐसी फिल्म जिसे मेरे माता-पिता भी पसंद करें और छोटे शहरों के लड़के-लड़कियां भी उससे जुड़ सकें। एक ऐसी कहानी, जिसे देखकर लोग खुलकर हंसें और बिना किसी झिझक के इसका आनंद लें।

बता दें कि 'भाई तेरा स्टार है' का निर्देशन विवेक बी. अग्रवाल ने किया है।

फिल्म में राघव जुयाल के अलावा निहारिका एनएम, संजय कपूर, बरखा सिंह, चंदन रॉय सान्याल, विवान भटेना, निकी अनेजा वालिया और विकल्प मेहता जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर हमले अस्वीकार्य, आतंकवाद को लेकर जीरो टॉलरेंस जरूरी : आसियान फोरम में विदेश मंत्री जयशंकर

विश्व केसरी■

मनीला। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने मनीला में आयोजित 33वीं आसियान क्षेत्रीय मंच मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि व्यापारिक जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमले पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों से होने वाला व्यापार सुरक्षित, निर्बाध और स्वतंत्र रूप से जारी रहना चाहिए।

बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी जयशंकर ने कहा कि उन्होंने मनीला प्लान ऑफ एक्शन का स्वागत किया, जिसके पांचों प्रमुख स्तंभ भारत के इंडो-पैसिफिक दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। उन्होंने कहा, ' भारत आपदा राहत के क्षेत्र में सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने, सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को साझा करने, साझा मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) विकसित करने और वास्तविक समय व टेबल-टॉप अभ्यास आयोजित करने का समर्थन करता है। ' विदेश मंत्री ने बताया कि भारत कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) का समर्थन करता है। नियमित रूप से फील्ड अस्पताल, खोज एवं बचाव दल, राहत सामग्री और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा, 'हाल के समय में भारत ने श्रीलंका, फिलीपींस, जमैका में आए चक्रवातों के साथ ही म्यांमार, वेनेजुएला और अफगानिस्तान में आए भूकंपों के बाद पुनर्वास और राहत कार्यों में सहयोग दिया है।' आतंकवाद के मुद्दे पर जयशंकर ने जीरो टॉलरेंस की नीति दोहराते हुए कहा कि आतंकवादी गतिविधियों के गंभीर परिणाम होने चाहिए। उन्होंने आतंकवाद को वित्तीय सहायता पहुंचाने वाले स्रोतों पर रोक लगाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने बताया, ' भारत, मलेशिया के साथ मिलकर आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक प्लस (एडीएमएम+) के आतंकवाद-रोधी विशेषज्ञ कार्य समूह की सह-अध्यक्षता कर रहा है और आतंकवाद से निपटने की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का संकलन तैयार कर रहा है।'

समुद्री सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि भारत का इन्फॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर, इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस पहल और उत्तरी अरब सागर से लेकर पश्चिमी प्रशांत तक भारतीय नौसैनिक बलों की तैनाती समुद्री डकैती, मानव एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने तथा समुद्री व्यापार को सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

भारत का पाकिस्तान को साफ संदेश; जब तक सीमा पार से आतंक खत्म नहीं होता, सिंधु संधि पर रोक जारी रहेगी

विश्व केसरी■

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट रूप से कहा है कि जब तक इस्लामाबाद सीमा पार आतंकवाद को अपनी राज्य नीति के रूप में अपनाए रखेगा, तब तक सिंधु जल संधि निलंबित रहेगी।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान को संबोधित करते हुए कहा, 'सिंधु जल संधि पर भारत का रुख स्पष्ट और लगातार एक जैसा रहा है।' उन्होंने कहा, 'जब सीमा पार आतंकवाद को नियमित रूप से राज्य की नीति के एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, तब आपसी विश्वास और सद्भावना के आधार पर सहयोग की अपेक्षा नहीं की जा सकती।'

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'प्राकृतिक संसाधनों का शासन: शांति, सुरक्षा और समृद्धि की नींव' विषय पर आयोजित उच्चस्तरीय खुली बहस के दौरान पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने सिंधु जल संधि और जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। इस पर भारतीय प्रतिनिधि पी. हरीश ने करारा जवाब दिया। पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने आरोप लगाया कि उसका पूर्वी पड़ोसी भारत सिंधु जल संधि को एकतरफा और अवैध रूप से स्थगित कर रहा है और यह कदम जम्मू-कश्मीर विवाद की पृष्ठभूमि में उठाया गया है।

दरअसल, अप्रैल में 2025 पाकिस्तान के आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में धर्म से प्रेरित हमले किए। इस हमले में 24 लोगों की निर्मम तरीके से धर्म पूछ-पूछकर हत्या की गई। इसके बाद भारत ने नदी के पानी के बंटवारे के लिए 1960 की सिंधु जल संधि को रोक दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम हमले के बाद संधि को रोकने और पाकिस्तान के साथ व्यापार रोकने का कारण बताते हुए कहा, 'पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।' हरीश ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर हमेशा से भारत का एक अभिन्न और अटूट हिस्सा रहा है, वर्तमान में है और रहेगा।

संक्षिप्त खबर

शी की वाशिंगटन यात्रा की तैयारियां तेज, बड़े मतभेदों पर होगी चर्चा : मार्को रूबियो

विश्व केसरी■

वाशिंगटन/मनीला। अमेरिका के विदेश सचिव मार्को रुबियो ने कहा है कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ उनकी लंबी मीटिंग सितंबर में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अमेरिकी दौरे के लिए ग्राउंडवर्क तैयार करने पर केंद्रित थी। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बड़े रणनीतिक अंतर के बावजूद वाशिंगटन और बीजिंग को बातचीत जारी रखनी चाहिए। मनीला में आसियान से जुड़ी बैठकों के इतर बुधवार (वाशिंगटन समयानुसार) पत्रकारों से बातचीत में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि चीन के साथ हुई लंबी बैठक का कारण दोनों पक्षों के बीच किसी तरह का तनाव नहीं, बल्कि अनुवाद में लगा समय था। रुबियो ने कहा, 'हमने सितंबर में होने वाली यात्रा पर काफी विस्तार से चर्चा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य इसी दौरे की तैयारी करना था, ताकि यह एक और सकारात्मक यात्रा साबित हो। मेरा मानना है कि जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग वाशिंगटन आएंगे तो उनकी यात्रा बेहद सकारात्मक रहेगी।' एक सवाल के जवाब में रुबियो ने अमेरिका और चीन को दुनिया की दो सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाएं और प्रमुख देश बताया। उन्होंने कहा कि गंभीर मतभेदों के बावजूद दोनों देशों के बीच संवाद बनाए रखना बेहद जरूरी है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने की प्राकृतिक संसाधनों की मूल्य श्रृंखला में न्याय की मांग

विश्व केसरी■

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने प्राकृतिक संसाधनों की मूल्य श्रृंखला में न्याय की मांग की है। गुटेरेस ने अपने एक बयान में कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि खनिजों का विकास संसाधन-संपन्न देशों और स्थानीय समुदायों के लिए न्यायसंगत व टिकाऊ परिणाम लेकर आए। एंटोनियो गुटेरेस ने कहा, 'अब समय आ गया है कि उस पुरानी व्यवस्था को समाप्त किया जाए, जिसमें संसाधनों का दोहन एक जगह होता है, उनका आर्थिक लाभ कहीं और पहुंच जाता है, जबकि गरीब समुदायों को पर्यावरण और सामाजिक-आर्थिक नुकसान से जूझने के लिए छोड़ दिया जाता है।' प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन पर सुरक्षा परिषद की खुली बहस के दौरान गुटेरेस ने कहा कि किसी देश की अपने प्राकृतिक संसाधनों पर मान्यता प्राप्त संप्रभुता और व्यवहार में उनके वास्तविक संप्रभु अधिकारों के बीच के अंतर को खत्म किया जाए। उन्होंने कहा कि अफ्रीका में यह संप्रभुता की कमी सबसे अधिक है। उन्होंने कहा, 'देशों और समुदायों को अपने ही क्षेत्र में मौजूद संसाधनों से लाभ मिलना चाहिए।' समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं में गैर-कानूनी गतिविधियों को रोकने और पारदर्शिता बढ़ाने के महत्व पर बात की।

पाकिस्तान : भारी बारिश और फ्लैश फ्लड ने मचाई तबाही, खैबर पख्तूनख्वा में 18 की मौत

विश्व केसरी■

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मूसलाधार बारिश और फ्लैश फ्लड ने बड़े स्तर पर तबाही मचाई है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में 19 जुलाई से अब तक बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में 18 लोगों की मौत हो गई जबकि 19 अन्य घायल हुए हैं। यह जानकारी प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने गुरुवार को दी।

पीडीएमए के अनुसार, अधिकांश मौत मकानों की छत या दीवार गिरने और लोगों के फ्लैश फ्लड की चपेट में आने से हुईं। मृतकों में आठ बच्चे, सात पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। वहीं, घायलों में 11 पुरुष, चार महिलाएं और चार बच्चे हैं। बारिश और बाढ़ से 30 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें 23 आंशिक रूप से और सात पूरी तरह से नष्ट हो गए।

बारिश से जुड़ी घटनाएं बुनैर, स्वाबी, मर्दान, बाजौर, शांगला, लोअर चितराल, पेशावर, नौशेरा, खैबर, लोअर और अपर दीर, एबटाबाद, मानसेहरा, तोर घर, कुर्रम तथा उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान सहित कई जिलों में दर्ज की गई हैं। पीडीएमए ने बताया कि रेस्क्यू 1122, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव अभियान जारी है। उधर, पंजाब प्रांत के गुजरांवाला, नारोवाल, पाकपत्तन और लाहौर में भी बारिश से जुड़ी घटनाओं में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य घायल हुए हैं। सबसे अधिक प्रभावित गुजरांवाला रहा, जहां मकानों की छत और दीवार गिरने, तालाबों में डूबने और करंट लगने जैसी घटनाओं में छह लोगों, जिनमें अधिकांश बच्चे थे, की जान चली गई। वहीं, पाकपत्तन में बारिश के दौरान मकान की छत गिरने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई और उनकी मां घायल हो गई।

लाहौर के गुलशन-ए-रावी इलाके में एक फैक्ट्री की छत गिरने से चार मजदूर घायल हो गए। इसके अलावा गुजरात में जीटी रोड बाईपास पर बारिश के कारण फिसलकर एक ट्रेलर खाई में गिर गया। लगातार लगभग 10 घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश के कारण गुजरात और गुजरांवाला के मुख्य मार्ग और आसपास के इलाके जलमग्न हो गए, जिससे व्यापारिक गतिविधियां और दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

लॉस एंजिल्स मिशन भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को देगा नई रफ्तार

विश्व केसरी■

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के लॉस एंजिल्स स्थित भारत के नए महावाणिज्य दूतावास ने पारंपरिक कूटनीतिक भूमिका से आगे बढ़ते हुए खुद को व्यापार, निवेश, तकनीक और नवाचार के नए केंद्र के रूप में स्थापित करना शुरू कर दिया है। भारतीय महावाणिज्य दूत डॉ. केजे श्रीनिवास ने कहा कि भारतीय प्रवासी समुदाय और अमेरिकी साझेदारों से दूतावास को जबरदस्त समर्थन मिला है और अमेरिका का प्रशांत दक्षिण पश्चिम क्षेत्र भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की अपार संभावनाएं रखता है।

भारतीय राजनयिक ने बताया कि नए महावाणिज्य दूतावास को भारतीय प्रवासी समुदाय और अमेरिकी साझेदारों, दोनों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा, 'यह भारतीय प्रवासी समुदाय का लंबे समय से संजोया हुआ सपना था।' महावाणिज्य दूतावास की स्थापना के बाद से निवेश प्रोत्साहन से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और भारतीय उद्योग प्रतिनिधिमंडलों तथा स्थानीय अमेरिकी कंपनियों के बीच व्यावसायिक बैठकों की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

इसके साथ ही दूतावास ने दुर्लभ मृदा तत्वों (रेयर अर्थ) और महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) से जुड़े हितधारकों के साथ भी संवाद शुरू किया है। यह क्षेत्र ऐसे समय में रणनीतिक रूप से और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है, जब भारत और अमेरिका मजबूत एवं भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित करने पर जोर दे रहे हैं। डॉ. श्रीनिवास ने कहा, 'हम दोनों देशों के बीच इन क्षेत्रों में साझेदारी और कारोबारी संबंधों को लगातार गति पकड़ते हुए देख रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी को अमेरिकी कांग्रेस में मिला नया समर्थन

विश्व केसरी■

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों के दोहन का मुद्दा उठाते हुए कहा है कि वहां की अपार प्राकृतिक संपदा का उचित लाभ स्थानीय लोगों को नहीं मिलने के कारण इस्लामाबाद के खिलाफ असंतोष और विद्रोह की स्थिति पैदा हुई है।

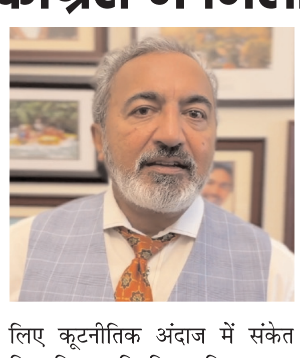

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने बुधवार को कहा, 'यह प्रत्येक देश की जिम्मेदारी है कि तेल और गैस, खनिज, दुर्लभ धातुओं और बहुमूल्य संसाधनों से समृद्ध प्रांतों को उन संसाधनों से होने वाले लाभ में न्यायसंगत और समान हिस्सेदारी सुनिश्चित करे।' उन्होंने कहा कि ऐसा करना केवल संबंधित देश के भीतर ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र में आंतरिक अस्थिरता और असुरक्षा को रोकने के लिए भी आवश्यक है। पी. हरीश ने बिना पाकिस्तान का नाम लिए कूटनीतिक अंदाज में संकेत दिया कि यह स्थिति बलूचिस्तान पर लागू होती है। उन्होंने कहा, 'ऐसा न करने के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं, जिनका प्रभाव हमारे क्षेत्र में भी देखा जा सकता है।' प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने और पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देने के बावजूद, बलूचिस्तान आज भी देश के सबसे गरीब प्रांतों में से एक बना हुआ है। इसकी वजह से बलूच के लोगों ने अपने प्रांत के योगदान में सही हिस्सा मांगते हुए विरोध प्रदर्शन किए और उनके बेरहमी से दबाने से बगावत को बढ़ावा मिल रहा है। हरीश ने चेतावनी दी, 'संसाधनों से भरपूर प्रांतों के शासन में सख्ती और सुरक्षा वाला तरीका मामलों को और खराब करता है। जो प्रांत संसाधनों से भरपूर हैं लेकिन विकास में पिछड़े हैं, वे असुरक्षा का केंद्र बन जाते हैं जो अपनी सीमाओं के बाहर, यहां तक कि पड़ोसी देशों में भी अस्थिरता फैलाते हैं।' उन्होंने कहा, 'यह अस्थिरता बाहरी लोगों द्वारा सीमा पार दखल और संसाधनों के दोहन को भी आकर्षित करती है, इससे स्थानीय समुदायों की शिकायतों के साथ अस्थिरता बढ़ती है।' 'नेचुरल रिसोर्स गवर्नेंस: शांति, सुरक्षा और खुशहाली की नींव' विषय पर उच्चस्तरीय खुली चर्चा में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने कहा, 'प्राकृतिक संसाधनों के गवर्नेंस और मैनेजमेंट की मुख्य जिम्मेदारी संप्रभु देशों की है।'

भारत और स्लोवाकिया ने व्यापक साझेदारी में हुई प्रगति और आने वाले दौरों की तैयारियों पर की चर्चा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत और स्लोवाकिया ने गुरुवार को व्यापक साझेदारी में लगातार हो रही प्रगति और दोनों तरफ से होने वाले उच्चस्तरीय दौरों की तैयारियों पर चर्चा की।

ये चर्चा नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव पूजा कपूर और भारत में स्लोवाकिया के राजदूत रॉबर्ट मैक्सियन के बीच हुई मीटिंग के दौरान हुई। बैठक के बाद मैक्सियन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारत के विदेश मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव पूजा कपूर से मिलकर बहुत अच्छा लगा। भारत-स्लोवाकिया व्यापक साझेदारी में लगातार हो रही बढ़ोतरी और दोनों तरफ से आने वाले उच्चस्तरीय दौरे की तैयारियों पर अच्छी और आगे की सोच वाली चर्चा हुई। बेहतरीन संबंधों को और मजबूत करने की उम्मीद है।' 14 जुलाई को स्लोवाकिया के विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्री, जुराज ब्लानार, न्यूयॉर्क में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से मिले और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में अस्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी के लिए यूरोपीय देश का समर्थन जताया।

विदेश मंत्री जयशंकर और ब्लानार के बीच मीटिंग को बहुत प्रोडक्टिव बताते हुए मैक्सियन ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने स्लोवाकिया की वी4 प्रेसीडेंसी और वी4+इंडिया फॉर्मेट की तैयारियों, प्रभावी बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर सहयोग को लेकर चर्चा की।

स्लोवाकिया के राजदूत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्री जुराज ब्लानार और भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के बीच बहुत अच्छी मीटिंग हुई, जिसमें स्लोवाकिया और भारत के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को सुनिश्चित किया गया।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन जल्द दे सकते हैं इस्तीफा, राजनीतिक हलचल तेज

विश्व केसरी■

ढाका। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन जल्द इस्तीफा दे सकते हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कई सूत्रों ने दावा किया है कि राष्ट्रपति पद छोड़ने की प्रक्रिया जल्द शुरू हो सकती है। इसकी अटकलें काफी दिनों से लगाई जा रही थी।

मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में राष्ट्रपति पद संभाला था और जुलाई 2024 के बड़े प्रदर्शनों के बाद भी अपने पद पर बने रहने वाले देश के एकमात्र शीर्ष संवैधानिक पदाधिकारी हैं। बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक 'द डेली स्टार' ने सूत्रों के हवाले से बताया कि राष्ट्रपति इस साल मई में इलाज के लिए लंदन गए थे। इस दौरान उनकी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से फोन पर बातचीत हुई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, खुफिया एजेंसियों को इस बातचीत की जानकारी मिलने के बाद राष्ट्रपति से पद छोड़ने को कहा गया। हालांकि, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह फोन बातचीत ही इस्तीफे का एकमात्र कारण नहीं है और पूरा मामला इससे कहीं अधिक जटिल है। 'टाइम्स ऑफ बांग्लादेश' के अनुसार, राष्ट्रपति के करीबी एक सूत्र ने दावा किया है कि शहाबुद्दीन 31 जुलाई तक इस्तीफा दे सकते हैं और इसके बाद ढाका के गुलशन स्थित अपने आवास पर स्थानांतरित हो सकते हैं।

कांगो में हिंसा के बीच इबोला से जंग पर संकट, संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता

विश्व केसरी■

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) के नॉर्थ किवु प्रांत में असुरक्षा के कारण मानवीय कार्यों पर असर पड़ रहा है, जिसमें इबोला के प्रकोप से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रयास भी शामिल हैं।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन डुजारिक ने बुधवार (स्थानीय समय) को एक दैनिक ब्रीफिंग में कहा कि स्थानीय नागरिक समाज संगठनों के अनुसार, 13 से 19 जुलाई के बीच प्रांत के बेनी इलाके में हुए कई हमलों में कम से कम 30 लोग मारे गए और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस हिंसा के कारण आम लोगों को विस्थापित होना पड़ा है और प्रभावित इलाकों में मानवीय सहायता पहुंचाने में रुकावट आ रही है। डुजारिक ने संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय का हवाला देते हुए कहा कि सुरक्षा की बिगड़ती स्थिति के कारण, इबोला से निपटने में मदद करने वाले सहयोगियों सहित कम से कम छह मानवीय संगठनों ने बेनी इलाके के कई इलाकों में अपनी आवाजाही रोक दी है। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई तक, डीआरसी के राष्ट्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने इतुरी, नॉर्थ किवु, साउथ किवु, हौट-उएले और त्शोपो प्रांतों में इबोला के 2,473 कन्फर्म मामलों की रिपोर्ट दी थी। प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और उसके मानवीय सहयोगी उन सभी इलाकों में निगरानी, प्रयोगशाला परीक्षण, इलाज और समुदाय को शामिल करने वाली गतिविधियों को बढ़ाने में अधिकारियों का समर्थन करना जारी रखे हुए हैं, जहां इबोला वायरस के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र सभी पक्षों से आम नागरिकों की सुरक्षा करने और मानवीय सहायता के लिए सुरक्षित और बिना रुकावट पहुंच सुनिश्चित करने की अपनी अपील दोहराता है।' उन्होंने आगे कहा कि प्रकोप को रोकने और ज़रूरतमंद सभी लोगों तक सहायता पहुंचाने के लिए सभी स्वास्थ्य कर्मियों और मानवीय सहायता कर्मियों की सुरक्षा बहुत जरूरी है।

यूसीसी सभी समुदायों के नागरिकों के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करेगा : मोहन यादव

विश्व केसरी

इंदौर। मध्य प्रदेश विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) बिल पास होने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुरुवार को कानून का बचाव किया। उन्होंने कहा कि इसे जनता का बहुत समर्थन मिला है और यह सभी समुदायों के नागरिकों के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करेगा।

इंदौर दौरे पर मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने विधानसभा में बिल पेश करने से पहले लोगों से इस बारे में काफी सलाह-मशविरा किया था। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि हमने पूरे राज्य में 3.5 करोड़ से ज्यादा लोगों से बात की और लगभग 10 लाख सुझाव मिले। यह कानून लोगों की राय को ध्यान में रखकर बनाया गया है और इसका मकसद हर नागरिक के लिए समान अधिकार पक्का करना है। सीएम यादव ने कहा कि यूसीसी शादी, तलाक, मेंटेनेंस, उत्तराधिकार और विरासत जैसे मामलों को एक आम कानूनी ढांचे के तहत लाएगा जो सभी नागरिकों पर लागू होगा, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। उन्होंने कहा, 'यह कानून हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, पारसी और बाकी सभी समुदायों पर समान रूप से लागू होगा। यह कानून के सामने समानता पक्का करने और हर नागरिक के अधिकारों की रक्षा करने की दिशा में एक कदम है।' मुख्यमंत्री ने इस कानून को देश के स्वतंत्रता सेनानियों के विजन से जोड़ा और लंबे समय से रुके हुए सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को क्रेडिट दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं यूसीसी बिल पास होने पर मध्य प्रदेश के लोगों को बधाई देता हूं। चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था जहां हर नागरिक को समान मौके मिलें और वे एक ही कानून के तहत रहें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वह सपना सच हो रहा है।' यूसीसी बिल को मध्य प्रदेश विधानसभा ने बुधवार को लंबी बहस के बाद पास कर दिया। सत्ताधारी भाजपा ने इसे एक ऐतिहासिक सुधार बताया, जिसका मकसद एक जैसा नागरिक कानून और जेंडर जस्टिस पक्का करना है, जबकि कांग्रेस पार्टी ने इस कानून का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह भाजपा के सोच वाले एजेंडे से चलता है और भारत की अलग-अलग सोच वाली परंपराओं को दिखाने में नाकाम रहा है।

नीट पेपर लीक मामले में 'फास्ट-ट्रैकिंग' न्याय, चार राज्यों में स्थापित की जाएंगी अदालतें

विश्व केसरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद सरकार ने पेपर लीक में शामिल लोगों को जल्द न्याय दिलाने और कड़ी सजा देने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नीट पेपर लीक मामले में आरोपियों पर नए 'एंटी-चीटिंग' कानून के तहत कार्रवाई होगी और उन पर 'पब्लिक एग्जामिनेशन एक्ट, 2024 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि केंद्र सरकार चार राज्यों में फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने की प्रक्रिया में है। उन्होंने बताया कि इस कानून के तहत दोषी पाए जाने और सजा होने पर पांच साल की जेल और 10 लाख रुपए का जुर्माना हो सकता है। अभी हाईकोर्ट में लगभग चार मामले लंबित हैं और अब इन सभी मामलों की सुनवाई फास्ट-ट्रैक कोर्ट में होगी। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार संबंधित राज्यों और हाईकोर्ट से इन मामलों के लिए विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का औपचारिक अनुरोध करने वाली है, ताकि रोजाना सुनवाई हो सके और मामलों का जल्द निपटारा हो सके।

चूंकि नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट) एक ऐसी परीक्षा है जिसे एनटीए आयोजित करती है। इसलिए इससे जुड़े पेपर लीक और अनुचित साधनों के मामले इस कानून के दायरे में आएंगे। सूत्रों ने बताया कि नीट लीक के संबंध में अब तक इस कानून के तहत चार एफआईआर दर्ज की गई हैं। इन मामलों की सुनवाई के लिए बॉम्बे, कलकत्ता, दिल्ली और मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर चार फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाए जा रहे हैं। इनमें से दो मामले बॉम्बे हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। सूत्रों के मुताबिक, नए कानून में यूपीएससी, एसएससी, आरआरबी, आईबीपीएस केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों के लिए भर्ती परीक्षाओं के साथ-साथ एनटीए द्वारा आयोजित सभी प्रवेश और भर्ती परीक्षाओं से जुड़े अन्य पेपर लीक के मामले भी शामिल होंगे।

संक्षिप्त खबर

ईओडब्ल्यू ने धोखाधड़ी मामले में चार आरोपियों के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू कश्मीर) ने धोखाधड़ी मामले में चार आरोपियों के खिलाफ श्रीनगर की अदालत में चार आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। यह मामला करोड़ों रुपए के शॉल खरीद से जुड़ा है। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू कश्मीर) के अनुसार, एक शिकायत के आधार पर जांच शुरू की गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि मुख्य आरोपी अरशिद अहमद शोरा उर्फ बिलाल और उसके सहयोगियों ने शिकायतकर्ता को अधिक मुनाफे का लालच देकर 2.50 करोड़ रुपए से अधिक कीमत के शॉल सप्लाई कराने के लिए राजी किया था, लेकिन बाद में उनका भुगतान नहीं किया। जांच के दौरान 338 शॉल, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 68 लाख रुपए है, बरामद किए गए। बाद में ईओडब्ल्यू की टीम ने अदालत के निर्देश पर बरामद शॉल शिकायतकर्ता को सौंपे। फिलहाल, इस मामले में मुख्य आरोपी अर्शीद अहमद शोरा समेत सभी चार आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। आरोपियों में अरशिद अहमद शोरा उर्फ बिलाल के अलावा फिरदौस अहमद मीर, फिरदौस अहमद भट्ट और आफताब अहमद शाह शामिल हैं। इससे पहले, आर्थिक अपराध शाखा ने एयरपोर्ट में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से लाखों रुपए की ठगी करने के मामले में चार्जशीट दायर की।

सीमा पार से हथियार और ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

अमृतसर। पंजाब पुलिस ने सीमा पार से होने वाली अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के एक नेटवर्क का पर्दाफाश करने का दावा किया है। इस मामले में अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से छह आधुनिक पिस्तौल, एक किलो हेरोइन, एक किलो अफीम और ड्रग्स की बिक्री से मिले 10 हजार रुपए बरामद किए गए हैं। पुलिस ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। पंजाब पुलिस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह कार्रवाई अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस की एक बड़ी सफलता है। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी विदेश में बैठे एक हैंडलर के संपर्क में थे। यह हैंडलर अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी को अंजाम देने में मदद कर रहा था। पुलिस ने बताया कि इस नेटवर्क के जरिए अवैध हथियार और ड्रग्स पंजाब में पहुंचाए जाते थे, जिन्हें आगे आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों तक पहुंचाने की योजना थी। अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके।

गृह मंत्री शाह ने हिमंत बिस्वा सरमा से की बात, बाढ़ प्रभावित असम का जायजा लेने जल्द पहुंचेगी केंद्र की टीम

विश्व केसरी

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से राज्य में आई भीषण बाढ़ की स्थिति पर फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्र सरकार जल्द ही एक अंतर-मंत्रालयी (इंटर-मिनिस्टीरियल) टीम असम भेजेगी।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली और आश्वासन दिया कि केंद्रीय टीम प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर नुकसान का आकलन करेगी। इसके आधार पर राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए केंद्र सरकार आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री का आभार जताते हुए कहा कि हाल के वर्षों में आई सबसे भीषण बाढ़ के दौरान केंद्र सरकार ने असम को हरसंभव सहयोग दिया है। उन्होंने बताया कि ऊपरी क्षेत्रों में बादल फटने (क्लाउडबर्स्ट) और अत्यधिक बारिश के कारण राज्य के कई जिलों में अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। राज्य के कुछ हिस्सों में सामान्य से 436 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई, जिसके कारण उन इलाकों में भी बाढ़ आ गई जहां पहले कभी ऐसी स्थिति नहीं बनी थी। मुख्यमंत्री के अनुसार, बाढ़ से 25 जिलों के 1,800 से अधिक गांवों में 9 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। इस आपदा में अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों मवेशियों की भी जान गई है। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और अन्य एजेंसियों की मदद से बचाव एवं राहत अभियान चौबीसों घंटे जारी है। दुर्गम इलाकों में फंसे लोगों तक पहुंचने के लिए हेलीकॉप्टर और नौकाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है।

राज्य सरकार ने 148 से अधिक राहत शिविर स्थापित किए हैं, जहां करीब 30,000 विस्थापित लोगों को आश्रय दिया गया है। राहत दलों द्वारा खाद्यान्न, पेयजल और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की जा रही है।

मणिपुर में 1.5 करोड़ की ब्राउन शुगर और लाखों की अफीम बरामद, पांच आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग एंटी-ड्रग ऑपरेशन में मुख्य नारकोटिक्स सप्लायर और एक महिला समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने भारी मात्रा में म्यांमार की अफीम और ब्राउन शुगर भी जब्त की है।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि एक छापेमारी के दौरान, मणिपुर पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की एक संयुक्त टीम ने चुराचांदपुर जिले के एक होटल से नेंगजतुआन उर्फ तुआनपी को गिरफ्तार किया, जो मिजोरम के साथ सीमा और म्यांमार के साथ एक बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है। गिरफ्तार व्यक्ति एक प्रमुख ड्रग आपूर्तिकर्ता है और एनसीबी, राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) और मणिपुर पुलिस द्वारा पंजीकृत नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम 1985 के तहत कई मामलों में वांछित है। इंफाल पूर्वी जिले के मंत्रीपुखरी बाजार और उसके आसपास चलाए गए एक अन्य मादक द्रव्य विरोधी अभियान में सुरक्षा बलों ने लगभग 22 लाख रुपए मूल्य की 3.66 किलोग्राम संदिग्ध अफीम जब्त की और तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अनिल दास (75) रोशन बसनेत (48) और गोमा कार्की (33) के रूप में की गई, जो राज्य के विभिन्न जिलों के निवासी थे। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जब्त किया गया मादक पदार्थ पड़ोसी देश म्यांमार से आया है। जो मणिपुर के साथ लगभग 400 किमी लंबी बिना बाड़ वाली सीमा साझा करता है। म्यांमार दुनिया में अफीम के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक बना हुआ है। खासकर इसके उत्तरी क्षेत्रों में जिसमें काचिन और शान राज्य भी शामिल हैं।

मध्य प्रदेश के डिंडोरी में पानी की बोतल में चढ़ाई गई ड्रिप : अरुण यादव

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव ने बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सरकारी अस्पताल में पानी की बोतल में ड्रिप चढ़ाई गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है जिसमें मरीज पलंग पर लेटा हुआ है, उसे ड्रिप चढ़ाई गई है और दवाई पानी के बोतल में भरी हुई है। अरुण यादव ने व्यवस्था का सवाल उठाते हुए कहा है कि डिंडोरी के सरकारी अस्पताल में पानी की बोतल में ड्रिप चढ़ाई।

अरुण यादव ने कहा कि सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं से नहीं अपने प्रचार से मतलब है, डिंडोरी के सरकारी अस्पताल में पानी की बोतल से ड्रिप चढ़ रही है ।यही है भाजपा के डबल इंजन का 'स्वास्थ्य मॉडल '। उन्होंने आगे कहा है कि मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं वेंटिलेटर पर, सरकार अपने प्रचार में मस्त है। प्रदेश की जनता इलाज नहीं, बदहाली झेल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कांग्रेस की ओर से लगातार हमले किए जा रहे हैं क्योंकि गाहे बगाहे ऐसी तस्वीर है सामने आ जाती हैं जो स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोल देती हैं। कई बार मरीज खटोली पर दिखता है तो कई बार शव को मोटरसाइकिल पर ले जाने की मजबूरी होती है।

वहीं, सरकार की ओर से लगातार स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और अस्पतालों में आवश्यक सुविधाएं जुटाना के साथ चिकित्सकों की भर्ती हो रही है।

श्रीलंकाई नौसेना ने नौ भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार, ट्रॉलर भी जब्त

विश्व केसरी

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना ने नौ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और उनके मछली पकड़ने वाले ट्रॉलर को जब्त कर लिया। मछुआरों पर आरोप है कि उन्होंने कथित तौर पर इंटरनेशनल मैरीटाइम बाउंड्री लाइन (आईएमबीएल) पार की और श्रीलंकाई पानी में गैरकानूनी तरीके से मछली पकड़ी। इससे दोनों पड़ोसी देशों के बीच मछली पकड़ने के अधिकार को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद में एक और मामला जुड़ गया है।

श्रीलंकाई नेवी के मुताबिक, ये गिरफ्तारियां एक समुद्री निगरानी और कार्रवाई के दौरान की गईं, जब नेवी के लोगों ने श्रीलंकाई पानी में भारतीय मछली पकड़ने वाली नावों के एक बड़े समूह का पता लगाया। खबर है कि मछुआरों को तलाईमन्नार के उत्तर में बिना इजाजत के द्वीप देश के पानी में घुसने के बाद पकड़ा गया। नेवी ने कहा कि 50 से ज्यादा भारतीय मछली पकड़ने वाले ट्रॉलर कथित तौर पर ईरानतिवु के दक्षिण में श्रीलंकाई पानी में घुस आए थे और जब ऑपरेशन शुरू हुआ तो वे मछली पकड़ने के काम में लगे हुए थे। इस दौरान, एक ट्रॉलर को रोका गया और उसमें सवार नौ मछुआरों को हिरासत में ले लिया गया।

जब्त किए गए जहाज को भी अधिकारियों ने अपने कब्जे में ले लिया। गिरफ्तार किए गए मछुआरों और जब्त किए गए ट्रॉलर को बाद में श्रीलंकाई मछली पालन कानूनों के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मन्नार में मछली पालन इंस्पेक्टर को सौंप दिया गया।

अधिकारियों ने मछुआरों की पहचान नहीं बताई है। ये नई गिरफ्तारियां मछुआरों के मुद्दे पर लगातार तनाव के बीच हुई हैं। भारत-श्रीलंका के संबंध में मछुआरों का मुद्दा सबसे संवेदनशील और चिंताओं में से एक रहा है। तमिलनाडु के मछुआरों ने बार-बार पाक स्ट्रेट में पारंपरिक मछली पकड़ने की जगहों तक पहुंच मांगी है।

जेपीएससी परीक्षा गड़बड़ी मामले में जांच तेज, पूर्व अध्यक्ष एल. ख्यांग्ते के घर सीआईडी का छापा

विश्व केसरी

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच के क्रम में सीआईडी ने गुरुवार को आयोग के निवर्तमान अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव एल. ख्यांग्ते के कांके रोड स्थित आवास पर छापेमारी की।

सीआईडी की टीम पुलिस बल के साथ उनके आवास पहुंची और जेपीएससी से जुड़े दस्तावेजों एवं अन्य अभिलेखों की जांच की। फिलहाल छापेमारी के दौरान बरामद सामग्री के संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। यह कार्रवाई 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम को लेकर उठे विवाद के बाद दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में की गई है। सीआईडी ने इस मामले में कांड संख्या 16/2026 दर्ज कर जांच शुरू की है और परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही है। इससे पहले 21 जुलाई को राज्य सरकार के निर्देश पर सीआईडी और रांची पुलिस की संयुक्त टीम ने जेपीएससी मुख्यालय, परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीडीपीएल) के कार्यालय समेत कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी।

नीट-यूजी 2024 पेपर लीक मामला : सीबीआई ने संजीव मुखिया पर स्थिति की साफ, कहा-जांच में नहीं मिला कोई सबूत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2024 पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोपी संजीव कुमार उर्फ संजीव मुखिया को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की। एजेंसी ने कहा कि विस्तृत और गहन जांच के दौरान संजीव मुखिया के खिलाफ नीट-यूजी 2024 पेपर लीक या उसके वितरण में शामिल होने का कोई सबूत नहीं मिला। इसलिए इस मामले में चार्जशीट दाखिल नहीं की गई।

सीबीआई ने बताया कि वर्ष 2024 में बिहार पुलिस ने नीट-यूजी 2024 परीक्षा का प्रश्नपत्र चोरी होने का खुलासा किया था और इस संबंध में मामला दर्ज किया था। शुरुआती जांच में संजीव मुखिया पर संदेह जताया गया था, क्योंकि वह पहले भी कई परीक्षा प्रश्नपत्र चोरी और लीक मामलों में कथित रूप से शामिल पाया गया था। इसी आधार पर बिहार पुलिस ने उन्हें एफआईआर में आरोपी बनाया था। बाद में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। एजेंसी ने कहा कि जांच के दौरान उसने प्रश्नपत्र चोरी करने, उसे आगे पहुंचाने और उससे फायदा उठाने वाले हर व्यक्ति की पहचान कर ली। इसके बाद सीबीआई ने पटना की सक्षम अदालत में कुल 45 आरोपियों के खिलाफ कई चार्जशीट दाखिल की हैं। सीबीआई के अनुसार, जांच के दौरान ऐसा कोई भी साक्ष्य नहीं मिला, जिससे यह साबित हो सके कि संजीव मुखिया नीट-यूजी 2024 प्रश्नपत्र चोरी या उसके वितरण की साजिश में शामिल थे। एजेंसी का कहना है कि उसने इस पूरे मामले की गहराई से जांच की है और पूरी साजिश तथा उसमें शामिल सभी लोगों की पहचान कर ली गई है। सीबीआई ने यह भी बताया कि जांच के दौरान संजीव मुखिया फरार थे। बाद में उन्हें बिहार पुलिस ने अन्य मामलों में गिरफ्तार किया। नीट-यूजी 2024 मामले की एफआईआर में भी उनका नाम था, इसलिए सीबीआई ने इस मामले में पूछताछ के लिए उन्हें पुलिस रिमांड पर लिया था।

साइबर अपराधी तेजी से मोबाइल को बना रहे निशाना, एसएमएस फ्रॉड 146 प्रतिशत बढ़े

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में टेक्स्ट मैसेज (एसएमएस) आधारित धोखाधड़ी और मोबाइल फ्रॉड के मामलों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 2025 की दूसरी छमाही से 2026 की पहली छमाही के दौरान, पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में एसएमएस स्कैम में 146 प्रतिशत और मोबाइल फ्रॉड में 67 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

बायोकैच की रिपोर्ट के मुताबिक, मोबाइल फ्रॉड में यह बढ़ोतरी आईओएस डिवाइस पर 86 प्रतिशत और एंड्रॉयड डिवाइस पर 35 प्रतिशत रही।

रिपोर्ट में कहा गया है कि धोखाधड़ी अब पहले की तुलना में अधिक तेज और महंगी होती जा रही है। जोखिमपूर्ण भुगतान की संख्या दोगुनी हो गई है, जबकि फ्रॉड सत्रों की औसत अवधि 32 प्रतिशत घट गई है। वहीं, प्रत्येक फ्रॉड सत्र में औसत ट्रांसफर राशि 1.7 गुना बढ़ गई है।

इस बीच, वेब ब्राउजर आधारित फ्रॉड में 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जिससे स्पष्ट होता है कि साइबर अपराधी अब तेजी से मोबाइल प्लेटफॉर्म को निशाना बना रहे हैं।

जांच एजेंसियों ने 2025 के दौरान भारत के विभिन्न बैंकों की 700 से अधिक शाखाओं में 8.5 लाख से ज्यादा म्यूल अकाउंट की पहचान की।

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारत में साइबर धोखाधड़ी से जुड़ी शिकायतों में शामिल कुल मूल्य 22,496 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इसी अवधि में 26.48 लाख म्यूल अकाउंट के मामले सामने आए, जबकि संदिग्ध रजिस्ट्री मदद से 9,055 करोड़ रुपए के संदिग्ध लेनदेन को रोका गया।

बायोकैच के ग्लोबल फ्रॉड इंटेलिजेंस निदेशक टॉम पीकॉक ने कहा, 'एसएमएस स्कैम इसलिए बेहद प्रभावी होते हैं क्योंकि वे भरोसेमंद संचार माध्यम का फायदा उठाते हैं। इससे फर्जी संदेश भी असली लगते हैं और लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे कार्रवाई कर बैठते हैं।'

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि धोखाधड़ी वाले भुगतान प्रयासों के कुल मूल्य में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि औसत कॉल अवधि 31 प्रतिशत और फ्रॉड सत्रों की औसत अवधि 32 प्रतिशत घट गई है।

पीकॉक ने कहा, 'उच्च मूल्य वाले फ्रॉड प्रयासों और कम समय में पूरी होने वाली कॉल एवं सत्र यह दिखाते हैं कि साइबर अपराधी पहले से कहीं अधिक कुशल हो गए हैं।

उन्होंने कहा, 'धोखाधड़ी के तरीके लगातार अधिक आधुनिक होते जा रहे हैं। अपराधी अब सुनियोजित सोशल इंजीनियरिंग और स्वचालित तकनीकों का इस्तेमाल कर पीड़ितों को गुमराह करते हैं और चेतावनी संकेत सामने आने से पहले ही उनसे पैसे ट्रांसफर करा लेते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), मोबाइल बैंकिंग, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन निवेश प्लेटफॉर्म के तेजी से बढ़ते उपयोग ने देश में एक मजबूत डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम तैयार किया है, लेकिन यही व्यवस्था साइबर ठगों के लिए भी आकर्षक लक्ष्य बन गई है।

जेमिनी ऐप के मासिक सक्रिय यूजर्स की संख्या 95 करोड़ हुई : सुंदर पिचाई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। गूगल के एआई चैटबॉट जेमिनी ऐप के मासिक सक्रिय यूजर्स (एमएयू) की संख्या बढ़कर 95 करोड़ हो गई है। बीते एक वर्ष में इसके दैनिक सक्रिय यूजर्स की संख्या तीन गुना हो गई है। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब कंपनी उपभोक्ता और एंटरप्राइज उत्पादों में अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फीचर्स का तेजी से विस्तार कर रही है। यह जानकारी सीईओ सुंदर पिचाई की ओर से दी गई।

एक ब्लॉग पोस्ट में पिचाई ने कहा कि जेमिनी ऐप की तेज वृद्धि के पीछे डेली ब्रीफ और व्यक्तिगत अनुभव देने वाला जेमिनी स्पार्क जैसे नए एआई फीचर्स का बड़ा योगदान रहा है। जेमिनी स्पार्क फिलहाल अमेरिका और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उपलब्ध है।

उन्होंने गूगल के एआई-संचालित सर्च अनुभव की बढ़ती लोकप्रियता के बारे में भी बताया।

पिचाई के अनुसार, पिछले वर्ष अक्टूबर में व्यापक स्तर पर लॉन्च किए जाने के बाद एआई मोड के वैश्विक मासिक सक्रिय यूजर्स की संख्या 100 करोड़ को पार कर गई है। यह फीचर सर्च गतिविधियों को बढ़ाने के साथ-साथ हर सप्ताह वेबसाइटों पर अरबों क्लिक भी भेज रहा है।

गूगल ने अपने एआई मॉडल पोर्टफोलियो का भी विस्तार किया है। कंपनी ने जेमिनी 3.6 फ्लैश, जेमिनी 3.5 फ्लैश-लाइट और जेमिनी 3.5 फ्लैश साइबर लॉन्च किए हैं, जबकि अगली पीढ़ी के एआई मॉडल जेमिनी 4 पर भी काम शुरू हो चुका है।

पिचाई ने बताया कि अब हर महीने 90 लाख से अधिक डेवलपर गूगल के एआई मॉडल का उपयोग कर एप्लिकेशन विकसित कर रहे हैं। वहीं, कंपनी के एपीआई (एपीआई) अब प्रति मिनट लगभग 22 अरब टोकन प्रोसेस कर रहे हैं, जबकि पिछली तिमाही में यह संख्या 16 अरब टोकन प्रति मिनट थी। कंपनी को एंटरप्राइज क्षेत्र में भी मजबूत बढ़त मिल रही है। वर्तमान में फॉर्च्यून 100 की लगभग 90 प्रतिशत कंपनियां जेमिनी एंटरप्राइज का उपयोग कर रही हैं, जिससे गूगल क्लाउड का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है।

गूगल क्लाउड का राजस्व सालाना आधार पर 82 प्रतिशत बढ़ा, जबकि उसका बैकलॉग बढ़कर 514 अरब डॉलर पहुंच गया। इसकी मुख्य वजह एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और एंटरप्राइज एआई समाधानों की बढ़ती मांग रही।

पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने भी सालाना आधार पर 24 प्रतिशत राजस्व वृद्धि दर्ज की। पिचाई ने कहा कि एआई में किए जा रहे निवेश कंपनी के सर्च, यूट्यूब, क्लाउड और डेवलपर प्लेटफॉर्म जैसे प्रमुख कारोबारों को नई दिशा दे रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के हर स्कूल में तंबाकू विरोधी अभियान, सीएमओ को सौंपी गई जिम्मेदारी

विश्व केसरी ■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने स्कूली छात्रों को तंबाकू की लत से दूर रखने के लिए नई पहल की है। एक सरकारी अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि इसके लिए नई स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी की गई है, जिसे सभी जिलों के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारियों को भेज दिया गया है।

गाइडलाइंस के मुताबिक, हर स्कूल में तंबाकू विरोधी जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। अगर कोई छात्र तंबाकू की लत का शिकार पाया जाता है, तो उसे व्यवहार संबंधी काउंसलिंग दी जाएगी। जरूरत पड़ने पर उसे बेहतर इलाज के लिए बड़े स्वास्थ्य केंद्र भेजा जाएगा।

नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार, हर स्कूल को हर छह महीने में 100 अंकों का स्व-मूल्यांकन करना होगा। जिन स्कूलों को 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक मिलेंगे, उन्हें ही 'तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान' का प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

यह पहल युवाओं पर हाल ही में किए गए एक सर्वे के बाद शुरू की गई है। सर्वे में पता चला कि पश्चिम बंगाल में 13 से 15 साल की उम्र के 8.5 प्रतिशत छात्र सिगरेट या गुटखे के आदी हैं।

स्कूलों को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए हर ब्लॉक में एक विशेष टीम बनाई जाएगी। इस टीम में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के मेडिकल अधिकारी, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, परामर्शदाता और ब्लॉक स्वास्थ्य प्रबंधक शामिल होंगे। ये टीम ब्लॉक के स्कूलों का दौरा करेगी।

जानकारों का मानना है कि पश्चिम बंगाल सरकार की इस पहल से छात्रों को तंबाकू की लत छोड़ने में मदद मिलेगी। सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि 'तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान' (टीओएफईआई) कार्यक्रम का उद्देश्य सभी शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाना है। मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार, तंबाकू विरोधी कानून, 2003 का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

तंबाकू के नुकसान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ छात्रों को सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 की भी जानकारी दी जाएगी।

स्कूलों में क्विज़, पोस्टर और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। परामर्शदाताओं की जिम्मेदारी होगी

कोर स्ट्रेंथ और डाइजेशन को मजबूत बनाना है? रोज करें नौका संचालनासन का अभ्यास

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आधुनिका जीवनशैली, घटती शारीरिक सक्रियता और घंटों एक ही जगह बैठकर काम करने की आदत ने हमारी कोर स्ट्रेंथ और पाचन तंत्र को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। ऐसी स्थिति में 'नौका संचालनासन' एक अत्यंत प्रभावकारी योगाभ्यास है।

'नौका संचालनासन' संस्कृत शब्द है, जो 'नौका' (नाव), 'संचालन' और 'आसन' मुद्रा से मिलकर बना हुआ है। यह गतिशीलता पर आधारित एक ऐसा आसन है, जो पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाने के साथ शरीर में नई ऊर्जा का संचार भी करता है।

इसे करने के लिए सबसे मैट पर दोनों पैरों को सामने की ओर सीधा फैलाकर (दंडासन की मुद्रा में) बैठ जाएं। अपनी मुट्ठी को इस तरह बंद करें जैसे आप नाव का चप्पू पकड़ रहे हों। बाहों को सीधा रखते हुए शरीर को जितना हो सके पीछे की ओर ले जाएं और नाभि पर खिंचाव महसूस करें। कमर से आगे की ओर झुकें और हाथों को गोलाकार घुमाते हुए पैरों की उंगलियों की तरफ ले जाएं, ठीक वैसे ही जैसे नाव चलाते समय चप्पू चलाते हैं।

इस गोलाकार प्रक्रिया को 8 से 10 बार (चक्र) दोहराएं। इसके बाद, प्रक्रिया को उल्टी दिशा में भी 8 से 10 बार दोहराएं।

गर्भवती महिलाओं (विशेषकर दूसरी और तीसरी तिमाही में), स्लिप डिस्क या रीढ़ की गंभीर समस्याओं से पीड़ित लोगों, और पेट या कूल्हे की सर्जरी कराने वाले लोगों को इस आसन को करने से बचना चाहिए।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह आसन एक बेहतरीन सूक्ष्म व्यायाम है, जो पूरे शरीर को खींचता, मजबूत बनाता और लचीला करता है। इस अभ्यास से पेट, कमर, पेल्विस, पीठ का निचला हिस्सा, पैर, छाती, कंधे और कूल्हे सक्रिय होते हैं। इससे शरीर का संतुलन बेहतर होता है, ताकत बढ़ती है और आत्मविश्वास में भी सुधार आता है।

नियमित अभ्यास करने से शरीर अधिक लचीला बनता है और जोड़ों की गति (रेंज ऑफ मोशन) भी बेहतर होती है। इसको करने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने लगता है। साथ ही, शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स बाहर आ जाते हैं।

अगर कोई व्यक्ति अनिद्रा जैसी स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं, तो यह आसन आपके लिए बेहद लाभकारी है। इसके नियमित अभ्यास से एकाग्रता बढ़ती है, तंत्रिका तंत्र शांत रहता है।

कांगो में हिंसा के बीच इबोला से जंग पर संकट, संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता

विश्व केसरी ■

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) के नॉर्थ किवु प्रांत में असुरक्षा के कारण मानवीय कार्यों पर असर पड़ रहा है, जिसमें इबोला के प्रकोप से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रयास भी शामिल हैं।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार (स्थानीय समय) को एक दैनिक ब्रीफिंग में कहा कि स्थानीय नागरिक समाज संगठनों के अनुसार, 13 से 19 जुलाई के बीच प्रांत के बेनी इलाके में हुए कई हमलों में कम से कम 30 लोग मारे गए और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस हिंसा के कारण आम लोगों को विस्थापित होना पड़ा है और प्रभावित इलाकों में मानवीय सहायता पहुंचाने में रुकावट आ रही है। दुजारिक ने संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय का हवाला देते हुए कहा कि सुरक्षा की बिगड़ती स्थिति के कारण, इबोला से निपटने में मदद करने वाले सहयोगियों सहित कम से कम छह मानवीय संगठनों ने बेनी इलाके के कई इलाकों में अपनी आवाजाही रोक दी है। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई तक, डीआरसी के राष्ट्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने इतुरी, नॉर्थ किवु, साउथ किवु, हौट-उएले और त्शोपो प्रांतों में इबोला के 2,473 कन्फर्म मामलों की रिपोर्ट दी थी। प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और उसके मानवीय सहयोगी उन सभी इलाकों में निगरानी, ??प्रयोगशाला परीक्षण, इलाज और समुदाय को शामिल करने वाली गतिविधियों को बढ़ाने में अधिकारियों का समर्थन करना जारी रखे हुए हैं, जहां इबोला वायरस के मामले सामने आए हैं।

उन्होंने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र सभी पक्षों से आम नागरिकों की सुरक्षा करने और मानवीय सहायता के लिए सुरक्षित और बिना रुकावट पहुंच सुनिश्चित करने की अपनी अपील दोहराता है।' उन्होंने आगे कहा कि प्रकोप को रोकने और ज़रूरतमंद सभी लोगों तक सहायता पहुंचाने के लिए सभी स्वास्थ्य कर्मियों और मानवीय सहायता कर्मियों की सुरक्षा बहुत जरूरी है।

चौंकाने वाली रिपोर्ट: उम्र बढ़ी लेकिन स्वस्थ रहने के साल नहीं, अमेरिकी नागरिक बीमारी के साथ गुजार रहे 14 वर्ष

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दुनियाभर में लोग पहले के मुकाबले ज्यादा लंबी उम्र जी रहे हैं, लेकिन इन बढ़े हुए वर्षों का बड़ा हिस्सा लोग बीमारी और शारीरिक परेशानियों के साथ बिता रहे हैं। यह बात 'द लैंसेट पब्लिक हेल्थ' में प्रकाशित अध्ययन 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) में सामने आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 1990 से 2023 के बीच दुनिया के लगभग सभी देशों में लोगों के स्वस्थ जीवन और कुल जीवन के बीच का अंतर बढ़ा है। इसे मॉर्बिडिटी गैप (स्वास्थ्य असमानता) कहा जाता है, यानी व्यक्ति अपनी जिंदगी के कितने साल खराब स्वास्थ्य के साथ बिताता है। 1990 में यह अंतर औसतन 8.8 साल था, जो 2023 में बढ़कर 10.7 साल हो गया। इसका मतलब है कि आज लोग पहले की तुलना में लगभग दो साल ज्यादा बीमारी या किसी न किसी शारीरिक परेशानी के साथ जी रहे हैं।

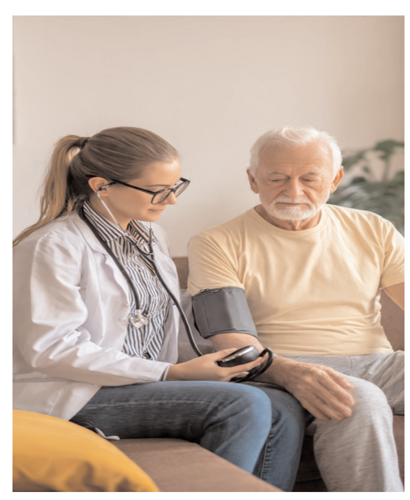

अध्ययन में यह भी सामने आया कि 1990 में वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा 64.6 साल थी, जो 2023 में बढ़कर 73.8 साल हो गई। वहीं स्वस्थ जीवन प्रत्याशा 55.9 साल से बढ़कर 63.1 साल पहुंची। यानी लोगों की उम्र तो लगभग नौ साल बढ़ी, लेकिन पूरी तरह स्वस्थ रहने के साल सिर्फ सात साल ही बढ़ पाए। यही वजह है कि बीमारी के साथ बिताए जाने वाले साल लगातार बढ़ रहे हैं।

शोधकर्ताओं का कहना है कि अब सिर्फ लोगों की उम्र बढ़ाना ही काफी नहीं है। जरूरत इस बात की है कि लोग ज्यादा समय तक स्वस्थ भी रहें। यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) के निदेशक और अध्ययन के वरिष्ठ लेखक डॉ. क्रिस्टोफर जे.एल. का कहना है कि भविष्य में स्वास्थ्य व्यवस्था का लक्ष्य केवल लंबी जिंदगी नहीं, बल्कि बेहतर और स्वस्थ जिंदगी होना चाहिए। इसके लिए बीमारियों की रोकथाम, लंबे समय तक इलाज की बेहतर व्यवस्था और पुरानी बीमारियों के प्रभावी प्रबंधन पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

रिपोर्ट में एक और दिलचस्प बात सामने आई है। जिन देशों में लोग सबसे ज्यादा उम्र तक जीते हैं, वहीं बीमारी के साथ बिताए जाने वाले साल भी सबसे ज्यादा हैं।

तमिलनाडु में 2026 के पहले छह महीनों में मिले 48,469 टीबी मरीज, टीबीमुक्त राज्य बनाने की मुहिम तेज

विश्व केसरी ■

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में 48,469 तपेदिक (टीबी) के मरीजों की पहचान की है। सभी मरीजों का इलाज शुरू कर दिया गया है और राज्य के टीबी नियंत्रण कार्यक्रम के तहत उनकी लगातार निगरानी की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री केजी अरुणराज ने गुरुवार को राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) की समीक्षा बैठक के बाद यह जानकारी दी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य टीबी मुक्त तमिलनाडु बनाना है। इसके लिए निगरानी व्यवस्था को ज्यादा मजबूत किया जाएगा, बीमारी की जल्द पहचान पर विशेष जोर दिया जाएगा और लोगों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी।

समीक्षा बैठक में मंत्री ने राज्य के सभी जिला उप-निदेशकों के साथ राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति का आकलन किया। अधिकारियों को अधिक से अधिक मरीजों की पहचान करने, इलाज के बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने और कार्यक्रम से जुड़े सभी विभागों व संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय बनाने के निर्देश दिए।

केजी अरुणराज ने बताया कि वर्ष 2025 में राज्य में 93,203 टीबी मरीजों की पहचान की गई थी। वहीं, जनवरी से जून 2026 के बीच 48,469 नए मरीज सामने आए हैं। इन सभी मरीजों को तुरंत इलाज से जोड़ दिया गया है और उनकी नियमित निगरानी की जा रही है।

मंत्री ने कहा कि टीबी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बीमारी की शुरुआती पहचान सबसे जरूरी है। इसके लिए गांवों और शहरी वार्डों में, जहां संक्रमण का खतरा अधिक है, सक्रिय जांच अभियान और तेज किए जाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि टीबी मरीजों के करीबी संपर्क में आए लोगों को एहतियाती इलाज उपलब्ध कराया जाए। समय पर बचाव उपचार देने से संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा सकता है और बीमारी का बोझ काफी हद तक कम किया जा सकता है।

गंभीर रूप से बीमार टीबी मरीजों के लिए बेहतर और समग्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए हैं, ताकि उनकी रिकवरी दर में सुधार हो सके।

राज्य की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025 में तमिलनाडु की 2,390 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: भारत का पहला पदक पक्का, लवलीना सेमीफाइनल में पहुंचीं

विश्व केसरी ■

ग्लासगो। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी से पहले ही भारत ने अपना पहला पदक सुनिश्चित कर लिया है। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को 'बाय' मिला है। इसके माध्यम से सीधे सेमीफाइनल में पहुंचते हुए उन्होंने अपना पदक सुनिश्चित कर लिया।

टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन 'बाय' मिलने के बाद महिलाओं के 75 किग्रा कैटेगरी के सेमीफाइनल में सीधे पहुंची। ड्रॉ में सिर्फ पांच एथलीट थे, इसलिए लवलीना समेत तीन खिलाड़ी सीधे 'अंतिम-4' (सेमीफाइनल) में पहुंच गए, जबकि बाकी दो खिलाड़ियों को एकमात्र क्वार्टरफाइनल मैच खेलना था।

कॉमनवेल्थ गेम्स के बॉक्सिंग नियमों के तहत, सेमीफाइनल में हारने वाले सभी खिलाड़ियों को कांस्य पदक दिया जाता है। इसका मतलब है कि ग्लासगो में अपना पहला मुकाबला खेलने से पहले ही लवलीना का कांस्य पदक पक्का हो गया है।

लवलीना 31 जुलाई को सेमीफाइनल में ताफाकी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी, जहां स्वर्ण पदक मैच में जगह बनाने का मौका होगा। जीत उन्हें फाइनल में पहुंचाएगी और कम से कम रजत पदक पक्का करेगी, जबकि हारने पर भी वह कांस्य पदक के साथ लौटेंगी।

यह कॉमनवेल्थ गेम्स में उनका पहला पोडियम फिनिश होगा। लवलीना गोल्ड कोस्ट 2018 में क्वार्टरफाइनल में चैंपियन बनीं सैंडी रयान से हार गई थीं और बर्मिंघम 2022 में अपना पहला ही मुकाबला हार गई थीं। उन्होंने पिछले दोनों इवेंट्स में 69 किग्रा कैटेगरी में हिस्सा लिया था।

इस पदक का मतलब यह भी है कि लवलीना ने उन सभी बड़े मल्टी-स्पोर्ट इवेंट्स में पदक जीत लिए हैं जिनमें वह हिस्सा लेने की पात्र थीं। इसमें ओलंपिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स शामिल हैं। गुरुवार को ओपनिंग सेरेमनी के लिए जब भारतीय दल शानदार कपड़ों में मैदान पर उतरेगा, तो लवलीना और टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली वेटलिफ्टर मीराबाई चानू फ्लैग और बैटन बियरर लेकर चलेंगी।

लवलीना ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य और 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। इसके अलावा, उन्होंने चीन के हांगझोउ में हुए 2023 एशियाई खेलों में भी रजत पदक जीता।

एशेज 2027 : पुरुषों और महिलाओं के मुकाबलों का शेड्यूल जारी

विश्व केसरी ■

लंदन । इंग्लैंड की पुरुष टीम अगले साल 18 जून से ट्रेंट ब्रिज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज अभियान की शुरुआत करेगी। वहीं, महिला टीम 24 जून से अपने मल्टी-फॉर्मेट एशेज अभियान को शुरू करेगी। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गुरुवार को 2027 सीरीज का पूरा शेड्यूल जारी किया है।

इंग्लैंड की पुरुष टीम 18 जून को ट्रेंट ब्रिज के जिस मैदान पर पांच टेस्ट मुकाबलों की सीरीज शुरू करेगी, उसी मैदान पर उन्हें हाल ही में एशेज में सफलता मिली है और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां खेले गए पिछले तीनों टेस्ट मैच जीते हैं।

इसके बाद सीरीज के अगले मैच लॉर्ड्स, एजबेस्टन और यूटिलिटा बाउल (साउथेम्प्टन) में खेले जाएंगे। यूटिलिटा बाउल पहली बार पुरुषों के एशेज टेस्ट की मेजबानी करेगा। इस सीरीज का समापन 29 जुलाई से 'द किया ओवल' (लंदन) में होगा।

दूसरी तरफ, इंग्लैंड की महिला टीम 24 जून को हेडिंग्ले में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसी के साथ साल 2001 के बाद लीड्स में पहला महिला एशेज टेस्ट मैच का आयोजन होगा, जिसके बाद ट्रेंट ब्रिज, द किया ओवल और एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में 3 से 9 जुलाई के बीच तीन टी20 मैच खेले जाएंगे। 13-20 जुलाई के बीच यूटिलिटा बाउल, लॉर्ड्स और एजबेस्टन में तीन वनडे मैच होंगे।

पिछली घरेलू एशेज सीरीज में इंग्लैंड की महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के साथ अंक साझा किए थे और दोनों टीमें इस साल की शुरुआत में आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भी आमने-सामने आई थीं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने जीत दर्ज करते हुए खिताब अपने नाम किया था। एशेज मुकाबलों के अलावा, ईसीबी और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 7 से 10 जून तक एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड लायंस की पूरी ताकत वाली टीम के बीच चार दिन का वार्म-अप मैच आयोजित करने पर सहमति जताई है। साल 2029 में जब इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा, तो वहां भी ऐसा ही मैच आयोजित किया जाएगा।

ईसीबी ने यह भी पुष्टि की है कि एशेज सीरीज के दौरान इंग्लैंड की पुरुषों की मिक्स्ड डिसेबिलिटी टीम ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी; इन मुकाबलों का शेड्यूल बाद में घोषित किया जाएगा। ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड का मानना ??है कि 2027 का शेड्यूल एशेज की प्रतिष्ठा और अलग-अलग फॉर्मेट में खेल के लगातार विकास को दर्शाता है।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीमों के बीच एशेज सीरीज शेड्यूल-

7-10 जून: वॉर्म-अप मैच इंग्लैंड लायंस बनाम ऑस्ट्रेलिया, एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड, मैनचेस्टर (अगर ऑस्ट्रेलिया आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचता है, तो इस मैच पर दोबारा विचार किया जाएगा)

18 -22 जून: पहला एशेज टेस्ट मैच (ट्रेंट ब्रिज, नॉटिंघम)

30 जून से 4 जुलाई: दूसरा एशेज टेस्ट (लॉर्ड्स, लंदन)

8-12 जुलाई: तीसरा एशेज टेस्ट (एजबेस्टन, बर्मिंघम)

21-25 जुलाई: चौथा एशेज टेस्ट (यूटिलिटा बाउल, साउथेम्प्टन)।

सर्जरी से गुजरेंगे स्पेन को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले कप्तान रोड्री: रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। स्पेन को अपनी कप्तानी में फीफा वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जिताने वाले रोड्री को एक बार फिर चोट की वजह से लंबे समय तक फुटबॉल से दूर रहना पड़ सकता है। रोड्री पीठ की इंजरी से जूझ रहे हैं और खबरों के मुताबिक अब वह सर्जरी से गुजरेंगे।

रोड्री की इंजरी ने स्पेन और मैनचेस्टर सिटी क्लब की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रोड्री का प्रदर्शन विश्व कप में शानदार रहा था और उन्होंने स्पेन को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। रोड्री ने टीम के मिडफील्ड को मजबूती प्रदान की थी, जिसके लिए उन्हें टूर्नामेंट का बेस्ट खिलाड़ी भी चुना गया था। रोड्री 'गोल्डन बॉल' पुरस्कार जीतने में सफल रहे थे।

हालांकि, पिछले कुछ समय से रोड्री लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। सितंबर 2024 में उन्हें लिगामेंट में गंभीर चोट लगी थी, जिसके कारण वह लगभग पूरा 2024-25 सीजन नहीं खेल सके थे।

इसके बाद हैमस्ट्रिंग और ग्रोइन की समस्याओं ने भी उनकी वापसी को मुश्किल बना दिया था। पिछले सीजन में वह सभी प्रतियोगिताओं में सिर्फ 33 मैच ही खेल पाए और प्रीमियर लीग में केवल 17 मैचों में शुरुआती एकादश का हिस्सा रहे।

मैदान पर लौटने के बाद भी रोड्री पहले जैसी लय में नहीं दिखे। मैनचेस्टर सिटी के तत्कालीन कोच पेप गार्डियोला ने भी माना था कि उन्हें शायद जल्दबाजी में मैदान पर उतार दिया गया था, जिसकी वजह से वह पूरी तरह फिट होकर नहीं लौट सके। रोड्री की नई चोट ऐसे समय आई है, जब मैनचेस्टर सिटी के साथ उनके अनुबंध में केवल एक साल बचा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 30 वर्षीय खिलाड़ी अपने पुराने क्लब रियल मैड्रिड में लौटने का इच्छुक है। विश्व कप जीतने के बाद उनके इस संभावित कदम को लेकर चर्चाएं और तेज हो गई हैं।

रोड्री की चोट को देखते हुए मैनचेस्टर सिटी ने इस गर्मी में अपने मिडफील्ड को मजबूत करने की कोशिश की है।

पंकज आडवाणी: महज 10 साल की उम्र में स्नूकर में पहली बार आजमाया हाथ, ऐतिहासिक करियर में जीते 28 विश्व खिताब

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में जब बिलियर्ड्स और स्नूकर गेम का जिक्र होता है, तो सबसे पहले एक ही खिलाड़ी का नाम दिमाग में आता है और वो है पंकज आडवाणी। महज 10 साल की उम्र में पहली बार स्नूकर टेबल पर हाथ आजमाने वाले पंकज का करियर ऐतिहासिक रहा। उन्होंने विश्व स्तर पर 28 खिताब अपने नाम किए।

पंकज आडवाणी का जन्म 24 जुलाई, 1985 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था। उस दौर में भारत में बिलियर्ड्स या स्नूकर के खेल को कोई खास पहचानता नहीं था। हालांकि पंकज की इस खेल के प्रति बचपन से ही दिलचस्पी रही। वह अपने बड़े भाई को स्नूकर खेलते हुए देखते थे और देखते ही देखते इस खेल के प्रति उनका लगाव बढ़ने लगा। 10 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार स्नूकर टेबल पर हाथ रखा और इसके बाद फिर इस खेल में रमते चले गए।

पंकज को द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता अरविंद सावूर के रूप में पहला ही कोच शानदार रहा, जिनकी देखरेख में उन्होंने इस खेल की बारीकियों को सीखा। पंकज ने सिर्फ 17 साल की उम्र में अपना पहला खिताब जीता।

उन्होंने 2003 में आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप को अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पंकज ने अपने करियर में बिलियर्ड्स और स्नूकर दोनों खेलों को मिलाकर कुल 28 विश्व खिताब अपने नाम किए।

साल 2005 में पंकज एक ही साल में प्वाइंट और टाइम दोनों ही प्रारूपों की आईबीएसएफ वर्ल्ड बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीतकर ग्रैंड डबल पूरा करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने। साल 2014 में आयोजित हुई आईबीएसएफ वर्ल्ड-6 रेड स्नूकर चैंपियनशिप का खिताब जीतकर पंकज बिलियर्ड्स और स्नूकर में छोटे और बड़े दोनों ही स्पर्धाओं में जीत हासिल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने। पंकज का प्रदर्शन एशियाई खेलों में दमदार रहा। उन्होंने देश को साल 2006 और 2010 में हुए एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल दिलवाया।

पहला टी20 : भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टॉस जीत लिया गेंदबाजी का फैसला, अशोक शर्मा का डेब्यू

विश्व केसरी ■

हरारे । भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जा रहा है। भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया है।

टॉस जीतकर श्रेयस अय्यर ने कहा कि हम पहले गेंदबाजी करेंगे। मैं यहां पहली बार आया हूं, इसलिए मुझे नहीं पता कि पिच कैसा खेलेगी, लेकिन अभ्यास की पिच पर अच्छा-खासा बाउंस था। मुझे नहीं पता कि पिच कैसा खेलेगी, लेकिन उम्मीद है कि बाउंस मिलेगा। जिम्बाब्वे पिछले कुछ सालों से शानदार खेल रही है, खासकर विश्व कप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। बल्लेबाज और गेंदबाज अपनी ताकत का सही इस्तेमाल कर रहे थे। यह कमाल का था। हम तीन तेज गेंदबाजों और एक स्पिनर के साथ उतरेंगे।

भारत की तरफ से दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा डेब्यू कर रहे हैं। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह हरारे स्पोर्ट्स क्लब की आम विकेट है। शुरुआत में थोड़ी मदद मिल सकती है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह ज्यादा देर तक रहेगी। इस विकेट पर काफी रन बन सकते हैं और उम्मीद है कि हम अच्छा स्कोर खड़ा कर पाएंगे। बांग्लादेश के खिलाफ पिछली टी20 सीरीज में बहुत सी अच्छी बातें रहीं। हमारे गेंदबाजों ने प्रदर्शन शानदार प्रदर्शन किया। बुलावायो में भी, थोड़ी धीमी पिच पर, हमारे टॉप तीन बल्लेबाजों ने ही ज्यादातर रन बनाए थे। उम्मीद है कि निचले और मध्यक्रम के बल्लेबाज भी योगदान देंगे और रन बनाने की कोशिश करेंगे, और हमारे गेंदबाज इसी तरह अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे।

मुझे पूरा यकीन है कि एक बहुत अच्छा मैच होगा। हम चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर के साथ उतर रहे हैं। न्यामहूरी अपना टी20 डेब्यू कर रहे हैं।

भारत की प्लेइंग इलेवन: वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, अशोक शर्मा, मयंक यादव।

कॉमनवेल्थ गेम्स: खेल मंत्री मांडविया और भारतीय समुदाय ने ग्लासगो में 'चीयर 4 भारत' का नारा बुलंद किया

विश्व केसरी ■

ग्लासगो । 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय एथलीटों के लिए समर्थन जुटाने के मकसद से केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने भारतीय समुदाय के साथ मिलकर 'चीयर 4 भारत' बैनर तले एक साइकिलिंग इवेंट आयोजित किया। इसके माध्यम से उन्होंने दुनिया भर में फिटनेस के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया।

इस अवसर पर मांडविया ने कहा कि फिटनेस हर वैश्विक नागरिक के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय एथलीटों का हौसला बढ़ाने के लिए भारतीय समुदाय ने 'चीयर 4 भारत' पहल का आयोजन किया। इसके जरिए हमने यह संदेश दिया कि फिटनेस दुनिया के हर नागरिक के लिए जरूरी है। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'फिट इंडिया मूवमेंट' शुरू किया था और हमारा समुदाय इस मकसद से गहराई से जुड़ा हुआ है। 'मांडविया ने कहा, 'किसी भी देश की तरक्की के लिए उसके नागरिकों का फिट होना जरूरी है। फिट नागरिक ही एक स्वस्थ समाज बनाते हैं और सिर्फ एक स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। मेरी अपील है कि एक विकसित राष्ट्र बनाने के सामूहिक संकल्प के तहत राष्ट्रीय फिटनेस अभियान के लिए सभी एकजुट हों।

साइकिलिंग के फायदों पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि यह पर्यावरण प्रदूषण का एक सशक्त समाधान है, व्यक्तिगत फिटनेस के लिए एक अहम जरिया है और शहरी ट्रैफिक जाम का एक प्रभावी उपाय है।

मांडविया ने कहा, 'साइकिलिंग के जरिए हम दुनिया को एक संदेश देना चाहते हैं कि आइए, अपने ग्रह को बचाने और पर्यावरण की रक्षा के लिए मिलकर काम करें। 'चीयर 4 भारत' के तहत आयोजित हमारे साइकिलिंग इवेंट के जरिए, भारतीय समुदाय हमारे एथलीटों का समर्थन करने और उनका हौसला बढ़ाने के लिए एकजुट हुआ है।

मौके पर मौजूद यूनाइटेड किंगडम में भारत के हाई कमिश्नर पेरियासामी कुमारन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलों के क्षेत्र में भारत की तरक्की पर आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री ने कई बार भारत में बढ़ते मोटापे और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की जरूरत के बारे में बात की है।

चाइना ओपन 2026: लक्ष्य सेन ने कड़े मुकाबले में युशी तनाका को हराया

विश्व केसरी ■

चांगझू (चीन)। चाइना ओपन में बुधवार को टॉप स्टार्स लक्ष्य सेन, पीवी सिंधु और आयुष शेट्टी ने जीत दर्ज करते हुए दूसरे राउंड में जगह बना ली है। लक्ष्य ने एक मुश्किल मुकाबले में जापान के युशी तनाका को 22-20, 15-21, 21-14 से हराया, जबकि सिंधु ने अपनी ही देश की उन्नति हुड्डा को 21-14, 9-21, 21-10 से मात दी।

वहीं, आयुष ने इंडोनेशिया के वर्ल्ड नंबर 11 अल्वी फरहान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की और 21-17, 5-21, 21-17 से जीतकर 'अंतिम 16' में जगह बनाई। तीनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने मैच निर्णायक गेम में जीतकर दूसरे राउंड में प्रवेश किया।

सिंधु ने चाइना ओपन के शुरुआती राउंड में हमवतन उन्नति हुड्डा को कड़े मुकाबले में हराया। वहीं, आयुष शेट्टी ने बुधवार को इंडोनेशिया के वर्ल्ड नंबर 11 अल्वी फरहान को हराकर दिन का सबसे बड़ा उलटफेर किया और पुरुष सिंगल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

जापान ओपन में जीत के साथ अपना खिताब का सूखा खत्म करने के कुछ ही दिनों बाद, सिंधु ने 18 वर्षीय हुड्डा को 56 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 9-21, 21-10 से जीत हासिल की। सिंधु का अगला मुकाबला दूसरे राउंड में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त और पूर्व ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई से होगा।

आयुष शेट्टी के लिए यह दिन यादगार रहा; उन्होंने पूर्व वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अल्वी फरहान को 21-17, 5-21, 21-17 से शिकस्त देकर 'अंतिम 16' में अपनी जगह पक्की की। युवा भारतीय खिलाड़ी के लिए यह जीत एक तरह का बदला लेने जैसी थी, क्योंकि वे 2023 वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में इसी इंडोनेशियाई खिलाड़ी से हार गए थे।

अनुशासित और आक्रामक खेल के साथ पहला गेम जीतने के बाद, शेट्टी पर दबाव बढ़ गया क्योंकि फरहान ने दूसरे गेम में दबदबा बनाए रखा। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी ने निर्णायक गेम में शानदार वापसी की और आखिरी पलों में संयमित खेल दिखाते हुए ।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415